12-04-2025 ISN:Layout 1 4/12/2025 7:41 AM Page 1

मौसम
दिल्ली/एनसीआर
अधिकतम ता. 29.0°C
न्यूनतम ता. 17.0°C

दैनिक
# इंडिया सावधान न्यूज

RNI No. : UPHIN/2016/71004
www.indiasavdhan.com
राष्ट्रीय हिन्दी समाचार पत्र

वर्षः 08 अंकः 97, शनिवार 12 अप्रैल, 2025 पृष्ठः 8 मूल्यः 2 रुपए गौतमबुद्धनगर से प्रकाशित, लखनऊ, दिल्ली, मुम्बई, हरियाणा से एक साथ प्रसारित

**4-अक्रूर जी महाराज की जयंती पर एक भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई**

## सम्राट सुहेलदेव का स्मारक भारत की विजय और विदेशी आक्रांताओं के लिए चुनौती का प्रतीक : सीएम योगी

**वाराणसी/लखनऊ** : महाराज सुहेलदेव ने 1000 साल पहले विदेशी आक्रांता सालार मसूद को तीन लाख की सेना सहित पराजित कर भारत की विजय पताका फहराई थी। लेकिन गुलामी की मानसिकता ने उनके गौरवशाली इतिहास को भुला दिया। कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने समाज के सामने उस गौरव को फिर से जीवित किया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ये बातें शुक्रवार को वाराणसी में पिंडरा ब्लॉक के फतेपुर में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर की पूज्यनीय माता स्वर्गीय जितना देवी राजभर की प्रथम पुण्यतिथि पर आयोजित श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते हुए कहीं।

**यह स्मारक देश को बांटने और गद्दारी करने की साजिश रचने वालों के लिए चेतावनी**

सीएम योगी ने कहा कि यह सौभाग्य की बात है कि आज ऐसी पुण्य भूमि पर हूं, जो चक्रवर्ती सम्राट सुहेलदेव के पराक्रम की भूमि है। उन्होंने कहा कि महाराज सुहेलदेव ने 1000 साल पहले बहराइच की धरती पर विदेशी आक्रांता सालार मसूद को पराजित कर भारत की विजय पताका फहराई थी। आज महाराज सुहेलदेव का स्मारक बनकर तैयार हो चुका है, जो भारत की विजय और विदेशी आक्रांताओं के लिए एक चुनौती का प्रतीक है। यह स्मारक उन लोगों के लिए भी चेतावनी है, जो आज भी देश को बांटने और गद्दारी करने की साजिश रच रहे हैं।

**माता की महिमा अपरंपार है**

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसी भी पुत्र के लिए इससे बड़ा पुण्य कार्य नहीं हो सकता कि वह अपनी माता की स्मृति को जीवित रखने के लिए आयोजन करे। ओमप्रकाश राजभर ने यह कर दिखाया है। उन्होंने अपने माता-पिता के संस्कारों से अपने संघर्षों का मार्ग प्रशस्त किया। सीएम योगी ने भगवान राम का उदाहरण देते हुए कहा कि माता की महिमा अपरंपार है। श्री राम ने स्वर्णमयी लंका को भी मातृभूमि से छोटा माना। इसी भावना से ओमप्रकाश राजभर ने अपने माता-पिता की परंपरा और संस्कारों को आगे बढ़ाया है। **फतेपुर को देंगे नई ऊंचाई** मुख्यमंत्री ने ओमप्रकाश राजभर के दोनों पुत्रों अरुण राजभर व अरविंद राजभर सहित पूरे परिवार को बधाई दी। उन्होंने इस पुण्य अवसर पर आए सभी लोगों का आभार व्यक्त किया और फतेपुर की धरती को नई ऊंचाई देने का संकल्प दोहराया। अंत में सीएम योगी ने राष्ट्र के विरोध में काम करने वालों को चेतावनी देते हुए कहा कि सुहेलदेव का इतिहास हर उस गद्दार के लिए सबक है, जो देश को तोड़ने की कोशिश करेगा।

## पीएम ने एयरपोर्ट पर ही मांगी गैंगरेप केस की जानकारी

- कमिश्नर से कहा-दोषी बचने न पाएं,23 लड़कों ने 7 दिन तक किया था गैंगरेप

**वाराणसी (एजेंसी)।** पीएम नरेंद्र मोदी शुक्रवार सुबह 10 बजकर 7 मिनट पर अपने 50वें दौरे पर वाराणसी पहुंचे। एयरपोर्ट पर उतरते ही पीएम ने पुलिस कमिश्नर मोहित अग्रवाल से छात्रा से गैंगरेप केस को लेकर सवाल-जवाब किए। उन्होंने कमिश्नर से वारदात की पूरी जानकारी ली।

कहा- सभी दोषियों पर सख्त एक्शन हो। साथ ही, ऐसी घटना दोबारा न होने पाए। यह घटना 15 दिन पहले की है कमिश्नर ने पीएम मोदी को केस की पूरी स्टेटस रिपोर्ट बताई। उन्होंने कहा कि इस मामले में मुख्य आरोपी समेत 9 लोगों को जेल भेजा जा चुका है। तीन और आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। मुख्य आरोपी का कैफे सील कर दिया गया है। दरअसल, वाराणसी में ग्रेजुएशन की छात्रा से 29 मार्च को 23 लड़कों ने 7 दिन तक गैंगरेप किया था, फिर उसे सड़क पर फेंक कर भाग गए थे। छात्रा बदहवास हालत में घर पहुंची और दो दिन तक बेहोश रही थी।

## अमेरिकी सामान पर टैरिफ बढ़ाकर 125 फीसदी किया

- चीन का पलटवार,शी जिनपिंग ने कहा-उनका देश किसी से नहीं डरता है

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ वॉर लगातार गहराता जा रहा है। चीन ने अमरीका से आने वाले सामान पर टैरिफ 84 फीसदी से बढ़ाकर 125 फीसदी कर दिया है। यह 12 अप्रैल से लागू

होगा। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन को छोड़कर बाकी सभी देशों को रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिन की छूट दी थी। लेकिन चीन पर इसे बढ़ाकर 145 फीसदी कर दिया। इसके जवाब में अब चीन ने भी अमेरिका सामान पर टैरिफ बढ़ा दिया है लेकिन साथ ही कहा है कि वह इसे 125 फीसदी से ज्यादा नहीं करेगा। अमेरिका और चीन दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों देशों के बीच अरबों डॉलर का ट्रेड होता है जिसमें अमेरिका घाटे में है। दोनों देशों के बीच चल रहे ट्रेड वॉर से दुनिया में मंदी आने और महंगाई बढ़ने की आशंका है। चीन की कॉमर्स मिनिस्ट्री के प्रवक्ता ने अमेरिकी सामान पर टैरिफ बढ़ाने की बात कही है। प्रवक्ता ने कहा,अमरीका की तरफ चीन पर लगातार बहुत ज्यादा टैक्स लगाना सिर्फ एक नंबर का खेल बन गया है।

## मैं काशी का हूं और काशी मेरी है : प्रधानमंत्री

**भारत आज दुनिया का सबसे बड़ा दूध उत्पादक देश : मोदी**

**वाराणसी।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी शुक्रवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के एक दिवसीय दौरे पर पहुंचे। काशीवासियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। मेहंदीगंज में आयोजित विशाल जनसभा में पीएम ने भोजपुरी में भी काशीवासियों से संवाद किया। अपने संबोधन में उन्होंने बार-बार काशी के प्रति अपने गहरे लगाव को दोहराया। उन्होंने कहा कि "काशी मेरी है और मैं काशी का हूं"।

**जौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन...**

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में काशी के बदलते स्वरूप पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि पिछले एक दशक में काशी ने विकास की नई गति पकड़ी है। उन्होंने कहा कि काशी अब केवल पुरातन नहीं, बल्कि प्रगतिशील भी है। इसने आधुनिकता को अपनाया है, विरासत को संजोया है और भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए मजबूत कदम उठाए हैं। पीएम ने काशी को पूर्वांचल के आर्थिक नक्शे का केंद्र बताया और कहा, ह्यजौने काशी के स्वयं महादेव चलावेलन, आज उहे काशी पूर्वांचल के विकास के रथ के खींचत हौ।ह्व उन्होंने काशी की संस्कृतिक धरोहर और आधुनिक बुनियादी ढांचे के सामंजस्य को भारत के विकास का एक अनूठा मॉडल करार दिया।3900 करोड़ की 44 परियोजनाओं का किया लोकार्पण और शिलान्यास पीएम ने काशी और पूर्वांचल के लिए 3900 करोड़ रुपये की 44 परियोजनाओं का लोकार्पण और

शिलान्यास किया। इनमें कनेक्टिविटी को मजबूत करने वाले इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स, गांव-गांव तक नल से जल पहुंचाने की योजनाएं, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं का विस्तार और खेल के क्षेत्र में नई पहल शामिल हैं। उन्होंने कहा कि ये परियोजनाएं पूर्वांचल को विकसित बनाने की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगी। काशी के हर निवासी को इन योजनाओं से लाभ मिलेगा। इन परियोजनाओं में लाल बहादुर शास्त्री एयरपोर्ट के विस्तार, भिखारीपुर और मंडुआडीह में फ्लाईओवर और बनारस-सारनाथ को जोड़ने वाला नया पुल जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट्स शामिल हैं। प्रधानमंत्री ने आयुष्मान वय वंदना कार्ड का भी वितरण किया, जिनमें दिनेश कुमार रावत, राजेंद्र प्रसाद और दुर्गावती शामिल थे। इस योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिलेगी। पीएम ने कहा कि आज बुजुर्गों के चेहरों पर संतोष का भाव मेरे लिए इस योजना की सबसे बड़ी सफलता है। अब इलाज के लिए न जमीन बेचनी पड़ेगी, न कर्ज लेना पड़ेगा। आपके इलाज का खर्च अब सरकार उठाएगी। उन्होंने बताया कि काशी में अब तक 50 हजार आयुष्मान वय वंदना कार्ड वितरित किए जा चुके हैं, जिससे हजारों परिवारों को राहत मिली है।

माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी का शुक्रवार को वाराणसी में स्वागत करती माननीय राज्यपाल श्रीमती आनंदीबेन पटेल जी और माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

## जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में मारा गया एक आतंकी

**जंगली इलाके में सेना ने 2-3 आतंकियों को घेरा,एनकाउंटर जारी**

**श्रीनगर (एजेंसी)।** जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले के घने जंगलों में चल रहे एनकाउंटर में सुरक्षाबलों ने शुक्रवार को एक आतंकी मार गिराया है। 2-3 आतंकियों को अभी सुरक्षाबलों ने घेर रखा है। एनकाउंटर जारी है। अभी तक किसी सुरक्षाकर्मी के घायल होने की खबर नहीं है। सुरक्षा बलों ने 9 अप्रैल को चत्रू जंगल के इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी थी, जिसके बाद आतंकियों और सुरक्षाबलों के बीच फायरिंग शुरू हुई थी। यहां बड़ी तादाद में सुरक्षा बल तैनात हैं। आसपास के गांवों में भी अलर्ट है। स्थानीय लोगों से भी सतर्क रहने और संदिग्ध गतिविधि की सूचना

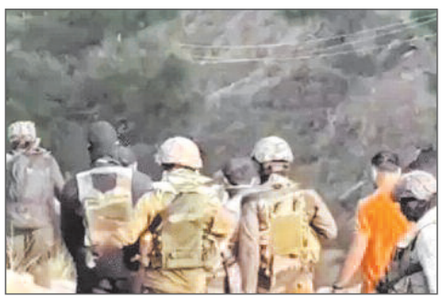

देने की अपील की गई है। इससे पहले 4 और 5 अप्रैल की दरमियानी रात जम्मू में एलओसी पर आरएस पुरा सेक्टर पर बीएसएफ के जवानों ने एक पाकिस्तानी घुसपैठिए को मार गिराया था। वहीं, 1 अप्रैल को एलओसी पर सेना के एनकाउंटर में 4-5 पाकिस्तानी घुसपैठियों को मारा गया था। घटना पुंछ में एलओसी पर कृष्णा घाटी सेक्टर के फॉरवर्ड एरिया में हुई थी। 1 अप्रैल को सटे इलाके में 3 माइन ब्लास्ट हुए और पाकिस्तान की ओर से फायरिंग भी हुई थी। दावा है कि इसी समय आतंकियों ने घुसपैठ की कोशिश की थी। भारतीय सेना ने जवाबी फायरिंग की थी।

## वक्फ कानून के खिलाफ कोलकाता में सड़कों पर उतरे स्टूडेंट्स

**श्रीनगर में बीजेपी का प्रदर्शन,मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का वक्फ बचाव अभियान शुरू**

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** नए वक्फ कानून के विरोध में पश्चिम बंगाल के कोलकाता में प्रदर्शन किया जा रहा है, ये प्रदर्शन आलिया यूनिवर्सिटी के छात्र कर रहे हैं। मुस्लिम संगठनों ने भी छात्रों का समर्थन किया है। बड़ी संख्या में लोग इस प्रदर्शन में जमा हुए हैं। इधर, जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के कार्यकर्ताओं ने शुक्रवार सुबह विरोध प्रदर्शन किया। पुलिस ने पार्टी ऑफिस के बाहर ही बैरिकेड्स लगाकर प्रदर्शनकारियों को रोक दिया। यह विरोध प्रदर्शन टीएमसी के महासचिव खुर्शीद आलम के नेतृत्व में किया गया।

टीएमसी कार्यकर्ता नए वक्फ कानून के विरोध में शहर के केंद्र की ओर मार्च करना चाहते थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें इसकी इजाजत नहीं दी। दरअसल, ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड का शुक्रवार से देशभर में वक्फ बचाव अभियान शुरू हो गया है। इसका पहला फेज 07 जुलाई यानी 87 दिन तक चलेगा। इसमें वक्फ कानून के विरोध में 1 करोड़ हस्ताक्षर कराए जाएंगे। जो पीएम मोदी को भेजे जाएंगे। इसके बाद अगले फेज की रणनीति तय की जाएगी। बोर्ड के महासचिव मौलाना फजलुर रहीम मुजद्दिदी ने वीडियो मैसेज जारी किया है। वीडियो में मुजद्दिदी ने सरकार पर सांप्रदायिक एजेंडा चलाने और धर्मनिरपेक्षता को कमजोर करने का आरोप लगाया है। उन्होंने वीडियो में कहा- यह अभियान वक्फ संपत्तियों की रक्षा और विधेयक को निरस्त करने की मांग को लेकर चलाया जा रहा है। बोर्ड का मानना है कि यह विधेयक वक्फ संपत्तियों की प्रकृति और स्वायत्तता को नुकसान पहुंचाएगा, जिसे वे इस्लामी मूल्यों, शरीयत, धार्मिक स्वतंत्रता और भारतीय संविधान के खिलाफ मानते हैं।

## राहुल गांधी ने रणथंभौर में की टाइगर सफारी

**एरोहेड और शावकों की अठखेलियां देखी,कांग्रेस कार्यकर्ता के साथ फोटो खिंचवाई**

**सवाई माधोपुर (एजेंसी)।** कांग्रेस नेता और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी निजी यात्रा पर रणथंभौर में हैं। राहुल गांधी ने गुरुवार सुबह-शाम और शुक्रवार को सुबह लगातार टाइगर सफारी का लुत्फ उठाया। इस दौरान उन्हें लगातार तीनों सफारी में बाघ-बाघिन के दीदार हुए। जोन नंबर 2 में फिमेल टाइगर को शिकार करते देखा। राहुल गांधी ने गुरुवार सुबह जोन नंबर 3 के गूलर वन क्षेत्र में बाघिन सिद्धि के दीदार हुए। यहां शावक को स्वछंद घूमते देखकर राहुल गांधी खासे उत्साहित दिखाई दिए।

### गांधी परिवार का फेवरेट वेकेशन डेस्टिनेशन है रणथंभौर

उल्लेखनीय है कि गांधी परिवार का रणथंभौर से गहरा लगाव है। राहुल गांधी की बहन और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा भी अक्सर रणथंभौर आती रहती है। उनके बच्चे और पति रॉबर्ट वाड्रा भी रणथंभौर आते रहते हैं। प्रियंका गांधी तो साल में करीब 2 से 3 बार रणथंभौर आती है। प्रियंका के अलावा सोनिया गांधी भी रणथंभौर आ चुकी है। वहीं राहुल गांधी के पिता राजीव गांधी का भी रणथंभौर से गहरा लगाव था। वह पहली बार प्रधानमंत्री बनने के बाद यहां अपनी छुट्टियों के दौरान एक सप्ताह तक रणथंभौर रुके थे। फिलहाल राहुल गांधी रणथंभौर ट्यूर को लेकर प्रशासन भी पूरी तरह से अलर्ट है।

## यूपी को निवेश का हब बनाने के लिए सिंगल विंडो सिस्टम को किया जाएगा और मजबूत

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इंवेस्ट यूपी प्रदेश को निवेश का हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके तहत फरवरी 2023 में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में रिकार्ड 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश उत्तर प्रदेश में हुआ। सीएम योगी के वन ट्रिलियन डालर इकॉनमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इंवेस्ट यूपी की पुनर्संरचना की जा रही है। इस दिशा क्रम में सीएम योगी ने समीक्षा बैठक में इंवेस्ट यूपी के निवेश मित्र, सिंगल विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम को अधिक प्रभावी और पारदर्शी बनाने का निर्देश दिया। ताकि प्रदेश में निवेश करने वाले उद्यमियों को आसानी से क्लियरेंस मिल सके और अधिक से अधिक एमओयू को धरातल पर उतारा जा सके।

**इंवेस्ट यूपी के सिंगल विंडो ऑपरेटिंग सिस्टम की जल्द दूर होगी सभी समस्याएं**

इंवेस्ट यूपी को और अधिक प्रभावशाली बनाने और प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश को आकर्षित करने के लिये निवेश मित्र, सिंगल विंड़ो ऑपरेटिंग सिस्टम की सभी समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जा रहा है। इस दिशा में सीएम योगी के निदेर्शों के मुताबिक सिंगल विंडो अधिनियम 2024 को प्रभावी तौर पर लागू किया जा रहा है। साथ ही इस माह से ही सिस्टम एग्रीगेटर की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। ताकि अलग-अलग विभागों के डेटा का एकत्रिकरण कर उनका एक ही स्थान पर निराकरण किया जा सके। साथ ही सूचना और सुविधा प्रदान करने के लिए टर्नराउंड समय

**मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में इंवेस्ट यूपी प्रदेश को निवेश का हब बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसके तहत फरवरी 2023 में आयोजित ग्राउंड ब्रेकिंग सेरेमनी में रिकार्ड 10 लाख करोड़ रुपये का निवेश उत्तर प्रदेश में हुआ। सीएम योगी के वन ट्रिलियन डालर इकॉनमी के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए इंवेस्ट यूपी की पुनर्संरचना की जा रही है।**

को कम किया जा सके। प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए अधिनियम के मुताबिक अनावश्यक विलंब की स्थिती में संबंधित अधिकारियों के विरुद्ध कार्यवाई करने व उच्च स्तर के अधिकारियों तक सीधे ऑनलाइन शिकायत प्रस्तुत की जा सकने की सुविधा प्रदान की गई है। **लैंड यूज प्रक्रिया का होगा डिजिटलीकरण, 3 माह में मिलेगा विद्युत और जल कनेक्शन**

सीएम योगी के यूपी को औद्योगिक निवेश का ड्रीम डेस्टीनेशन बनाने के मिशन में इंवेस्ट यूपी में कई सुधारात्मक उपाय अपनाये जा रहे हैं। इसी दिशा क्रम में इंवेस्ट यूपी के तहत लैंड यूज परिवर्तन प्रक्रिया का पूरी तरह से धार-80 के मुताबिक 6 माह के भीतर डिजटलीकरण किया जा रहा। साथ ही भूजल उपयोग सहित विद्युत और जल कनेक्शन की प्रक्रिया को भी 3 माह की समयावधि में पूरा करना सुनिश्चित किया जाएगा। इसके साथ ही सिंगल विड़ों ऑपरेटिंग सिस्टम के तहत उद्योग को इनवायरमेंट क्लीयरेंस और गैर प्रदूषणकारी उद्योगों को श्वेत श्रेणी में वगीर्कृत करने की प्रक्रिया को भी तीव्र किया जाएगा। साथ ही राज्य जन विश्वास अधिनियम के तहत अपराध मुक्ति का ड्राफ्ट भी 3 माह की अवधि में प्रदान करना है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औद्योगिक भूमि के लिए जीआईएस डाटा बैंक बनाने के भी निर्दश दिये हैं, जो कि शीघ्र ही सुचारू रूप से उपयोग में लाया जा सकेगा।

12-04-2025 ISN:Layout 1 4/12/2025 7:41 AM Page 2



## दिल्ली में अवैध रूप से रह रहे सात बांग्लादेशी पकड़े गए

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय राजधानी में अवैध रूप से रहने के आरोप में बांग्लादेश के सात नागरिकों को पकड़ लिया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ये लोग 'डंकी' मार्ग से यूरोप पहुंचने के लिए भारत को पारगमन मार्ग के रूप में इस्तेमाल करने की फिराक में थे। पुलिस ने बताया कि आरोपियों की पहचान सोहाग (40), मोहम्मद शाएद उल्ला कव्हर भुइयां (46), मोहम्मद साजिब हसन (28), लिटन मोलिक (37), मोहम्मद मिज़ानपुर रहमान (33), मोहम्मद जकारिया (37) और विश्वजीत चंद्र बर्मन (42) के रूप में हुई है, जो सभी बांग्लादेश के निवासी हैं। बाहरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सचिन शर्मा ने कहा, ''बांग्लादेश में दूतावासों की कमी के कारण यूरोपीय देशों के लिए वीजा हासिल करने में कठिनाइयों का हवाला देते हुए कई बांग्लादेशी नागरिक भारत में प्रवेश करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''वहां से बेहतर आजीविका के अवसरों और आर्थिक स्थिरता की तलाश में अनियमित प्रवास मार्गों के माध्यम से यूरोपीय देशों तक पहुंचने का प्रयास करने वाले लोगों की संख्या बढ़ रही है।'' पुलिस ने पीरागढ़ी कैंप क्षेत्र में मुख्य रोहतक रोड पर काली माता मंदिर के पास अभियान चलाया जहां आरोपी कथित तौर पर अनधिकृत तरीके से रहने का प्रयास कर रहे थे। डीसीपी ने कहा, ''पूछताछ के दौरान सभी सातों लोग वैध दस्तावेज दिखाने में विफल रहे और सत्यापन पर पता चला कि उनके परमिट की अवधि समाप्त हो चुकी थी। विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय (एफआरआरओ) ने निर्वासन की कार्यवाही शुरू कर दी है।'' इससे पहले इसी तरह के सत्यापन अभियान के दौरान सुल्तान पुरी में एक अन्य बांग्लादेशी नागरिक मोहम्मद अफजल को गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने बताया कि उससे पूछताछ के बाद पुलिस को पीरागढ़ी में इन लोगों के बारे में पता चला। अधिकारी ने बताया कि विदेशी प्रकोष्ठ ने इस वर्ष लगभग 1,500 व्यक्तियों की जांच की है और इससे पहले बाहरी दिल्ली में इसी प्रकार के उल्लंघन के लिए चार अन्य लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

## दिल्ली में छात्र वीजा का फायदा उठाने वाले मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़, हेरोइन बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस ने एक अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़ किया है जो कथित तौर पर अफ्रीकी छात्रों को शिक्षा के बहाने भारत लाता था और उनका इस्तेमाल हेरोइन तस्करी में करता था। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि युगांडा के हम्फ्रे मुवोंग (33) और नाइजीरिया के चुकवू एबुका उमेह (36) को गिरफ्तार किया गया है और उनके पास से एक करोड़ रुपये से अधिक कीमत की 700 ग्राम उच्च गुणवत्ता वाली हेरोइन जब्त की गई है। अधिकारी ने बताया कि दोनों आरोपी कथित तौर पर अफ्रीका में रह रहे नाइजीरियाई नागरिक डागरी जीन मार्क के निर्देशों पर काम करने वाले एक बड़े गिरोह का हिस्सा थे। उन्होंने बताया कि मार्क अफ्रीकी नागरिकों को शिक्षा के बहाने भारत लाता था और फिर उन्हें नशीले पदार्थों के व्यापार में धकेल देता था। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि मार्क पहले भारत में रह चुका है और माना जाता है कि उसने तिलक नगर में मादक पदार्थों के वितरण का एक मजबूत नेटवर्क बनाया था। पुलिस ने बताया कि गिरोह ने कथित तौर पर अवैध गतिविधियों के लिए छात्र वीजा का दुरुपयोग किया और वह अफ्रीकी नागरिकों को दिल्ली-एनसीआर और पंजाब के निजी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा हासिल करने का झांसा देकर भारत लाता था। पुलिस उपायुक्त (अपराध) विक्रम सिंह ने कहा, ''तीन अप्रैल को न्यू महावीर नगर के कृष्णा पार्क एक्सटेंशन में 20 घंटे तक जारी निगरानी अभियान के बाद दोनों आरोपियों को पकड़ा गया और उनके कब्जे से 700 ग्राम हेरोइन बरामद की गई।'' आरोपियों से पूछताछ में पता चला कि दोनों मार्क के निर्देशों पर काम कर रहे थे। डीसीपी ने कहा, 'पेशे से मैकेनिकल इंजीनियर मुवोंग को पहले 2023 में एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तार किया गया था और वह जमानत पर बाहर था। मुवोंग और उमेह 2019 से भारत में रह रहे हैं।' पुलिस ने कहा कि इसमें शामिल अन्य लोगों का पता लगाने और पूरे नेटवर्क को खत्म करने के लिए जांच की जा रही है।

## दिल्ली में फर्जी हवाई टिकट के बड़े रैकेट का भंडाफोड़

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंटरनेट मीडिया पर आफर में सस्ते दाम में हवाई जहाज टिकट देने का झांसा देकर 20 लोगों को ठगने का मामला सामने आया है। बाहरी उत्तरी जिले के साइबर थाना पुलिस ने ठगी गिरोह के सरगना समेत दो को गिरफ्तार किया है। पुलिस जांच में पता चला कि इससे पहले सरगना मुंबई में भी साइबर ठगी मामले में गिरफ्तार हो चुका है। जेल से बाहर आने के बाद अपना नया ठिकाना दिल्ली में बनाकर फिर से ठगी करने लगा। सरगना की पहचान सलमान सईद सिद्दीकी और रोहित राजाराम के रूप में हुई है। पुलिस ने इनके कब्जे से 12 मोबाइल, तीन लैपटॉप, 22 डेबिट और क्रेडिट कार्ड, 6 चेकबुक, 4 वाईफाई राउटर, एक टैब फोन, एक वाईफाई पॉड, स्टाम्प और तीन सिम कार्ड बरामद किए हैं। पूछताछ के दौरान आरोपित ने खुलासा किया कि दिल्ली में अब तक वह 20 लोगों से ठगी कर चुका है। पीड़ित लोगों से कुल कितने रुपयों की ठगी हुई है, पुलिस यह जानकारी जुटाने का प्रयास कर रही है। बाहरी उत्तरी जिला पुलिस उपायुक्त निधिन वाल्सन ने बताया कि 19 नवंबर 2024 में नेशनल क्राइम पोर्टल पर सिरसपुर निवासी राजीव चोपड़ा ने ठगी से संबंधित एक शिकायत दर्ज कराई थी।

## महिला समेत दो ड्रग्स तस्कर गिरफ्तार, 14 किग्रा. गांजा बरामद

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी जिले के मोती नगर इलाके में ड्रग्स का धंधा करने वाली एक महिला समेत दो ड्रग्स तस्करों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपितों की पहचान रुखसाना और मोहम्मद मुस्लिम के रूप में हुई है। दोनों के कब्जे से पुलिस ने 14 किग्रा. गांजा बरामद किया है। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर ने बताया कि मोती नगर एसएचओ वरुण दलाल की टीम को सूचना मिली कि इलाके में एक महिला तस्करी में लिप्त है। जानकारी जुटाने के बाद छापेमारी कर पुलिस टीम ने रुखसाना को पकड़ा। पूछताछ में रुखसाना ने बताया कि वह मोहम्मद मुस्लिम नामक व्यक्ति से गांजा खरीदती है।

# वेतन या फीस वृद्धि से पहले विद्यालय उसकी सूचना जिला शुल्क नियामक समिति में करायें उपलब्ध : डीएम

**गौतम बुद्ध नगर**

डीएम मनीष कुमार वर्मा ने आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला शुल्क नियामक समिति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिला शुल्क नियामक समिति के सदस्यों को आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान किये। जिला विद्यालय निरीक्षक/ सदस्य सचिव, जिला शुल्क नियामक समिति द्वारा जिलाधिकारी को अवगत कराया गया कि जनपद के कुल 144 विद्यालयों द्वारा इस वर्ष की गयी फीस वृद्धि का विवरण प्रस्तुत किया गया है, जिसमें 03 विद्यालय क्रमशः अमर पब्लिक स्कूल सेक्टर-37 नोएडा, पारस पब्लिक स्कूल, मिल्क लिच्छी एवं संत किशोरी विद्या मन्दिर सेक्टर-158 नोएडा द्वारा फीस में अनुमन्य वृद्धि 5%+उढकसे अतिरिक्त फीस की वसूली की गयी है। जिलाधिकारी ने जिला शुल्क नियामक समिति को निर्देशित किया कि उक्त 3 विद्यालय के संचालकों को नोटिस निर्गत कर एक सप्ताह में जवाब मांगे कि उनके द्वारा अनुमन्य फीस से अतिरिक्त फीस क्यों ली गयी। जिलाधिकारी ने कहा कि समिति द्वारा तत्काल फीस को विद्यालय से छात्रों को वापस कराई जाए। शेष 76 विद्यालयों जिनके द्वारा इस वर्ष फीस वृद्धि का कोई विवरण जिला शुल्क नियामक समिति के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया, उन विद्यालयों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए एक लाख रु० का अर्थदण्ड उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम, 2018 के सुसंगत धाराओं के प्राविधानों के तहत अधिरोपित करें। साथ ही विद्यालय संचालकों को कारण बताओं नोटिस निर्गत कर एक सप्ताह में स्पष्टीकरण

प्रस्तुत के निर्देश दिए। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम, 2018 की धारा 4 (1) में उल्लिखित किया गया है कि कोई मान्यता प्राप्त विद्यालय अपने विद्यमान छात्रों के लिए पूर्ववती वर्ष के अध्यापन कर्मचारी वर्ग के मासिक वेतन में प्रति व्यक्ति वृद्धि के औसत के बराबर विद्यालय के प्रत्येक वर्ग/कक्षा/स्तर के लिए स्वंय अपने वार्षिक शुल्क में पुनरीक्षित कर सकता है, किन्तु शुल्क वृद्धि नवीनतम उपलब्ध वार्षिक प्रतिशत बढे हुए उपभोक्ता मूल्य सूचकांक छात्र से वसूल किये गये 5 प्रतिशत शुल्क से अधिक नहीं होगी।"इसके क्रम में जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि जनपद के समस्त विद्यालय के शैक्षणिक/गैर शैक्षणिक कर्मचारियों को वर्ष 2024-25 के सापेक्ष वर्ष 2025-26 में कितनी वेतन वृद्धि की गई है, इसका विवरण एक सप्ताह में कार्यालय सचिव, जिला शुल्क नियामक समिति के समक्ष प्रस्तुत करे एवं जो भी शुल्क वृद्धि की जाये उसको 60 दिन पूर्व बेबसाइड पर अपलोड करें तथा उसकी सूचना कार्यालय सचिव, जिला शुल्क नियामक समिति के कार्यालय में उपलब्ध करायें। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि उत्तर प्रदेश स्ववित्तपोषित स्वतंत्र विद्यालय (शुल्क विनियमन) अधिनियम, 2018 की धारा 3(11) के अनुसार यदि किसी विद्यालय द्वारा 5 वर्ष के पूर्व ड्रेस में परिवर्तन किया जाता है तो ऐसे विद्यालय के विरूद्ध जाँच कराकर कार्यवाही करें। साथ ही निर्देशित किया कि तहसील स्तर पर सिटी मजिस्ट्रेट / उपजिलाधिकारी/तहसीलदार की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग के अधिकारियों की टीम गठित कर निरीक्षण कराया जाये तथा यह भी सुनिश्चित कराया जाये किसी भी विद्यालय के द्वारा जूते, मौजे एवं ड्रेस आदि अभिभावकों को खरीदने हेतु बाध्य न किया जाये तथा ऐसे विद्यालय जिनके विरूद्ध शिकायतें प्राप्त होती है प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा विद्यालय की जाँच की जाये तथा दोषी पाये जाने पर तत्काल कार्यवाही प्रस्तावित करें। जिला विद्यालय निरीक्षक ने बताया कि स्कूलों की जाँच हेतु सिटी मजिस्ट्रेट नोएडा, उपजिलाधिकारी दादरी, उपजिलाधिकारी सदर, उपजिलाधिकारी जेवर, %तहसीलदार दादरी, तहसीलदार सदर तथा डिप्टी कलैक्टर वेद प्रकाश पाण्डेय की अध्यक्षता में 07 जाँच समितियों का गठन किया गया है, जो अपने-अपने क्षेत्र में विद्यालयों की जाँच कर यह सुनिश्चित करेंगें कि किसी भी विद्यालय में छात्र/अभिभावक को ड्रेस, किताबें, जूते, मौजे आदि के कय के लिए बाध्य तो नहीं किया जा रहा है।

## निगम आयुक्त का रवैया पूरी तरह से उदासीन और जनविरोधी है : सौरभ भारद्वाज

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) को लेकर आम आदमी पार्टी (आप) ने बड़ा हमला बोला है। पार्टी के नेता और दिल्ली के प्रभारी सौरभ भारद्वाज और मेयर महेश कुमार ने एमसीडी आयुक्त अश्वनी कुमार पर गंभीर आरोप लगाते हुए उन्हें तत्काल पद से हटाने की मांग की है। इस संबंध में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र भी भेजा गया है।

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि दिल्ली नगर निगम का बजट पेश होने के बाद उसमें जनता को बड़ी राहत दी गई थी। जिन प्रॉपर्टीज का आकार 100 गज तक है, उनका प्रॉपर्टी टैक्स माफ करने का प्रस्ताव पास किया गया। उन्होंने आगे बताया कि इसके अलावा 12,000 अस्थायी कर्मचारियों को स्थायी करने का भी प्रस्ताव पारित हुआ था। लेकिन, इन फैसलों को आयुक्त ने अब तक लागू नहीं किया। इसके विपरीत जनता पर अतिरिक्त बोझ डालते हुए यूजर चार्ज लगा दिए गए, वह भी मेयर से बिना परामर्श लिए।

सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि आयुक्त अश्वनी कुमार भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की अनदेखी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगर आयुक्त को हटाया नहीं गया, तो यह साफ हो जाएगा कि निगम में भाजपा की राजनीति चलाई जा रही है।

वहीं, दिल्ली के मेयर महेश कुमार ने भी केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखते हुए कहा है कि निगम आयुक्त का रवैया पूरी तरह से उदासीन और जनविरोधी है। उन्होंने लिखा कि सदन की मंजूरी के बावजूद आयुक्त ने न तो टैक्स माफी का आदेश जारी किया और न ही यूजर चार्ज हटाने की कोई पहल की।

मेयर ने कहा कि जनता टैक्स के बोझ से परेशान है और भाजपा ने जो वादे किए थे, वे पूरे नहीं किए। पत्र में उन्होंने यह भी लिखा है, 'आपसे अनुरोध है कि आयुक्त को तत्काल प्रभाव से पद से हटाया जाए और निगम में एक ऐसी सोच वाले व्यक्ति की नियुक्ति की जाए, जो दिल्ली की जनता और निगम के बीच तालमेल बना सके।'

# जिलाधिकारी ने लंबित निर्वाचन को यथाशीघ्र संपन्न कराने के नामित निर्वाचन अधिकारियों को दिए निर्देश

**गौतम बुद्ध नगर**

अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन तथा समिति में लंबित निर्वाचन को लेकर जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक संपन्न हुई। जिलाधिकारी ने बैठक में उपस्थित नामित निर्वाचन अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित निर्वाचन को यथाशीघ्र संपन्न करायें एवं डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स को निर्देशित किया कि वह जनपद के जिन अपार्टमेंट ओनर्स एसोसिएशन, रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन एवं सोसायटियों में समय से चुनाव संपन्न

नहीं कराए गए हैं, उनका डाटाबेस तैयार करें तथा सभी पंजीकृत संस्थाओं से इस संबंध में सूचना प्राप्त करें कि उनके यहां समय अंतर्गत चुनाव संपन्न कराया गया है या नहीं। इस महत्वपूर्ण बैठक में अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार, डेप्युटी रजिस्टार फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स ऋषभ अग्रवाल तथा अन्य नामित निर्वाचन अधिकारीगण उपस्थित रहे।

# परिवहन विभाग द्वारा 11 दिन में 59 अपंजीकृत ई रिक्शा सहित 102 आटो/ ई रिक्शा के विरुद्ध की गयी कार्यवाही

**गौतमबुद्धनगर**

शासन एवं जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम में अनधिकृत ई रिक्शा व ऑटो पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से 01 अप्रैल से 30 अप्रैल 2025 तक जनपद के परिवहन एवं पुलिस विभाग के द्वारा संयुक्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गौतम बुद्ध नगर डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि जनपद में कानून व्यवस्था सुदृढ़ बनाये रखने के लिए अनधिकृत ई-रिक्शा व ऑटो अंकुश लगाने के लिए सघन अभियान संचालित किये जा रहे हैं। परिवहन विभाग एवं यातायात पुलिस द्वारा 01 अप्रैल से 11 अप्रैल 2025 तक 59 अपंजीकृत ई-रिक्शा सहित बिना डी एल, बिना बीमा के संचालित व अन्य अभियोग में 102ई-रिक्शा / आटो चालान कर निरुद्ध किये गये तथा 13.25 लाख रुपए प्रशमन शुल्क आरोपित किया गया।

उन्होंने यह भी बताया कि शासन द्वारा बीते दिनों हुई बैठक में संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिये गये थे कि सुरक्षा व कानून व्यवस्था सरकार की पहली प्राथमिकता है। कई आपराधिक घटनाओं में अनधिकृत ई-रिक्शा व ऑटो चालकों की संलिप्तता पाई गई है। इसलिये सघन अभियान चलाकर इस पर हर हाल में अंकुश लगाया जायेगा।

नाबालिगों के हाथों में नहीं दिखेगी स्टेयरिंग

सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) गौतम बुद्ध नगर डॉ उदित नारायण पांडेय ने बताया कि सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से शासन के निदेर्शों के अनुपालन मे किसी भी गाड़ी की स्टेयरिंग नाबालिगों के हाथों में न हो, इस पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है एवं पुलिस द्वारा टेंपो, आटो,ई-रिक्शा चालकों का चरित्र वेरीफिकेशन कराया जा रहा है। नाबालिग द्वारा वाहन चलाने पर मोटर वाहन अधिनियम की सुसंगत धाराओं मे कठोर कार्यवाही की जायेगी, इसके अन्तर्गत नाबालिग को गाड़ी देने पर माता /पिता अभिभावक पर 25000 रु जुमार्ना, नाबालिग गाडी चलाने का लाइसेन्स 18 साल के उम्र पूरी होने के स्थान पर 25 साल में बनेगा साथ ही नाबालिग की जुविनाइल जस्टिस कोर्ट में मुकदमा चलेगा। बिना चालक लाइसेन्स ई रिक्शा / आटो या अन्य वाहन चलाने पर रु 5000 एवं बिना बीमा वाहन चलाने पर रु 2000 प्रशमन शुल्क आरोपित किया जाता है।

## दिल्ली के सभी सरकारी स्कूलों में 'आप' के कार्यकाल में हुए निर्माण की होगी विजिलेंस जांच

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली सरकार में पीडब्ल्यूडी विभाग के मंत्री प्रवेश वर्मा ने शुक्रवार को सभी सरकारी स्कूलों में पिछली 'आप' सरकार के कार्यकाल में हुए निर्माण की विजिलेंस जांच के आदेश दिए हैं। पालम विधानसभा क्षेत्र एक सरकारी स्कूल में ढांचागत खामियों की शिकायत के बाद उन्होंने यह आदेश दिया।

मीडिया से बातचीत के दौरान प्रवेश वर्मा ने कहा, 'हमने ज्क सरकारी स्कूल का दौरा किया। स्कूल की प्रिंसिपल ने शिकायत की कि पिछली सरकार ने करीब दो साल पहले यहां एक नई बिल्डिंग बनाई थी, लेकिन बारिश के समय में यहां बाढ़ जैसी स्थिति हो जाती है। जलभराव होने के कारण बच्चे कक्षाओं में बैठ भी नहीं पाते। इसलिए, आज मैंने जांच के आदेश दिए हैं।' उन्होंने कहा कि सिर्फ इस स्कूल के लिए नहीं, बल्कि पिछली सरकार द्वारा बनाए गए सभी स्कूलों के लिए जांच के निर्देश दिए गए हैं।

मंत्री ने कहा कि इस स्कूल की बिल्डिंग में उचित कंक्रीट स्लैब का प्रयोग नहीं किया गया है। पैसे बचाने के लिए ऐसा किया गया। लेकिन, सवाल यह है कि सस्ता क्यों बनाया गया। मैंने इस संबंध में विजिलेंस जांच के निर्देश दिए हैं। बिल्डिंग बनाने की आड़ में जिन लोगों द्वारा भ्रष्टाचार किया गया, उन पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली की सड़कों पर अतिक्रमण को लेकर प्रवेश वर्मा ने बताया कि उन्होंने सभी जिलाधिकारियों से स्थिति रिपोर्ट मांगी है।

इससे पहले प्रवेश वर्मा ने गुरुवार को नजफगढ़ ड्रेन के पास ड्रेनेज सिस्टम का निरीक्षण किया था। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में लिखा, 'दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के साथ नजफगढ़ ड्रेन के पास ड्रेनेज सिस्टम का संबंधित विभागों के अधिकारियों की मौजूदगी में निरीक्षण किया। सरकार अत्याधुनिक तकनीक के इस्तेमाल और विभिन्न एजेंसियों के बीच समन्वय को प्राथमिकता दे रही है ताकि राजधानी की ड्रेनेज व्यवस्था को और अधिक सक्षम और प्रभावी बनाया जा सके।'

## अतीत में हुई अप्रिय घटना के कारण जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती शोभायात्रा नहीं रोकी जा सकती : अदालत

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 11 अप्रैल (वेब वार्ता)। दिल्ली उच्च न्यायालय ने कहा है कि अतीत में घटित अप्रिय घटनाओं के कारण धार्मिक कार्यक्रमों के आयोजन पर रोक नहीं लगाई जा सकती। इसने दिल्ली पुलिस से जहांगीरपुरी में हनुमान जयंती शोभायात्रा की अनुमति देने पर निर्णय लेने को कहा। न्यायमूर्ति सचिन दत्ता 12 अप्रैल को शोभायात्रा निकालने की पुलिस द्वारा अनुमति न दिए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर सुनवाई कर रहे थे। अदालत ने कहा, ''प्रतिवादियों को उक्त आवेदन पर विचार करने और उचित एवं समय पर निर्णय लेने का निर्देश दिया जाता है। अधिकारी यह ध्यान रखें कि वर्ष 2022 में किसी अप्रिय घटना के घटित होने से, पिछले वर्षों में प्रचलित प्रथा के अनुसार, धार्मिक अवसरों पर शोभायात्रा निकालने पर रोक नहीं लगाई जा सकती।'' दिल्ली के जहांगीरपुरी में 16 अप्रैल, 2022 को हनुमान जयंती शोभायात्रा के दौरान दो समूहों के बीच हिंसक झड़पें हुई थीं, जिसमें आठ पुलिसकर्मी और एक आम नागरिक घायल हो गया था। पुलिस ने कहा कि घटना के बाद क्षेत्र में ''अस्थिर और अनिश्चित स्थिति'' को देखते हुए शोभायात्रा की अनुमति नहीं दी गई। अदालत ने वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों से कहा कि वे नए मार्ग पर ''सीमित शोभायात्रा'' निकालने की मांग वाली याचिका पर समय पर विचार करें। इसने कहा, ''प्रतिवादी/पुलिस अधिकारियों का यह दायित्व है कि वे उक्त उद्देश्य के लिए पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करें। मामले की दिल्ली पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा उचित पड़ताल की जाए और शोभायात्रा के प्रस्तावित आयोजन की तिथि से पहले उचित निर्णय लिया जाए तथा याचिकाकर्ता को इसकी जानकारी दी जाए।'' याचिकाकर्ता ने कहा कि वह 2010 से हनुमान जयंती शोभायात्रा का आयोजन कर रहे हैं, लेकिन 2019 से अधिकारी मंजूरी देने से इनकार करते रहे हैं। अदालत ने याचिकाकर्ता से कहा कि वह 12 अप्रैल को शोभायात्रा निकालने के लिए प्राधिकारियों के समक्ष एक नया आवेदन प्रस्तुत करें, जिसमें शोभायात्रा का मार्ग और अवधि स्पष्ट रूप से बताई जाए।

## दिल्ली के द्वारका में बिना इजाजत काट दिए 100 पेड़, वन विभाग ने सीपीडब्लूडी और एनआईआई को भेजा नोटिस

नई दिल्ली। दिल्ली के द्वारका में बिना इजाजत पेड़ काटने का मामला सामने आया है। इसे लेकर गुरुवार को दिल्ली के वन और वन्यजीव विभाग ने केंद्रीय लोक निर्माण विभाग (सीपीडब्ल्यूडी) और राष्ट्रीय प्रतिरक्षा विज्ञान संस्थान (एनआईआई) को नोटिस जारी किया है। विभाग को शिकायत मिली है कि द्वारका सेक्टर 5 में एक भूखंड पर पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है। उन्होंने कहा कि संबंधित भूमि का टुकड़ा एनआईआई का है, जबकि सीपीडब्ल्यूडी इस क्षेत्र में काम कर रहा है। राजधानी में पेड़ों को काटने के लिए किसी भी एजेंसी को दिल्ली वृक्ष संरक्षण अधिनियम (डीपीटीए), 1994 के तहत वन विभाग से अनुमति लेनी अनिवार्य होती है। हालांकि, अधिकारियों ने कहा कि द्वारका साइट पर अनुमानित 100 पेड़ काटे गए, लेकिन एक भी पेड़ काटने के लिए अनुमति नहीं मांगी या दी गई। वन विभाग में एक स्थानीय निवासी ने शिकायत दर्ज कराई है। जिसपर कार्रवाई की गई। शिकयत में कहा गया है कि 'मिनी-फॉरेस्ट' जैसे एक हरे-भरे क्षेत्र को 'कुछ ही दिनों में' साफ कर दिया गया। एक वरिष्ठ वन अधिकारी ने बताया, 'हमें बुधवार को शिकायत मिली थी कि कुछ पेड़ों को अवैध रूप से काटा गया है और निरीक्षण के बाद एनआईआई और सीपीडब्ल्यूडी दोनों को प्रतिबंधात्मक नोटिस जारी किए गए। हमारे शुरुआती आकलन के अनुसार, लगभग 100 पेड़ों को काटा गया है, लेकिन चूंकि कुछ पेड़ काफी पतले और छोटे थे, इसलिए हम डीपीटीए के अनुसार पेड़ की परिभाषा से तुलना करने के लिए उनकी लंबाई और परिधि की जांच करेंगे।' डीपीटीए एक 'पेड़' को 'किसी भी लकड़ी वाले पौधे के रूप में परिभाषित करता है, जिसकी शाखाएं कम से कम 5 सेमी डायमीटर के तने या बॉडी की होती हैं और जमीन से कम से कम एक मीटर ऊंची होती हैं।' अधिकारी ने कहा, 'निरोधक आदेश के अलावा, हमने एजेंसियों से स्पष्टीकरण भी मांगा है।5 उन्होंने बताया कि मौके से एक अर्थमूवर मशीन जब्त की गई है।

# इलेक्ट्रिक व्हीकल पॉलिसी 2.0 को दिल्ली सरकार जल्द करेगी लागू

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** दिल्ली सरकार जल्द ही अपनी प्रस्तावित इलेक्ट्रिक व्हीकल (ईवी) नीति 2.0 को लागू करने की तैयारी में है, जिसका मकसद शहर में वायु प्रदूषण को कम करना और इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देना है। इस नीति के तहत महिलाओं को इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहन खरीदने पर विशेष प्रोत्साहन के रूप में 36,000 रुपये तक की सब्सिडी दी जाएगी। अधिकारियों के अनुसार, यह लाभ पहली 10,000 महिलाओं के लिए होगा, जिनके पास वैध ड्राइविंग लाइसेंस होगा। प्रस्ताव सरकार के विचाराधीन है और जल्द ही इसे मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

ईवी नीति 2.0 में महिलाओं की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए प्रति किलोवाट-घंटा (केडब्लूएच) 12, 000 रुपये की खरीद प्रोत्साहन राशि दी जाएगी, जो अधिकतम 36, 000 रुपये तक होगी। यह नीति केंद्र सरकार की पीएम ई-ड्राइव योजना के साथ मिलकर दिल्ली में इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने में मदद करेगी। नीति 31 मार्च 2030 तक प्रभावी रहेगी और इसमें दोपहिया, तिपहिया और व्यावसायिक वाहनों के लिए कई प्रोत्साहन शामिल हैं।

### सीएनजी ऑटो-रिक्शा को इलेक्ट्रिक ऑटो से बदलना अनिवार्य

दोपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने के लिए सरकार प्रति केडब्लूएच 10,000 रुपये की सब्सिडी दे सकती है, जो प्रति वाहन अधिकतम 30,000 रुपये तक होगी। इसके अलावा, जो लोग अपने 12 साल से पुराने ईंधन आधारित दोपहिया वाहनों को स्क्रैप करेंगे, उन्हें अतिरिक्त 10,000 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा। इलेक्ट्रिक ऑटो-रिक्शा (एल5एम श्रेणी) के लिए, जो मौजूदा सीएनजी ऑटो की जगह लेंगे, प्रति केडब्लूएच 10,000 रुपये की सब्सिडी दी जाएगी, जो अधिकतम 45,000 रुपये तक होगी। साथ ही, 12 साल से कम पुराने सीएनजी ऑटो को स्क्रैप करने पर 20,000 रुपये का प्रोत्साहन मिलेगा। नीति में यह भी प्रस्ताव है कि 10 साल पुराने सभी सीएनजी ऑटो-रिक्शा को इलेक्ट्रिक ऑटो से बदलना अनिवार्य होगा, जिसमें प्रति वाहन 1,00,000 रुपये की प्रतिस्थापन राशि दी जाएगी।

### 15 अगस्त 2025 से नए सीएनजी ऑटो का पंजीकरण बंद होगा

वाणिज्यिक माल वाहकों के लिए भी प्रोत्साहन प्रस्तावित हैं। इलेक्ट्रिक तिपहिया माल वाहक (एल5एन) को प्रति केडब्लूएच 10,000 रुपये, अधिकतम 45,000 रुपये, और चार पहिया माल वाहक (एन1 श्रेणी) को 75,000 रुपये तक की सब्सिडी मिलेगी। नीति में सीएनजी ऑटो-रिक्शा को चरणबद्ध तरीके से हटाने की सिफारिश की गई है, जिसमें 15 अगस्त 2025 से नए सीएनजी ऑटो का पंजीकरण बंद होगा। साथ ही, 15 अगस्त 2026 से पेट्रोल, डीजल और सीएनजी से चलने वाले दोपहिया वाहनों पर भी रोक लगेगी। दिल्ली सरकार ने मौजूदा ईवी नीति को 31 मार्च के बाद 15 दिन के लिए बढ़ाया था। नई नीति को दिल्ली कैबिनेट की मंजूरी के बाद अधिसूचित किया जाएगा। यह कदम दिल्ली में प्रदूषण की स्थिति को सुधारने के लिए आक्रामक तरीके से ईंधन आधारित वाहनों को हटाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है।

12-04-2025 ISN:Layout 1 4/12/2025 7:41 AM Page 3



## संक्षिप्त समाचार

### होटल के कमरे में युवक-युवती ने खुद को लगा ली आग, हालत गंभीर; पूछताछ में जुटी पुलिस

**आगरा , एजेंसी।** आगरा के थाना हरीपर्वत क्षेत्र स्थित होटल के कमरे में युवक-युवती ने खुद को आग लग ली। आग से घिरने के बाद जब दोनों चीखने चिल्लाने लगे, तब होटल कर्मचारियों को जानकारी हो सकी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंच गई। दोनों को गंभीर जली अवस्था में उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस पूछताछ में जुटी हुई है। थाना हरीपर्वत क्षेत्र स्थित होटल पार्क एवेंन्यू की ये घटना है। मंगलवार को यहां एक कमरे में ठहरे युवक और युवती ने खुद को आग लगा ली। इस आत्मघाती कदम के पीछे की वजह क्या है, ये स्पष्ट नहीं हो सका है। पुलिस ने दोनों को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है। होटल में ये युवक युवती कब आकर ठहरे और आग क्यों लगाई, इस बारे में जानकारी की जा रही है।

### मौत पर हंगामा: संतकबीर नगर के अस्पताल में नर्स की मौत, परिजनों ने लगाया गंभीर आरोप- हंगामा

**संत कबीर नगर , एजेंसी।** कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के टेमा रहमत में स्थित एक निजी हास्पिटल में काम करने वाली नर्स वहां पर मृत अवस्था में मिली। परिजनों को सूचना देकर अस्पताल का स्टाफ और संचालक मौके से फरार हो गए। वहीं बस्ती से पहुंचे परिजनों ने अस्पताल पर जमकर हंगामा किया।

मौके पर एसपी तथा अन्य अधिकारी पहुंचकर स्थिति को नियंत्रण में किए हैं। नर्स के गले पर नाखून से खरोचने के निशान पाए गए हैं। परिजनों ने रेप और हत्या की आशंका जताई है। राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या 28 पर स्थित निजी अस्पताल में पुरानी बस्ती थानाक्षेत्र के पहुरा गांव के निवासी संतराम की 24 साल की नतिनी ममता चौधरी स्टाफ नर्स का काम करती थी।

रात में 11 बजे उसने अपनी मां को फोन करके बताया कि वह सुबह घर आएगी। 8 मार्च की सुबह अस्पताल के स्टाफ ने उनको सूचना दी कि उनकी नतिनी की मौत हो गयी है। इसके बाद परिजन अस्पताल में पहुंचे तथा वहां पर हंगामा कर दिया। परिजनों का आरोप था कि उनकी बेटी की रात में हत्या कर दी गयी है।

उसके गले पर खरोच और मारने के निशान मिल हैं। हंगामें की जानकारी पाकर कोतवाली खलीलाबाद के प्रभारी निरीक्षक पंकज पांडेय के साथ ही सीओ अजीत चौहान, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह तथा अन्य पुलिस बल मौके पर पहुंचा।

वहीं, दोपहर में एसपी सत्यजीत गुप्ता भी मौके पर पहुंचे तथा शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। अस्पताल का संचालक मौके से फरार हो गया है। मौके पर भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

### पीएम मोदी देंगे सौगात: काशी में मेडिकल कॉलेज का करेंगे उद्घाटन, 2027 से होगी पढ़ाई

**वाराणसी , एजेंसी।** वाराणसी जिले में बनने वाले मेडिकल कॉलेज में 2027 से एमबीबीएस की पढ़ाई शुरू होगी। इस साल से मेडिकल कॉलेज की ओपीडी जिला अस्पताल परिसर में शुरू हो जाएगी। इससे दूरदराज से आने वाले मरीजों को सुपरस्पेशियलिटी चिकित्सा सेवाएं मिलने लगेंगी। सरकारी अस्पतालों से बीएचयू और दूसरे अस्पताल जाना पड़ता था। जिला अस्पताल के सामने मानसिक अस्पताल परिसर में बनने वाले मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। पांडेयपुर में बनने वाले 400 बेड वाले मेडिकल कॉलेज की आधारशिला खुद प्रधानमंत्री ने पिछले साल फरवरी में दौरे के दौरान रखी थी, अब उद्घाटन के बाद काम शुरू हो जाएगा। एमबीबीएस की 100 सीटों पर दाखिला होगा। 2027 में मेडिकल की पढ़ाई शुरू हो जाएगी। पिछले दिनों लखनऊ में एक एमओयू भी हुआ, जिसमें मेडिकल कॉलेज का नाम सरस्वती देवी शिव किशन दमानी मेडिकल कॉलेज रखा गया है। इसकी बिल्डिंग कैसी होगी, सामने से यह कैसा दिखेगा, पार्किंग सहित अन्य सेवाएं भी किस तरह नजर आएंगी, यह मॉडल में दर्शाया गया है। निर्माण की बात है तो 15 एकड़ की जमीन चिह्नित करने के साथ ही अब यहां काम की तैयारियां तेज हो गई हैं।

# मुरादाबाद में आठ डॉक्टरों समेत 77 स्वास्थ्यकर्मियों पर कार्रवाई, सभी का कटेगा वेतन, ड्यूटी से मिले नदारद

**मुरादाबाद, एजेंसी।** हाजिरी लगाने के बाद अस्पताल से गायब होकर विभाग की आंखों में धूल झोंक रहे डॉक्टरों व अन्य स्वास्थ्यकर्मियों की पोल सोमवार को खुल गई। सीएमओ डॉ. कुलदीप सिंह व उनकी टीम ने 26 पीएचसी का औचक निरीक्षण किया। आठ स्वास्थ्य केंद्रों पर प्रभारी चिकित्साधिकारी ही गायब मिले।

साथ ही फार्मासिस्ट, लैब टेक्नीशियन समेत 69 स्वास्थ्यकर्मी भी रजिस्टर में उपस्थित दर्ज कर नदारद मिले। सीएमओ ने सबको आड़े हाथों लिया और कार्यालय में तलब किया है। उन्होंने आठों डॉक्टरों समेत सभी स्वास्थ्यकर्मियों का वेतन काटने के आदेश जारी किए हैं।

साथ ही कारण बताओ नोटिस और सेवा समाप्ति की चेतावनी दी है। इस कार्रवाई के बाद लापरवाह डॉक्टरों व स्टाफ में हड़कंप मचा है। कोई बच्चे की बीमारी तो कोई घर में

जरूरी काम होने का हवाला देकर जान बचाने में लगा हुआ है।

हालांकि, अब तक किसी को रियायत नहीं मिली है। कई माह से सीएमओ कार्यालय में शिकायतें आ रही थीं कि पीएचसी पर डॉक्टर व अन्य स्वास्थ्यकर्मी ज्यादातर दिनों में गायब रहते हैं। ऐसे में सीएमओ में खुद कई केंद्रों का जायजा लिया।

डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल के साथ एक टीम बनाकर अलग-अलग स्वास्थ्य केंद्रों पर भेजा। इससे हकीकत सामने आ गई। स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात डॉक्टरों का वेतन 55 से 60 हजार रुपये प्रतिमाह है। घर बैठकर वेतन लेने वाले इन डॉक्टरों व स्टाफ पर बड़ी कार्रवाई भी हो सकती है।

पीएचसी के अलावा सीएमओ की टीम ने मलेरिया कार्यालय का भी जायजा लिया। वहां तीन मलेरिया निरीक्षकों समेत स्टाफ गायब मिले। उनका भी वेतन काटने के आदेश जारी किए गए हैं। निरीक्षण में डिप्टी सीएमओ डॉ. संजीव बेलवाल, डीपीएम रघुवीर सिंह, प्रमोद कुमार आदि मौजूद रहे।

**यह डॉक्टर व स्वास्थ्यकर्मी मिले गैरहाजिर**

मझोली पीएचसी से डॉ. अविरल कुमार, शिवनगर पीएचसी से डॉ. नायाब मलिक, कंजरी सराय से डॉ. रुचि अग्रवाल, आदर्श नगर से डॉ. विश्वजीत मजूमदार, कटघर से डॉ. हिमानी जैन, हरथला झांझनपुर से डॉ. ऋचा लोचब, नया गांव से डॉ. आरके सिंह और बंगला गांव से डॉ. फरमान मलिक गैरहाजिर मिले।

मलेरिया निरीक्षक वकुल गौतम, अमित कुमार, रजनी शर्मा समेत सात कर्मचारी अनुपस्थित पाए गए। एआरओ हुकुम सिंह, फार्मासिस्ट हंसराज यादव, एलटी चंचल मिश्रा, एएनएम आरती सिंह, कमलेश, संगीता, फार्मासिस्ट रहीस पाल यादव, एलटी शिवानी यादव, राजकुमार, स्नेहा गौतम, रवि गौतम, ललित कुमार, बीनू गुप्ता, प्रियंका गौतम, फुरकान, माया रानी, बबिता, सोनिया, नीतू रानी, यूनूस अली, मुदस्सर नजर, चमनवती, सुषमा देवी, वंदना गौरव, अखिलेश, शोभा रानी, रहमत बी, सुनीता रानी, वंदना चौधरी, पारुल गोयल, मल्लिका तरन्नुम, तबस्सुम, शर्मिला आचार्य, फरहा परवीन, संजीता, माया रानी आदि के खिलाफ कार्रवाई हुई है।

## भीषण गर्मी का कहर: उल्टी-दस्त और सिर दर्द के मरीजों की संख्या बढ़ी

**आगरा , एजेंसी।** आगरा में बीते सप्ताह से पारा लगातार बढ़ रहा है। सोमवार को पारा 42 डिग्री सेल्सियस पार कर गया। इससे लोगों की हालत खराब हो गई। उल्टी-दस्त, पेट और सिर में दर्द, चक्कर आने के मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ गई। सोमवार को एसएन मेडिकल कॉलेज और जिला अस्पताल में सबसे ज्यादा मरीज इन्हीं समस्याओं के आए।

मेडिसिन विभाग के डॉ. अजित चाहर ने बताया कि सोमवार को मेडिसिन विभाग की ओपीडी में 658 मरीज आए। इनमें से घबराहट, बीपी बढ़ने, सिर में दर्द, बेचैनी और उल्टी-दस्त के मरीज सबसे ज्यादा रहे। सबसे ज्यादा कामकाजी लोग रहे, जो धूप में अधिक सक्रिय रहते हैं। इनको दवा देने के साथ ही बचाव के बारे में बताया है। बाल रोग विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज यादव ने बताया कि बीते सप्ताह से गर्मी बढ़ने लगी है। स्कूल भी खुल गए हैं। बाजार में खुले में बिकने वाली खाद्य सामग्री-दूषित पानी से डायरिया मिल रहा है। पेट में दर्द की शिकायत भी मिल रही है। ओपीडी में सोमवार को 227 मरीज आए, इनमें से 30 फीसदी में यही दिक्कत मिली। हालत खराब मिलने पर 4 बच्चों को भर्ती भी करना पड़ा।

### पर्चे के लिए मारामारी, धक्कामुक्की

-सोमवार को मरीजों की भारी भीड़ रही। एसएन में 3,248 और जिला अस्पताल में 3,500 मरीज आए। काउंटर पर पर्चा बनवाने के लिए मारामारी और धक्कामुक्की हुई। इससे मरीजों की परेशानी और बढ़ गई। सुबह 10 से 12 बजे तक तो पर्चा हॉल ठसाठस भरा रहा। पर्चे के लिए मरीजों को घंटेभर तक कतार में लगना पड़ा।

## कानपुर दक्षिण में गांव से ज्यादा शहरी क्षेत्र, इसलिए नहीं बन सकती तहसील, एडीएम वित्त ने कही ये बात

**कानपुर , एजेंसी।** कानपुर दक्षिण में नई तहसील बनाने की कवायद राजस्व परिषद के मानकों पर खरी नहीं उतर सकी। इसी वजह से नई तहसील बनाने के प्रस्ताव को निरस्त कर दिया गया है। किसी भी तहसील को बनाने के लिए कम से कम 200 राजस्व गांवों का होना अनिवार्य होता है, पर प्रस्ताव में 140 गांव शामिल किए गए थे। साथ ही दक्षिण क्षेत्र में गांव से ज्यादा शहरी क्षेत्र हैं, जो गांव हैं भी, वे नगर निगम परिक्षेत्र में आते हैं। इस वजह से प्रस्ताव खारिज हो गया।

स्थानीय स्तर पर यह प्रस्ताव दो बार बनाया जा चुका है, लेकिन शासन को पहली बार आठ माह पहले इसे भेजा गया था। प्रस्ताव में तहसील सदर के 140 राजस्व गांवों और करीब छह लाख की आबादी को शामिल किया गया था। 44 लेखपालों की आवश्यकता भी दिखाई गई थी। प्रस्ताव पर शासन स्तर पर मंथन हुआ तो इसमें लेखपाल क्षेत्रफल (एक लेखपाल क्षेत्रफल के तहत तीन से चार राजस्व गांव आते हैं) काफी कम पाया गया। मानक के अनुसार एक तहसील के लिए 100 से 120 लेखपाल क्षेत्रफल का एरिया होना जरूरी है पर प्रस्ताव में 44 लेखपालों की जरूरत बताई गई।

### प्रस्ताव तहसील के मानकों पर खरा नहीं उतरा

प्रस्ताव में सदर तहसील के कुल 256 राजस्व गांवों में 140 गांव बिधनू ब्लॉक, नौबस्ता, चकेरी, रूमा क्षेत्र में हैं। 19 संग्रह अमीन भी शामिल किए गए थे। 23967 हेक्टेयर कृषि योग्य भूमि भी दिखाई थी। सितंबर 2024 में इस प्रस्ताव को फाइनल कर जिला प्रशासन ने राजस्व परिषद को भेज दिया था। बीते माह जब शासन स्तर पर मंथन किया गया, तो प्रस्ताव तहसील के मानकों पर खरा नहीं उतर सका। प्रस्ताव खारिज होने का अहम कारण लेखपाल क्षेत्रफल की संख्या भी कम होना बताया गया है। प्रस्ताव खारिज होने के बाद नई तहसील बनाने की कवायद भी प्रशासन स्तर पर ठंडे बस्ते में चली गई है।

### डीएम स्तर पर ही खारिज हो गया था पहला प्रस्ताव

सदर तहसील में बढ़ रहे काम के बोझ को कम करने के लिए वर्ष 2022 से कानपुर दक्षिण में प्रस्तावित नई तहसील बनने का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा था। पहली बार जिला प्रशासन स्तर पर जो प्रस्ताव तैयार किया गया था, उसमें घाटमपुर और बिल्हौर तहसील के करीब 100 से गांव शामिल किए गए थे। जब यह रिपोर्ट तत्कालीन डीएम राकेश कुमार सिंह के पास पहुंची तो उन्होंने इसे इस वजह से खारिज कर दिया क्योंकि इसमें दूसरे तहसीलों के गांवों को शामिल कर लिया गया था। डीएम का कहना था कि दूसरे तहसीलों के लोगों को अपने काम के लिए काफी दूरी तय करनी पड़ेगी।

### इसलिए पड़ी थी तहसील की जरूरत

सदर तहसील क्षेत्र में सात विधानसभा क्षेत्रों के 256 से ज्यादा गांव आते हैं। यहां की आबादी करीब 40 लाख है। गांवों के तहसील और जमीन संबंधी काम सदर तहसील से ही होते हैं। क्षेत्र बड़ा होने के कारण शिकायतें हमेशा लंबित ही रहती हैं। प्रस्तावित नई तहसील में करीब 120 गांवों को शामिल करने से काम बंट जाता तो फरियादियों को सुविधा होती और समस्याओं का समय से निस्तारण हो सकता था।

### महीने भर में बन रहे प्रमाण पत्र

सदर तहसील पर भार अधिकर होने के कारण खसरा खतौनी, दाखिल-खारिज, वरासत बनवाने, आय, जाति एवं निवास प्रमाण पत्र बनवाने में करीब एक माह का समय लग जाता है। जमीन खरीद-फरोख्त और कब्जे की शिकायतों के लिए बिधनू और दक्षिण के लोगों को एसडीएम कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं।

## बिहार, गोरखपुर कनेक्शन भी खंगालेगी एसआईटी, केस डायरी खंगालने में जुटे अफसर

**प्रयागराज , एजेंसी।** कमांडर वर्क इंजीनियर सत्येंद्र नारायण मिश्र हत्याकांड के लिए गठित एसआईटी अफसर के बिहार, गोरखपुर कनेक्शन को भी खंगालेगी। तफ्तीश के लिए पुलिस टीम बिहार के बिहटा, दरभंगा व गोरखपुर एयरबेस भी भेजी जा सकती है।

फिलहाल एसआईटी अफसर केस डायरी खंगालने में जुटे हैं। वह अफसर के सहकर्मियों से भी पूछताछ कर सकते हैं।

कमांडर वर्क इंजीनियर की हत्या के बाद ही उनके बिहटा व गोरखपुर एयरबेस से जुड़े दो मामले सामने आए थे। पता चला था कि गोरखपुर में एक कर्मचारी को उन्होंने सरकारी गाड़ी से डीजल चोरी करने के आरोप में निलंबित किया था। जबकि बिहटा में अनुशासनहीनता के मामले में एक कर्मचारी को आरोपपत्र जारी किया था। पूरामुफ्ती पुलिस ने इस मामले का जो खुलासा किया, उसके मुताबिक इन दोनों विवादों का हत्याकांड से कोई कनेक्शन नहीं। उधर परिजनों की मांग है कि मामले से जुड़े एक-एक बिंदु पर व्यापक जांच पड़ताल की जानी चाहिए। ऐसे में सूत्रों का कहना है कि एसआईटी बिहार व गोरखपुर कनेक्शन को लेकर भी जांच कर सकती है। इसके लिए विस्तृत दिशा निर्देश देकर पुलिस की एक टीम पूछताछ के लिए तीनों एयरबेस भी भेजी जा सकती है। इस दौरान संबंधित कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य कर्मचारियों से भी पूछताछ की जा सकती है। फिलहाल एसआईटी में शामिल वरिष्ठ अफसर मामले की केस डायरी खंगालने में जुटे हैं।

## पांच चौकी प्रभारी अव्वल... एसएसपी ने किया पुरस्कृत, फिसड्डी रहने वालों के खिलाफ बैठाई जांच

**बरेली , एजेंसी।** बरेली में पुलिस कप्तान की कसौटी पर फिसड्डी साबित हुए पांच चौकी प्रभारियों के खिलाफ जांच बैठा दी गई है, वहीं पांच प्रभारियों को पुरस्कृत किया है। फतेहगंज पश्चिमी कस्बा चौकी प्रभारी और उनके साथी सिपाहियों पर मुकदमे और निलंबन की कार्रवाई के बाद अब एसएसपी अनुराग आर्य ने यह पहल की है।

फरवरी के मूल्यांकन में प्रथम स्थान हासिल करने वाले सेटेलाइट चौकी प्रभारी गौरव कुमार अत्री को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र व 10 हजार रुपये पुरस्कार दिया गया। द्वितीय स्थान पर रहे मीरगंज कस्बा चौकी प्रभारी यतेंद्र सिंह को ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और सात हजार रुपये पुरस्कार मिला।

तीसरे स्थान पर कैंट की नकटिया चौकी के प्रभारी मोहित चौधरी रहे। उन्हें ट्रॉफी, प्रशस्तिपत्र और चार हजार रुपये मिले। चौथे स्थान पर भमोरा की सरदारनगर चौकी प्रभारी विकास यादव रहे। उनको प्रशस्ति पत्र और 2500 रुपये दिए गए। नवाबगंज कस्बा चौकी प्रभारी विदेश कुमार शर्मा को पांचवां स्थान मिला। उन्हें प्रशस्ति पत्र और 1500 रुपये पुरस्कार दिया गया है।

**रुहेलखंड चौकी प्रभारी सबसे पीछे-** सबसे खराब प्रदर्शन बारादरी की रुहेलखंड चौकी के प्रभारी राहुल सिंह पुंडीर का रहा। आंवला की रामनगर चौकी के प्रभारी नरेंद्र कुमार, प्रेमनगर की अशरफ खां चौकी के प्रभारी मनोज कुमार, इज्जतनगर की कर्मचारी नगर चौकी के प्रभारी सतीश कुमार और बैरियर वन चौकी के प्रभारी संजय सिंह भी इस कसौटी पर खरे साबित नहीं हुए।

सभी के खिलाफ प्रारंभिक जांच कराई जा रही है। एसएसपी अनुराग आर्य ने बताया कि विवेचना, जनशिकायतों के निस्तारण, चोरी, नकबजनी, वाहन चोरी की विवेचनाओं के निस्तारण के आधार पर मूल्यांकन किया गया है।

## पीपीपी मॉडल से चमकेगा लखनऊ का चारबाग बस अड्डा, छह मंजिला बनेगी बिल्डिंग; जल्द शुरू होगा निर्माण

**लखनऊ, एजेंसी।** राजधानी लखनऊ के चारबाग बस अड्डे को पीपीपी मॉडल पर बनाने का काम शुरू कर दिया गया है। अभी मिट्टी की टेस्टिंग की जा रही है। इसकी रिपोर्ट आने के बाद निर्माण शुरू होगा। यहां जल्द ही आधुनिक सुविधाओं से लैस करीब छह मंजिला बस अड्डा बनाया जाएगा।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम प्रदेशभर में बस अड्डों को पीपीपी मॉडल पर तैयार करवा रहा है। इससे बस अड्डों पर अत्याधुनिक सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। चारबाग स्टेशन को भी इसी मॉडल के तहत तैयार किया जा रहा है। विभूतिखंड, गोमतीनगर और अमौसी वर्कशॉप को भी पीपीपी मॉडल पर बस स्टेशन बनाया जाएगा। गोमतीनगर में बस अड्डा बनाने का काम शुरू हो चुका है।

चारबाग शहर के प्रमुख बस अड्डों में से

एक है। यहां से कानपुर, रायबरेली, गोरखपुर, अयोध्या, फतेहपुर, मौरावां, उन्नाव, हैदरगढ़, बहराइच, बलरामपुर, गोंडा आदि जिलों के बीच 24 घंटे 350 बसों का संचालन होता है। यहां से तकरीबन 25 हजार यात्री आवाजाही करते हैं। चूंकि चारबाग बस अड्डे का विकास हो रहा है, इसलिए यहां से चलने वाली बसें आलमबाग बस स्टेशन शिफ्ट की जाएंगी, जिसका निर्णय लिया जाना बाकी है।

## 1.28 करोड़ की स्टांप चोरी में घिरा एएमयू: एडीएम की जांच में खुलासा, एक सड़क छुपाई, स्कूल की रजिस्ट्री कराई

अलीगढ़ , एजेंसी। स्कूल की एक सड़क को छिपाकर रजिस्ट्री कराने के तीन साल पुराने मामले में अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय (एएमयू) 1.28 करोड़ की स्टांप चोरी में घिर गया है। एएमयू के सिटी स्कूल के दोनों तरफ सड़क है। लेकिन बैनामा कराते वक्त एक सड़क को छुपा लिया गया। एडीएम फाइनेंस ने जांच की तो पता चला कि यह स्कूल जीटी रोड पर बना है। इसके पीछे दूसरा मुख्य मार्ग भी है। पड़ताल के बाद पाया गया कि स्कूल के बैनामे में 1.28 करोड़ का कम स्टांप लगा है। अब इस मामले में पक्ष रखने के लिए एएमयू इंतजामिया को नोटिस दिया गया है। स्व. राजा महेंद्र प्रताप सिंह ने एएमयू को वर्ष 1929 में तहसील कोल के पास 3.19 हेक्टेयर जमीन 90 वर्ष के लिए लीज पर दी थी। यह जमीन दो भूखंडों में थी। एएमयू ने इस जमीन के एक भाग 1.97 हेक्टेयर पर सिटी स्कूल बना लिया। 1.21 हेक्टेयर जमीन पर खेल का मैदान बना लिया। सन 2019 में लीज खत्म हो गई। उस समय राजा के वंशज और एएमयू में समझौता होने के बाद एएमयू ने स्कूल वाले भूखंड 1.97 हेक्टेयर की रजिस्ट्री अपने पक्ष में कराई। 1.21 हेक्टेयर खेल के मैदान की जमीन राजा के वंशजों को वापस दी। 1.97 हेक्टेयर के भूखंड के लिए एएमयू ने 4.10 करोड़ स्टांप शुल्क और 60 लाख रुपये फीस जमा की थी।

## कंबोडिया गया था कमाने, जालसाज करवाने लगे साइबर अपराध- अब छोड़ने के बदले... पिता से मांगे 27 लाख

**गोरखपुर , एजेंसी।** क्षेत्र के मटिहनिया जुनीबी गांव निवासी युवक एक माह पहले कंबोडिया कमाने गया तो आरोप है कि उससे साइबर अपराध कराया जाने लगा। जब उसने घर जाने की जिद की तो उसे बंधक बना लिया गया। आरोप है कि विदेश से लाने के लिए युवक के पिता से 27 लाख रुपये की मांग की गई है।

पिता ने युवक के साले के खिलाफ तहरीर दी है। तहरीर के अनुसार, मटिहनिया जुनीबी गांव निवासी अनिरुद्ध सिंह ने बताया कि उनका पुत्र राम प्रताप एक माह पहले कंबोडिया कमाने के लिए गया था। वहां उसे जालसाजों ने साइबर अपराधी बना दिया।

अब उसे वापस भारत भेजने के लिए 27 लाख रुपये की मांग की जा रही है। बताया कि बेटे के रिश्तेदारी के साले ने बिहार के एजेंट के जरिये कंबोडिया भिजवाया था। बेटे ने घर जाने कंबोडिया भेजने वाले साले को फोन कर बताया तो उसे वहां बंधक बना लिया गया।

इसके बाद साले ने फोन कर वापसी के लिए 21 हजार रुपये ले लिए। दो दिन पहले राम प्रताप के ठहरने व खाने आदि के खर्च के नाम पर फोन करके 27 लाख रुपये की मांग की। इस संबंध में पिपराइच थानाध्यक्ष पुरुषोत्तम सिंह ने बताया कि मामला युवक के रिश्तेदारी से जुड़ा है।

12-04-2025 ISN:Layout 1 4/12/2025 7:41 AM Page 4



## किश्तवाड़ में मुठभेड़ दौरान एक आंतकी की मौत

किश्तवाड़(एजेंसी)। किश्तवाड़ के छतरू में जारी मुठभेड़ दौरान सुरक्षाबलों को सफलता मिली है। इस दौरान एक आतंकी के इंकाउटर की सूचना मिली है। इसकी पुष्टि खुद अधिकारियों ने की है। छतरू के जंगली क्षेत्र में 9 अप्रैल को संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया था। तभी शाम के समय जंगल में छिपे आतंकियों ने सुरक्षाबलों पर गोलियां चलानी शुरू कर दी, इसके जवाबी कार्रवाई में सुरक्षाबलों ने भी गोलियां चलाईं और मुठभेड़ शुरू हो गई।

## सिख श्रद्धालुओं का जत्था वाघा बॉर्डर पर फंसा, 18 घंटों से भूखे-प्यासे बैठे

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान के गुरुद्वारों के दर्शन के लिए दिल्ली से रवाना हुए सिख श्रद्धालुओं का जत्था वाघा बॉर्डर पर फंसा गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत से करीब करीब 6,000 सिख श्रद्धालु सुबह 6 बजे से वाघा बॉर्डर पर पहुंचे थे, लेकिन उन्हें अभी तक पाकिस्तानी प्रशासन की ओर से इजाज़त नहीं मिली है। इसमें से 288 श्रद्धालु अब भी बॉर्डर पर भूखे-प्यासे बैठे हैं और उन्हें न पाकिस्तान सरकार की तरफ से कोई सुविधा दी गई है और न ही पाकिस्तान गुरुद्वारा कमेटी का कोई प्रतिनिधि वहाँ मौजूद है। श्रद्धालुओं को पिछले 18 घंटों से ना खाना मिला है और ना ही पीने का पानी, जिससे उन सभी में भारी रोष है। यह स्थिति पाकिस्तान सरकार की गंभीर नाकामी को दिखाती है। श्रद्धालु बेहद असहाय महसूस कर रहे हैं और भारत सरकार से मदद की गुहार लगा रहे हैं। स्थानीय अधिकारियों और संगठनों से अपील की जा रही है कि वे इस मामले को संज्ञान में लें और श्रद्धालुओं को जल्द से जल्द राहत पहुंचाए।

## रिहाइशी बिल्डिंग में आग लगने से मची अफरातफरी, गुजरात के गृह राज्यमंत्री का भी है बिल्डिंग में घर

सूरत (एजेंसी)। शहर के वेसू इलाके में आग लगने की घटना सामने आई है। वेसु इलाके में एक आलीशान फ्लैट में तड़के अचानक आग लग गई। आग लगते ही आसपास के इलाकों में अफरा-तफरी का माहौल पैदा हो गया। आग उसी बिल्डिंग में लगी, जहां गुजरात के गृह मंत्री हर्ष संघवी रहते हैं। घटना की सूचना मिलते ही हर्ष संघवी तुरंत मौके पर पहुंचे और जांच के आदेश दिए। जानकारी के मुताबिक सूरत के वेसू इलाके में हैप्पी एन्क्लेव की सातवीं मंजिल पर आग लग गई। सातवीं मंझिल पर लगी आग की चपेट में तीन मंझिलें आ गईं। आग इतनी विकराल थी कि दूर-दूर तक धुएं का गुबार देखा जा सकता था। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की करीब 10 टीमें मौके पर पहुंचीं और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए। इस दुर्घटना में कुल 18 लोगों को बचा लिया गया। आग लगने के समय 15 लोगों को छत पर ले जाया गया था। अग्निशमन कर्मियों ने सभी लोगों को कपड़े से ढक दिया और उन्हें नीचे उतारा। वहां अग्निशमन व्यवस्था तो थी, लेकिन बड़ी दमकल गाड़ियों का परिसर में प्रवेश करना कठिन था। बताया जाता है कि नौवीं मंजिल पर फर्नीचर का काम चल रहा था, जहां लकड़ी, पीओपी, प्लाईवुड और फाइबर सामग्री रखी गई थी। जिसके कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। इतना ही नहीं, आग नौवीं मंजिल से 10वीं और 11वीं मंजिल तक पहुंच गई थी। जानकारी के मुताबिक यह बिल्डिंग नवनिर्मित है। जिसके चलते नए मकान के अंदर नया फर्नीचर लगा होने के कारण आग ने भीषण रूप धारण कर लिया। गृहमंत्री हर्ष संघवी की सोसायटी में जब आग लगी तो मेयर और कमिश्नर समेत तमाम आला अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आग लगने का कारण अभी भी अज्ञात है। राहत की बात यह है कि इस घटना में कोई जानहानि नहीं हुई।

## दिल्ली में जिम जाते समय प्रॉपर्टी डीलर की हत्या

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पश्चिम विहार में एक प्रॉपर्टी डीलर की हत्या की गई है। शुक्रवार सुबह इस सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया। राजकुमार दलाल नाम के कारोबारी की हत्या तब हुई जब वह अपनी फॉर्च्यूनर कार में बैठकर जिम जा रहे थे। दिल्ली पुलिस को एसबीआई कॉलोनी के सामने एक गाड़ी पर कई राउंड फायरिंग की सूचना दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस की टीम ने तुरंत राजकुमार को अस्पताल पहुंचाया जहां, डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। बताया गया है कि राजकुमार को निशाना बनाकर 8-10 राउंड फायरिंग की गई। हत्या किसने और क्यों की यह अभी साफ नहीं है। पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरों के द्वारा हमलावरों की पहचान शुरू की है। कारोबारी दलाल अपने घर से निकलकर कुछ ही दूर गए थे, कि हमलावरों ने गाड़ी के सामने आकर फायरिंग शुरू कर दी।

## कोलकाता हाईकोर्ट ने केंद्र से पूछा बंगाल में कब शुरू होगी मनरेगा योजना

कोलकाता (एजेंसी)। जनहित की योजना मनरेगा को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने सख्ती दिखाई है। कोर्ट केंद्र सरकार को फटकार लगाते हुए पूछा है कि पश्चिम बंगाल में मनरेगा योजना को आखिर कब से फिर से शुरू किया जाएगा। अदालत ने साफ कहा कि फंड को हमेशा के लिए रोका नहीं जा सकता। बता दें कि मुख्य न्यायाधीश टीएस शिवगणनम और जस्टिस चैताली चटर्जी की बेंच ने यह टिप्पणी की। कोर्ट ने पूछा कि जब पूरे राज्य में गड़बड़ी केवल चार जिलों में हुई है, तो बाकी जिलों में योजना क्यों न शुरू की जाए?

मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि चार जिलों हुगली, पूर्व बर्दवान, मालदा और दार्जिलिंग जीटीए में गड़बड़ी पाई गई थी। खुद राज्य सरकार ने भी इस बात को माना है। राज्य सरकार ने बताया कि इन चार जिलों में से 2.37 करोड़ रुपये वापस वसूल लिए गए हैं। जबकि कुल गड़बड़ी 5.37 करोड़ की थी। केंद्र सरकार की ओर से बताया गया कि 15 जिलों की जांच की गई है, लेकिन कोर्ट ने कहा कि उसके पास जो दस्तावेज हैं, वे सिर्फ चार जिलों की जानकारी देते हैं। कोर्ट ने केंद्र से पूछा कि क्या बाकी जिलों में भी ऐसी ही सिफारिशें की गई थीं? और अगर नहीं, तो योजना को फिर से शुरू क्यों न किया जाए?

# अक्रूर जी महाराज की जयंती पर एक भव्य शोभायात्रा धूमधाम से निकाली गई

**संवाददाता अफसर अली**
**इंडिया सावधान न्यूज**

चंदौसी(संभल) वार्ष्णेय यूथ संगठन के तत्वथान में अक्रूर जी महाराज की जयंती पर एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें प्रमुख रूप से कल्कि अवतार महाराज व भगवान कृष्ण का फूलडोल, कृष्ण बलराम जी का स्वरूप के साथ अक्रूर जी महाराज जी के स्वरूप के साथ शोभायात्रा निकाली गई। शोभायात्रा नगर के ब्रह्म बाजार, फड़ूयाई बाजार घंटाघर, बड़ा बाजार, घासमंडी होते हुए अक्रूर जी महाराज मंदिर पर समाप्त हुई। शोभायात्रा के प्रारंभ होने से पहले प्रातः अक्रूर जी महाराज का पूजन एवं आरती कार्यक्रम और प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा का शुभारंभ अक्रूर जी महाराज की मौसम गुप्ता, अखिलेश कुमार खिलाड़ी, कपिल ओ एल अफ प्रतिभा चौधरी विनेश वार्ष्णेय फुलप्रकाश वार्ष्णेय, अंशुल टनाटन, राघव लोचन ने संयुक्त रूप से आरती कर किया गया तत्पश्चात संगठन के अध्यक्ष अनुज वार्ष्णेय अन्नू, मयंक वार्ष्णेय चिंकल, अमित चौधरी, देवेंद्र मोनू, अमित के एस मंतेश वार्ष्णेय प्रभात कृष्णा ने मुख्य अतिथियों पालिका अध्यक्ष लता वार्ष्णेय, पालिका अध्यक्ष राजेश शंकर राजू, सुनील वार्ष्णेय कासगंज, सिमरन गुप्ता हिंदू शक्ति दल, विनय वार्ष्णेय अलीगढ़ जितेंद्र वार्ष्णेय कासगंज विनय वार्ष्णेय बबराला आदि को स्मृति चिन्ह व पटका पहनाकर स्वागत किया। शोभायात्रा में जगह जगह श्रदालुओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गई। वार्ष्णेय यूथ संगठन का उद्देश्य वार्ष्णेय समाज को संगठित करना है।

शोभायात्रा के बाद अक्रूर जी महाराज के मंदिर में विशाल भंडारा का आयोजन किया गया इस दौरान सचिन मेंथा लकी वार्ष्णेय निशंक निक्कू, दिव्या शर्मा चिराग,लवित वार्ष्णेय सुभाष भोले नाथ रचना वार्ष्णेय बृजबाला रतन वार्ष्णेय वीना बॉबी रुचिका कार्तिक पराग ब्रजेश आशीष तुषार कृष्टल प्रथम अकाश पवन भट्टा अनीश ललित वार्ष्णेय जितेंद्र वार्ष्णेय कृष्ण मोहन ऋतिक वार्ष्णेय आदि शामिल रहे।

## भाजपा कार्यकताओं ने घर घर संपर्क कर भाजपा सरकार की योजनाओं से अवगत कराया

**संवाददाता अफसर अली इंडिया सावधान न्यूज**

**संभल।** संगठन के निदेर्शानुसार ह्यगाँव/वार्ड चलो अभियानह्व के अंतर्गत मण्डल हयातनगर 33 -विधानसभा सम्भल में वार्ड संख्या 21 मोहल्ला बदायूं दरवाजा मोहल्ला मोहल्ला नल बूथ नंबर 301 302 304 305 306 307 308 में पार्टी पदाधिकारियों के साथ घर-घर सम्पर्क कर नगरवासियों को भाजपा सरकार की गौरवशाली उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं एवं ऐतिहासिक कार्यों के पत्रक वितरण किये तथा उनके साथ संवाद कर जानकारी दी। आज के मुख्य अतिथि सैयद शान अली निवर्तमान जिला अध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा संभल एवं सेक्टर संयोजक गुलजार हाजी अंसार खान अंसारी सभासद पति आजम कुरेशी परवीन जहाँ खुशीर्दा बेगम सय्यद सादिक अली मुर्शिद उस्मानी शकिलूरहमन शारुख अली फारूक अली तंजीम साबरी हाशिम अली शारभ खान उमेश माली आदि कार्यकर्ता रहे।

## गंजडुंडवारा से वाया कादरचौक, पीलीभीत रोडवेज बस सेवा बंद होने से यात्री परेशान, प्रदेश अध्यक्ष ने फिर से बस सेवा शुरू करने की,की मांग

**संवाददाता -प्रदीप सक्सेना इंडिया सावधान न्यूज**

**बदायूं** -भारतीय राष्ट्रीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रिंकू बाबू ने कहा की गंजडुंडवारा से कस्बा कादरचौक एवं बदायूँ होकर पीलीभीत तक चलने वाली रोडबेज बस का संचालन बंद होने से स्थानीय लोगो को दिक्कतो का सामना करना पड रहा है इस बस का संचालन बदायूँ डिपो की ओर से किया जा रहा था। स्थानीय लोगो ने बदायूँ एवं कासगंज परिवहन निगम से रोडबेज बस को फिर से चलाने मांग उठाई है। कस्बा गंजडुंडवारा कस्बा कादरचौक एवं बदायूँ एवं बरेली होकर पीलीभीत को जाती है भारतीय राष्ट्रीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रिंकू बाबू ने कहा की कस्बा गंजडुंडवारा मे बदायूँ की तरफ से सुबह 6 बजे कस्बा कादरचौक बदायूँ बरेली पीलीभीत के लिए बस चलती थी। लेकिन दो माह से पीलीभीत सेवा बंद होने से यात्रियो को दिक्कतो का सामना करना पड़ रहा है स्थानीय लोगो का कहना है कस्बा गंजडुंडवारा से पीलीभीत बदायूँ बरेली के लिए ट्रेन की भी व्यबस्था केवल दूसरे जिले के बदायूँ डिपो की ओर से ही बस का संचालन किया जा रहा था। वो भी अव बंद कर दी गई है स्थानीय लोग डग्गामार बाहनो से बदायूँ पहुंचते है। स्थानीय लोगो ने बदायूँ कासगंज डिपो के अधिकारियो से पीलीभीत के लिए बस के संचालन की मांग उठाई है। भारतीय राष्ट्रीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष रिंकू बाबू ने कहा की भारत सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार से मांग करता हूँ कि गंजडुंडवारा कस्बा कादरचौक बदायूँ बरेली पीलीभीत बस का जल्द से जल्द संचालन किया जाएं ।प्रदेश कोषाध्यक्ष संजय सक्सेना, प्रदेश उपाध्यक्ष सुनील कुमार गुप्ता, प्रदेश महासचिव रामू कुमार दर्जी, मंडल अध्यक्ष भूपराम राजपूत, जिला अध्यक्ष उर्मेन्द्र वर्मा ,महिला जिला अध्यक्ष राखी सक्सेना, ब्लॉक अध्यक्ष तेजपाल काकुस्थ, तहसील अध्यक्ष मानसिंह राजपूत, जिला उपाध्यक्ष नन्हे, ब्लॉक अध्यक्ष उमेश चंद्र राजपूत ,तहसील अध्यक्ष राजू शाक्य, कार्यकारणी सदस्य अंशु सक्सेना आदि मौजूद रहे।

## 'बिहार में हर कोई बदलाव चाहता है', प्रशांत किशोर का दावा, जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग

**पटना (एजेंसी)।** अपनी पहली रैली से पहले जन सुराज पार्टी के संस्थापक प्रशांत किशोर ने कहा कि बिहार में लोग बदलाव चाहते हैं। जन सुराज पार्टी बिहार में अपना पहला विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए तैयार है, जो इस साल अक्टूबर या नवंबर में होने की संभावना है। पार्टी ने पहले उपचुनाव लड़ा था जिसमें वे अपना खाता खोलने में विफल रहे। अपनी 'बदलाव रैली' किशोर ने कहा कि लोग बिहार में एक 'विकल्प' चाहते हैं, उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी की संस्कृति दूसरों से अलग है।

किशोर ने कहा कि इसे 'बदलाव रैली' इसलिए कहा जाता है क्योंकि जब मैं 2 साल तक चला, तो मैंने एक ही शब्द सबसे ज़्यादा सुना-बदलाव। चाहे वो आरजेडी के समर्थक हों, बीजेपी के या फिर नीतीश कुमार के, हर कोई बिहार में बदलाव चाहता है। वे बिहार में एक राजनीतिक विकल्प चाहते हैं। वे बिहार में शिक्षा और नौकरियों के बारे में बात करना चाहते हैं। जन सुराज की संस्कृति और कार्यशैली दूसरी पार्टियों से अलग है। आप हमारे कार्यकर्ताओं को जबरन वसूली, लूटपाट और मारपीट करते नहीं पाएंगे। वे अपना कार्यक्रम अनुशासित तरीके से करेंगे।'

पटना के गांधी मैदान में रैली का आयोजन किया जा रहा है। इसके महत्व पर जोर देते हुए किशोर ने कहा, 'जनता से हमारा संवाद जारी रहेगा लेकिन आज का दिन इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि बिहार में जन सुराज के गठन के बाद यह पार्टी की पहली बैठक है। हम गांधी मैदान में एक साथ बैठेंगे।' रैली के बारे में आगे बोलते हुए, किशोर ने कहा कि इसका बिहार की राजनीति पर 'प्रभाव' पड़ेगा और लोग जन सुराज को 'मजबूत विकल्प' के रूप में देखेंगे। किशोर ने कहा, 'इस रैली का बिहार की राजनीति पर इस तरह प्रभाव पड़ेगा कि बिहार के लोग जो विकल्प के अभाव में भाजपा या राजद को चुन रहे थे, वे अब जन सुराज के रूप में एक मजबूत विकल्प देख सकते हैं और इस पर उनका भरोसा मजबूत होगा।'

## संजय राउत का दावा: सरकार बिहार चुनाव के दौरान राणा को देगी फांसी

**मुंबई (एजेंसी)।** शिवसेना (यूबीटी) के सांसद संजय राउत ने कहा कि मुंबई आतंकी हमलों का साजिशकर्ता तहव्वुर हुसैन राणा को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने दावा किया कि सरकार बिहार चुनाव के दौरान ऐसा करेगी। राणा को अमेरिका से सफलतापूर्वक प्रत्यर्पित कराने के बाद भारत लाया गया है और फिर उसे औपचारिक रूप से गिरफ्तार किया गया।

अधिकारियों ने बताया कि पाकिस्तानी मूल का कनाडाई नागरिक राणा को गुरुवार को एक विशेष विमान से दिल्ली लाया गया, जिससे कई दिन से जारी इन अटकलों पर विराम लग गया कि उसे कब और कैसे प्रत्यर्पित किया जाएगा। राउत ने मांग की कि कुलभूषण जाधव को वापस लाया जाए। जाधव को 2016 में गिरफ्तार कर लिया गया था और कथित जासूसी के लिए पाकिस्तानी सैन्य अदालत ने उसे मौत की सजा सुनाई थी। भारत ने पाकिस्तान के आरोपों को मनगढ़ंत बताकर खारिज किया था।

नई दिल्ली के मुताबिक जाधव को ईरान में अगवा किया गया था, जहां उनके वैध व्यापारिक हित थे और उन्हें पाकिस्तान लाया गया। जाधव को बचाने के लिए भारत ने अंतरराष्ट्रीय अदालत का रुख किया, जिसने पाकिस्तान को उनकी फांसी पर रोक लगाने का आदेश दिया था। राउत ने कहा कि राणा को तुरंत फांसी दी जानी चाहिए लेकिन उसे बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान फांसी दी जाएगी। राउत ने कहा कि राणा को भारत लाने के लिए 16 साल से लड़ाई चल रही थी और यह कांग्रेस के शासन के दौरान शुरू हुई थी।

उन्होंने कहा कि इसलिए राणा को वापस लाने का श्रेय किसी को नहीं लेना चाहिए। राउत ने कहा कि राणा भारत प्रत्यर्पित होने वाला पहला आरोपी नहीं है। उन्होंने कहा कि इससे पहले 1993 के सिलसिलेवार बम विस्फोट के आरोपी अबू सलेम को भी भारत प्रत्यर्पित किया गया था। उन्होंने यह भी मांग की कि आर्थिक भगोड़े नीरव मोदी और मेहुल चोकसी को भारत प्रत्यर्पित किया जाए।

## बहजोई में अक्रूर जी महाराज की जयंती के अवसर पर विशाल शोभायात्रा

**संवाददाता अफसर अली**
**इंडिया सावधान न्यूज**

बहजोई (संभल)नगर बहजोई में अक्रूर जी महाराज की विशाल शोभायात्रा नगर बहजोई में लक्ष्मी नारायण मंदिर काठ बाजार से प्रारंभ होकर कोतवाली बहजोई के आगे से निकलती हुई नया बाजार ऊपरकोट काली मंदिर बार्ष्णेय इंटर कॉलेज पर अक्रूर जी महाराज की मूर्ति पर फूलों की माला अर्पण कर सभी भक्तों ने समस्त बार्ष्णेय परिवार द्वारा विशाल शोभा यात्रा निकाल कर जयंती मनाई गई। राजेश शंकर राजू नगर पालिका परिषद बहजोई विकास मिल वाले नीरज गुप्ता सोमप्रकाश मेडिकल अजय गुप्ता अक्रूर जी महाराज की बहुत सुंदर झांकी पालकी राधा कृष्ण के गानों पर नृत्य करते हुए सभी भक्तगण उपस्थित हुए कोतवाली बहजोई प्रभारी निरीक्षक विनोद कुमार मिश्रा समस्त बल के साथ उपस्थित रहे बहुत सुंदर शुभ शोभायात्रा निकाली गई

## सपा कार्यकताओं ने कैंप कार्यालय बहजोई पर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई

**संवाददाता अफसर अली**
**इंडिया सावधान न्यूज**

बहजोई(संभल) जिला संभल समाजवादी पार्टी ने कैम्प कार्यालय बहजोई पर महात्मा ज्योतिबा फुले की जयंती मनाई गई महात्मा ज्योतिबा फुले के चित्र पर माल्यार्पण कर जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने कहा जब समाज में छुआ छुत ऊंच नीच चरम पर था एवं शिक्षा का एस सी एवं पिछड़े वर्ग में अभाव था तव शिक्षा देने का काम महात्मा ज्योतिबा फुले ने किया था। अध्यक्षता जिला अध्यक्ष असगर अली अंसारी ने की संचलन कृष्ण मुरारी शंखधार जिला महासचिव ने किया अरहम अली सांसद प्रतिनिधि वरिष्ठ नेता सतीश प्रेमी विधानसभा अध्यक्ष उमेश यादव शोभित कुमार काका उमेश गुप्ता कमल शर्मा अशोक राणा सद्दाम कुरेशी चेतन गुप्ता डा होराम सिंह जाटव विजेन्द्र सिंह कादिर राणा रियासत भाई शिवम यादव आकाश शखधार सुरजीत दिवाकर अनुराग यादव आदि उपस्थित रहे।

## दिल्ली समेत कई राज्यों में भीषण गर्मी से मिलेगी राहत, हो सकती है बारिश

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** पिछले 24 घंटे में दिल्ली एनसीआर समेत उत्तर भारत के कई राज्यों में भीषण गर्मी से राहत मिली है। मौसम विभाग ने बताया कि वेस्टर्न डिस्टरबेंस के कारण दिल्ली में अगले दो दिनों तक हल्की बारिश और गरज के साथ तेज हवाओं के चलने की संभावना है। बिहार और यूपी के कई जिलों में बारिश हो सकती है। आसमान में बादल, हल्की बूंदाबांदी और तेज हवाओं ने लोगों को भीषण गर्मी से राहत दी है।

मौसम विभाग में दिल्ली में येलो अलर्ट जारी किया है। अगले 48 घंटे तक दिल्ली एनसीआर में बारिश हो सकती है साथ ही मौसम विभाग ने बताया कि देश की राजधानी में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। गुरुवार को भी चिलचिलाती धूप के बाद शाम को मौसम ने अचानक करवट ली और हल्की बारिश और हवाओं ने मौसम को सुहाना बना दिया। मौसम विभाग के मुताबिक शुक्रवार और शनिवार को अधिकतम तापमान 36 से 38 डिग्री सेल्सियस रह सकता है। वहीं, न्यूनतम तापमान 18 से 20 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने की संभावना है।

मौसम विभाग ने अगले कुछ दिनों तक दिल्ली एनसीआर के अलावा पूर्वोत्तर और पूर्वी भारत में भारी बारिश की संभावना जताई है। अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, बिहार, पश्चिम बंगाल, सिक्किम, तमिलनाडु और केरल में अगले दो दिनों तक अच्छी बारिश हो सकती है। साथ ही मौसम विभाग में बताया कि उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, राजस्थान, ओडिशा और पूर्वोत्तर राज्यों में बिजली के साथ तेज हवाओं और कुछ स्थान पर ओले गिर सकते हैं। वहीं कई राज्यों में 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

मौसम विभाग ने बताया कि पंजाब, हरियाणा, यूपी, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और तटीय राज्यों जैसे आंध्र प्रदेश कर्नाटक तेलंगाना में भी तेज हवाओं के साथ हल्की बारिश हो सकती है। मन्नार की खाड़ी और कोमोरिन क्षेत्र, तमिलनाडु तट, श्रीलंका तट और उससे दूर और दक्षिण-पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में 35 किमी प्रति घंटे से 45 किमी प्रति घंटे की गति से हवा चलने की संभावना है, जो बढ़कर 55 किमी प्रति घंटे तक पहुंच सकती है।

12-04-2025 ISN:Layout 1 4/12/2025 7:41 AM Page 5



## धूलभरी आंधी से बिजली गुल, टूटे पैड, कई जगह यातायात रहा अवरुद्ध

**पलवल/फ़रीदाबाद।** शुक्रवार शाम अचानक मौसम में बदलाव आया। तेज धूलभरी आंधी से कई इलाकों की बिजली गुल रही। जगह जगह बिजली गुल हो गई। इससे कई इलाके अंधेरे मे डूब गए। कई स्थानों पर पैड जाने से यातायात अवरूद्ध हो गयाफ़रीदाबाद में बीके चौक के समीप तेज आंधी से पैड टूट जाने के कारण वाहन चालकों को भारी परेशानी झेलनी पड़ी। इससे जाम भी लगा रहा। उधर किसानों को इस तेज आंधी से खेतों मे कटी फसल को बहुत नुकसान हुआ। कुछ किसानों की कटी फसल खेतों में पड़ी हुई थी, भूसा भी तेज आंधी में उड़ने की खबर है। पलवल इलाके में भी बिजली गुल रही।नौकरीपेशा वालों की अपने घरों तक पहुंचने।में भारी असुविधा रही। बघोला में पुल निर्माण के चलते हाईवे पर जाम लगा रहा। तेज आंधी में दुपहिया वाहन चालकों को भारी असुविधा हुई।

## कार से टकराकर गोवंश की मौत पर बजरंग दल ने काटा बवाल

**गुरुग्राम।** यहां सेक्टर-70 में गुरुवार को कार की टक्कर से हुई गोवंश की मौत पर राष्ट्रीय बजरंग दल के सदस्य सड़क पर उतर आए। उन्होंने टीकली गांव को जाने वाले एसपीआर रोड को बंद कर दिया और ट्यूलिप चौक पर बैठ गए। गोवंश का शव बीच सडक़ पर ही पड़ा रहा। इस दौरान करीब डेढ़ किलोमीटर तक लंबा जाम लग गया। राष्ट्रीय बजरंग दल के जिलाध्यक्ष आशीष कुमार शर्मा ने कहा कि नगर निगम और प्रशासन सडक़ों पर बेसहारा घूम रहे गोवंशों को लेकर बिल्कुल गंभीर नहीं है। गुरुग्राम में हालत बहुत खराब हो चुकी है। रोजाना हादसे हो रहे हैं, लेकिन कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। उन्होंने कहा कि यह पहली घटना नहीं है, बल्कि शहर के कई इलाकों में आए दिन ऐसी दुर्घटनाएं हो रही हैं, जिसमें गोवंश के साथ साथ राहगीर भी अपनी जान गंवा रहे हैं। पिछले दिनों एक बाइक सवार युवक की मौत हुई थी। प्रदर्शनकारियों ने मांग की कि नगर निगम तुरंत प्रभावी कदम उठाए और सडक़ों पर बेसहारा पशुओं को नियंत्रित करने के लिए ठोस योजना बनाए। सूचना मिलने पर एसीपी सुरेंद्र फोगाट और बादशाहपुर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे। बजरंग दल कार्यकर्ता नगर निगम के अधिकारियों को मौके पर बुलाने पर अड़े रहे। उनकी पुलिस से बहस भी हुई। इसके बाद प्रदर्शनकारियों ने नारेबाजी करते हुए नगर निगम और स्थानीय प्रशासन पर लापरवाही का आरोप लगाया। करीब डेढ़ घंटे चले हंगामे के बाद पुलिस ने गोवंश के शव को सडक़ से हटवाकर जाम खुलवाया।

## पार्टी से लौट रहे दोस्तों की कार खंभे से टकराई, युवती की मौत

**गुरुग्राम।** यहां एक क्लब में पार्टी करने के बाद गुरुवार की सुबह फरीदाबाद लौट रहे दोस्तों की कार सडक़ पर जानवर आने से अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गई। हादसे में कार में सवार एक महिला की मौत हो गई, जबकि कार चला रहा युवक घायल हो गया। जिसको उपचार के लिए अस्पताल भर्ती कराया गया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और कार्रवाई शुरु कर दी। फरीदाबाद का कार्तिक अपनी दोस्त 32 वर्षीया मनीषा के साथ बुधवार रात को कार से गुरुग्राम एक क्लब में पार्टी के लिए आए थे। गुरुवार की सुबह वापस जाते समय ग्वाल पहाड़ी के निकट सडक़ पर जानवर आने से उनकी कार एक पोल से टकरा गई। ग्वाल पहाड़ी चौकी पुलिस के अनुसार सुबह करीब पांच बजे ग्वाल पहाड़ी में पार्क्स स्क्वायर नाम की सोसाइटी के पास सडक़ किनारे पोल से बलेनो कार के टकराने की सूचना मिली थी। कार में महिला व एक युवक सवार थे। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर गंभीर रूप से घायल दोनों को निजी अस्पताल भेजा। यहां महिला को मृत घोषित कर दिया गया। वहीं युवक का इलाज जारी है। पूछताछ में उसने बताया कि ग्वाल पहाड़ी में अचानक किसी जानवर के सडक़ पर आ जाने से ब्रेक लगाया तो कार अनियंत्रित होकर पोल से टकरा गई। कार्तिक को शराब के नशे में पाया गया मामले में जांच अधिकारी जोगेंद्र कुमार ने बताया कि अस्पताल में मेडिकल जांच के दौरान कार्तिक को शराब के नशे में पाया गया। दोनों के परिवारवालों को घटना की सूचना दी गई। महिला के शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया और जांच शुरू कर दी गई है।

## जालसाजों ने लोन दिलाने के नाम पर ठगे डेढ़ लाख

**गुरुग्राम।** जालसाजों ने एक युवक को लोन दिलाने के नाम पर उससे डेढ़ लाख रुपये की ठगी कर ली। साइबर अपराध मानेसर क्षेत्र में हुई इस घटना की शिकायत मिलने पर पुलिस ने केस दर्ज करके जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संदीप कुमार ने गुरुवार को बताया कि आरोपियों को जल्द ही काबू कर लिया जाएगा।बिहार के रहने वाले राजकुमार शाह ने पुलिस को दी शिकायत में कहा कि वह वर्तमान में बिनौला गांव में रहता है। सात फरवरी 2024 को उसके पास एक अनजान नंबर से कॉल आई। कॉल करने वाले ने उससे दो लाख रुपये का लोन दिलाने की बात कही। साथ ही कहा कि यह लोन सात प्रतिशत ब्याज पर मिलेगा। आर्थिक तंगी के चलते उसने लोन लेने की हामी कर दी। इसके बाद उसने दस्तावेज लिए और वीडियो कॉल के जरिए केवाईसी भी की। फिर 12 फरवरी को उसके बैंक खाते में लोन के 1.95 लाख रुपए ट्रांसफर हो गए। इसके बाद उसे फोन आया कि उसका लोन 1.20 हजार रुपए का स्वीकृत हुआ था। उसके खाते में गलती से 1.95 लाख रुपये ट्रांसफर हो गए हैं। ज्यादा ट्रांसपर हुए 65 हजार रुपए उसे यूपीआई के माध्यम से भेजे दे। बताई गई आईडी पर उसने यह रकम भेज दी। जिसके बाद उसे 1.20 लाख रुपये की बैंक स्टेटमेंट मिली। जिसमें लोन पर ब्याज दर 18 से 20 प्रतिशत लिखी हुई थी। पीड़ित ने उसी नंबर पर कॉल कर तुरंत ही लोन को बंद करने के लिए कहा।

## ईआरवी पुलिस ने गर्भवती महिला को 17 मिनट में पहुंचाया अस्पताल

**गुरुग्राम।** पुलिस की ईआरवी टीम ने एक गर्भवती महिला को 17 मिनट में अस्पताल पहुंचाकर उसे समय पर उपचार दिलाने में भूमिका निभाई। महिला ने स्वस्थ शिशु को जन्म दिया। परिजनों ने पुलिस के इस सेवा कार्य की सराहना की।जानकारी के अनुसार पुलिस की ईआरवी-269 की टीम बुधवार को दौलताबाद चौक पर तैनात थी। रात करीब साढ़े 9 बजे एक कार ईआरवी की पुलिस टीम के पास आकर रुकी। कार में सवार व्यक्ति ने सिविल अस्पताल का पता पूछा। कार में एक गर्भवती महिला व दो व्यक्ति सवार थे। पुलिस ने टीम ने देखा कि कार में सवार गर्भवती महिला परेशानी में थी।

# उर्जा प्रदेश उत्तराखंड में बिजली दरों में वृद्धि

# आम उपभोक्ताओं पर पड़ेगी महंगाई की मार

**इंडिया सावधान न्यूज**

**देहरादून।** उत्तराखंड विद्युत नियामक आयोग ने प्रदेश में सभी श्रेणियों के उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में बढ़ोतरी कर दी है। इस निर्णय से घरेलू, व्यावसायिक, औद्योगिक के साथ-साथ अन्य उपभोक्ताओं को भी महंगाई का तगड़ा झटका लगेगा। हालांकि फिक्स चार्ज में कोई बदलाव नहीं किया गया है, लेकिन प्रति यूनिट दरों में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। आयोग ने घरेलू उपभोक्ताओं के लिए बिजली दरों में 25 से 45 पैसे प्रति यूनिट तक की बढ़ोतरी की है, जो उपयोग की मात्रा के आधार पर निर्धारित की गई है।

0-100 यूनिट तक बिजली खपत करने वालों के लिए 25 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि।

101-200 यूनिट वाले उपभोक्ताओं को अब 35 पैसे अधिक चुकाने होंगे। 201-400 यूनिट के बीच खपत वालों के लिए 45 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी।

400 यूनिट से अधिक उपभोग करने वालों को भी 45 पैसे अधिक देना होगा।

इसके अलावा उच्च हिमालयी क्षेत्रों (जैसे- उत्तरकाशी, चमोली, पिथौरागढ़, बागेश्वर आदि) में रहने वाले उपभोक्ताओं को भी 10 पैसे प्रति यूनिट अधिक चुकाना पड़ेगा। व्यावसायिक और औद्योगिक उपभोक्ताओं को झटका छोटे व्यवसायों (4 किलोवाट तक) के लिए बिजली दर 35 पैसे बढ़ाई गई है।

25 किलोवाट तक के व्यावसायिक उपभोक्ताओं को 40 पैसे प्रति यूनिट अधिक देना होगा। छोटे उद्योगों के लिए 36 पैसे और बड़े उद्योगों के लिए 46 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि की गई है।

इलेक्ट्रिक वाहन चार्जिंग स्टेशनों पर सबसे अधिक 65 पैसे प्रति यूनिट की बढ़ोतरी हुई है, जिससे इलेक्ट्रिक वाहन उपयोगकताओं पर भी असर पड़ेगा।

कृषि एवं अन्य संस्थानों पर प्रभाव

सरकारी संस्थानों, अस्पतालों और शैक्षणिक संस्थाओं के लिए

25 किलोवाट तक की खपत पर 30 पैसे प्रति यूनिट की वृद्धि।

25 किलोवाट से अधिक पर 35 पैसे अधिक।

कृषि प्रसंस्करण उद्योगों को अब फिक्स चार्ज के रूप में 75 से 100 रुपये तक अतिरिक्त भुगतान करना होगा, जबकि पहले यह छूट प्राप्त था। आयोग के अनुसार बिजली वितरण कंपनियों (डिस्कॉम) की बढ़ती लागत और राज्य में बिजली खरीद के ऊंचे दामों को देखते हुए यह निर्णय लिया गया है। हालांकि इससे आम लोगों के मासिक बजट पर दबाव बढ़ेगा, विशेषकर मध्यमवर्गीय परिवारों और छोटे व्यापारियों पर मंहगाई का सीधा असर पड़ेगा। उत्तराखंड में पहले से ही महंगाई चरम पर है। ऐसे में बिजली दरों में यह वृद्धि उपभोक्ताओं के लिए एक और बड़ी चुनौती बनकर सामने आई है।

## रेलवे की भूमि पर चला अतिक्रमण हटाओ अभियान,

### 50 से अधिक कच्ची-पक्की दुकानों को हटाया

**बनवसा।** रेलवे प्रशासन और जिला प्रशासन की संयुक्त कार्रवाई में बनबसा रेलवे स्टेशन के समीप रेलवे की भूमि पर किए गए अवैध अतिक्रमण को आज पूरी तरह से हटा दिया गया। इस दौरान रेल प्रशासन ने अतिक्रमणकारियों को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पुनः अतिक्रमण किया, तो सख्त कार्रवाई की जायेगी। आज शुक्रवार को बनबसा रेलवे स्टेशन से सटे क्षेत्र में सीनियर सेक्शन इंजीनियर कार्य पीलीभीत तथा रेलवे सुरक्षा बल के प्रभारी निरीक्षक टनकपुर और पुलिस की देखरेख में जिला प्रशासन के सहयोग से रेलवे स्टेशन बनबसा यार्ड में स्थित रेलवे समपार सं0-40/सी के आसपास अवैध दुकानों एवं निजी रिहायसी मकानों के आगे रेलवे भूमि में किये गये अतिक्रमण को एक संयुक्त अभियान चलाकर जेसीबी मशीनों से ध्वस्त कर दिया। वहीं कई लोगों द्वारा अपने अतिक्रमण को स्वत ही हटा लिया गया। रेलवे ने स्टेशन से सटी रेलवे की भूमि पर बनी करीब 50 कच्ची एवं पक्की दुकानों को ध्वस्त कर रेलवे भूमि से अतिक्रमण को पूरी तरह से हटा दिया। साथ ही रेल्वे के अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि पुनः अतिक्रमण किया जाता है तो उनके खिलाफ रेल अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जायेगी।

## अवैध मेडिकल स्टोर और क्लीनिकों पर प्रशासन की छापेमारी, एक क्लीनिक किया सील

**इंडिया सावधान न्यूज**

हल्द्वानी। जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त कार्रवाई में शुक्रवार को किशनपुर, कुंवरपुर, मदनपुर तथा खेड़ा में अवैध रूप से संचालित मेडिकल स्टोर और क्लीनिकों के खिलाफ अभियान चलाया गया। उप जिलाधिकारी नवाजिश खलिक की अगुवाई में किए गए इस अभियान के दौरान एक बंगाली क्लीनिक जो बिना किसी वैध अनुमति के चलाए जा रहे एक बंगाली क्लीनिक को बंद कर सील कर दिया गया। साथ ही डिप्टी सीएमओ द्वारा उसका चालान भी किया गया। इस दौरान उक्त क्षेत्रों में संचालित पांच मेडिकल स्टोरों की भी गहनता से जांच की गई, जिनमें कुछ अनियमितताएं पाई गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा औषधि निरीक्षक के माध्यम से इन दुकानों को नोटिस जारी किए जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग ने स्पष्ट किया है कि इस प्रकार की छापेमारी आगे भी नियमित रूप से की जाती रहेगी, जिससे अवैध रूप से संचालित मेडिकल प्रतिष्ठानों पर नियंत्रण पाया जा सके और आमजन को सुरक्षित स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हों।

## लोन दिलवाने के नाम पर डेढ़ लाख रुपये की ठगी

**गुरुग्राम।** लोन दिलवाने के नाम पर एक युवक से करीब डेढ़ लाख रुपये की ठगी होने का मामला सामने आया है। मामले का खुलासा तब हुआ, जब बैंक से ईएमआई आना शुरू हो गई। थाना साइबर अपराध, मानेसर ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बिहार के मधुबनी के गांव बसौली निवासी राजा कुमार शाह ने पुलिस में शिकायत दी कि उसके पास सात फरवरी को एक नंबर से कॉल आया था। उसने दो लाख रुपये का लोन सात प्रतिशत की ब्याज दर से दिलवाने की बात कही थी। रुपयों की जरूरत के चलते राजा कुमार ने कॉलकर्ता को रुपये दिलवाने के बारे में कहा।आरोप है कि इसके बाद युवक ने उससे बैंक खाते से जुड़े दस्तावेज लिए। आरोप है कि 12 फरवरी को उन्हें खाते में करीब 1.95 लाख रुपये प्राप्त हुए। आरोप है कि युवक का कॉल उसके पास आया और बोला कि उनका 1.20 लाख रुपये का लोन मंजूर हुआ है। बाकी राशि की अदायगी उसे वापस करनी होगी। यह सुनकर शिकायतकर्ता ने 65 लाख रुपये उसके खाते में भेज दिए।

## इनेलो को मजबूत करने में जुटे अभय चौटाला, पुराने कार्यकर्ताओं को वापस लाने की कवायद तेज

**गुरुग्राम।** इंडियन नेशनल लोकदल (इनेलो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष अभय सिंह चौटाला ने गुरुवार को गुरुग्राम में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने संगठन की मजबूत करने पर अपनी बात रखी। इसके अलावा, उन्होंने हरियाणा की राजनीति पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि इनेलो पूरे प्रदेश में संगठन को फिर से खड़ा करने के लिए युद्ध स्तर पर काम कर रही है और जल्द ही इसका असर देखने को मिलेगा।अभय चौटाला ने पत्रकारों को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश के आठ जिलों के पार्टी कार्यकर्ताओं की गुरुग्राम में बैठक आयोजित की गई। शुक्रवार को फतेहाबाद में सात जिलों के कार्यकर्ताओं की बैठक होगी। इसके बाद 13 अप्रैल को चंडीगढ़ में भी सात जिलों के कार्यकर्ताओं की एक अहम बैठक रखी गई है। उन्होंने बताया कि इन बैठकों के माध्यम से पार्टी अपने तमाम पुराने कार्यकर्ताओं को फिर से इनेलो में जोड़ने का काम करेगी।

## एसटीएफ और ऊधमसिंह नगर पुलिस की नशे के विरुद्ध बड़ी कार्यवाही

# 34 किलो गांजा के साथ अंतरराज्यीय तस्कर गिरफ्तार

**मुख्यमंत्री के ह्वड्रग्स फ्री देवभूमिह्व अभियान के तहत ऊधमसिंह नगर पुलिस की नशे के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी है। एसटीएफ कुमाऊं यूनिट एवं थाना पुलभट्टा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में 434.748 किलोग्राम गांजा के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार किया गया है। बरामद गांजे की कीमत एक करोड़ से अधिक आंकी जा रही है।**

**इंडिया सावधान न्यूज**

**रुद्रपुर।** मुख्यमंत्री के ह्वड्रग्स फ्री देवभूमिह्व अभियान के तहत ऊधमसिंह नगर पुलिस की नशे के विरुद्ध कार्यवाही लगातार जारी है। एसटीएफ कुमाऊं यूनिट एवं थाना पुलभट्टा पुलिस की संयुक्त कार्यवाही में 434.748 किलोग्राम गांजा के साथ एक नशा तस्कर गिरफ्तार किया गया है। बरामद गांजे की कीमत एक करोड़ से अधिक आंकी जा रही है।

मुख्यमंत्री उत्तराखण्ड एवं पुलिस महानिदेशक उत्तराखण्ड द्वारा राज्य के सभी जनपदों को वर्ष 2025 तक नशा मुक्त उत्तराखण्ड बनाये जाने के क्रम में नशे के अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के निर्देश निर्गत किए हैं। जिस क्रम में पुलिस मुख्यालय के आदेश के अनुपालन में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जनपद उधमसिंह नगर द्वारा सभी थानाध्यक्षों को नशे के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही करने के आदेश दिए गए हैं। उक्त आदेश के अनुपालन में प्रभावी कार्यवाही करते हुए थाना पुलभट्टा एवं एसटीएफ कुमाऊं यूनिट रुद्रपुर की टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए दिनांक 10/11-04-2025 की देर रात्रि को मुखबिर की सूचना पर अभियुक्त राजू उम्र 34 वर्ष पुत्र रहमत अली निवासी ग्राम बेलवा थाना फरधान जिला लखीमपुर खीरी उ0प्र0 के कब्जे से 434.748 किलोग्राम गांजा को कैन्टर से परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया है। पूछताछ में पकड़े गए अभियुक्त ने बताया कि यह गांजा मैं सुरेश गुप्ता के कहने पर ऊधमसिंह नगर बेचने जा रहा था। गिरफ्तार अभियुक्त व अपराध के दुष्प्रेरण में संलिप्त अभियुक्त के विरुद्ध थाना पुलभट्टा पर एफआईआर नं0 52/2025 धारा 8/20/29/60 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया है। अभियुक्त को रिमांड हेतु मा0 न्यायालय पेश किया जा रहा है। सफलता प्राप्त करने वाली एसटीएफ टीम कुमाऊं यूनिट रुद्रपुर टीम एसटीएफ प्रभारी निरीक्षक एमपी सिंह, उ0नि0 केजी मठपाल, उ0नि0 बृजभूषण गुररानी, हे0कानि0 गोविन्द सिंह, हे0कानि0 जगपाल सिंह, कानि0 मोहित वर्मा, हे0कानि0 रविन्द्र बिष्ट, कानि0 गुरुवन्त सिंह, वहीं थाना पुलभट्टा पुलिस टीम में थानाध्यक्ष प्रदीप मिश्रा, उ0नि0 पंकज कुमार, अ0उ0नि0 प्रताप सुयाल, का0 दीपक बिष्ट शामिल रहे।

12-04-2025 ISN:Layout 1 4/12/2025 7:41 AM Page 6



## संपादकीय

# राज्यपाल पर लगाम

सर्वोच्च न्यायालयय ने तमिलनाडु.सरकार बनाम राज्यपाल के मामले में जो फैसला दिया है, वह कई अर्थों में एक निर्णायक फैसला है जिसने तमिलनाडु.के वर्तमान राज्यपाल आर. एन. रवि की भूमिका को न केवल कड़ी आलोचना के घेरे में खड़ा किया, बल्कि उसे सीमित भी कर दिया। इस फैसले ने राज्यपालों द्वारा विशेषकर उन राज्यों में जहां केंद्र सरकार के विरोधी दलों की सरकारें हैं, सरकारों पर मनमानी तरीके से अपने अधिकारों द्वारा अंकुश लगाने के प्रयासों को लगभग समाप्त कर दिया है। राज्यपाल की भूमिका को सीमित तो कर दिया है, साथ ही उसे नियमबद्ध भी कर दिया है। न्यायालय ने अपने फैसले में कहा है कि राज्यपाल संवैधानिक तरीके से जनता द्वारा चुनी गई सरकार के विधिवत पारित विधेयकों को स्वीकृति देने के मामले में अनिश्चित अवधि तक लंबित नहीं रख सकते। अब आगे से कोई राज्यपाल किसी भी पारित विधेयक को एक महीने से अधिक अपने पास लंबित नहीं रख सकता। अगर यह विधेयक राज्यपाल के द्वारा वापस कर दिया जाता है, और पुर्नर्विचार के लिए पुनः उसके पास आता है तो वह उसे राष्ट्रपति को भी नहीं भेज सकते। राष्ट्रपति को वह पहली बार में ही भेज सकेंगे। अगर निश्चित अवधि के बाद भी कोई विधेयक लंबित रखा जाता है तो उसे स्वतः स्वीकृत मान लिया जाएगा। इस बिना पर अदालत ने तमिलनाडु.सरकार द्वारा पारित वे सभी विधेयक जिन्हें राज्यपाल ने अपने पास दबा रखा था, स्वीकृत मान लिए जाएंगे। सर्वोच्च न्यायालय के इस फैसले से यह तो तय है कि अब कोई भी विधेयक राज्यपाल की मनमर्ज़ी की जकड़बंदी की गिरफ्त में नहीं रहेगा। शीर्ष अदालत ने इस समुचित प्रक्रिया को समयबद्ध और सीमाबद्ध करके निश्चित तौर पर एक बड़ा काम किया है और इससे राज्यपाल तथा राज्य सरकारों के बीच उठने वाले विलंब संबंधी विवादों पर रोक लगेगी। लेकिन भविष्य में इस पर नजर रखनी होगी कि ऐसी सूरत में जब केंद्र में किसी और दल की सरकार हो और राज्य में किसी और दल की तो राज्य सरकारें अपने राजनीतिक मतभेदों के चलते इस नवनिर्धारित प्रक्रिया का दुरुपयोग न करें। केंद्र सरकार को भी यह ध्यान में रखना होगा कि राज्य पर नियंत्रण रखने के लिए राज्यपाल रूपी हथियार की मारक क्षमता बहुत सीमित कर दी गईहै। उसे भी राज्य के साथ अनावश्यक टकराव को टालना होगा अन्यथा सर्वोच्च न्यायालय का जो फैसला सराहनीय और स्वागतयोग्य लग रहा है, वह विपरीत परिणाम देने वाला सिद्ध न हो।

चिंतन-मनन

# सर्वव्यापी है आत्मा

केवल वह जो क्षणिक है, छोटा या नर है, उसे ही सुरक्षा की आवश्यकता है; जो स्थायी है, बड़ा या विशाल है, उसे सुरक्षा की जरूरत नहीं। सुरक्षा का अर्थ है समय विशेष को लंबा कर देना; इसीलिए सुरक्षा परिवर्तन में बाधक भी होती है। पूर्ण सुरक्षा की स्थिति में रूपांतरण नहीं हो सकता। सुरक्षा के बिना इच्छित रूपांतरण नहीं हो सकता। एक बीज को पौधे में परिवर्तित होने के लिए सुरक्षा चाहिए; एक पौधे के वृक्ष बनने के लिए सुरक्षा चाहिए। अत्यधिक सुरक्षा रूपांतरण में या तो सहायक हो सकती है या बाधक, इसीलिए रक्षक को यह समझ होनी चाहिए कि किस मात्रा तक उसे रक्षा करनी है।

सुरक्षा और रूपांतरण- दोनों काल और समय के अनुसार होते हैं और समय से परे होने के लिए इन नियमों का सम्मान आवश्यक है। सुरक्षा एक विशेष समय और नर चीजों तक ही सीमित है। चिकित्सक कब तक किसी को स्वस्थ रख सकता है या बचा सकता है? सदा के लिए? नहीं। सत्य को किसी सुरक्षा की आवश्यकता नहीं। शांति और खुशी को सुरक्षा की आवश्यकता नहीं, क्योंकि वे क्षणिक नहीं। तुम्हारे शरीर को सुरक्षा की आवश्यकता है, तुम्हारी आत्मा को नहीं; तुम्हारे मन को सुरक्षा की जरूरत है, स्वरूप को नहीं। आत्मा केवल मन और शरीर का समिश्रण नहीं है। आत्मा न मन है, न शरीर। शरीर के अस्तित्व का एकमात्र उद्देश्य है तुम्हें सचेत करना कि तुम कितने सुंदर हो; और तुमको जागरूक करना कि तुम जिन आदर्शों का सम्मान करते हो, उन सभी को तुम अपने जीवन में ढालकर, अपने चारों ओर एक दिव्य-जगत की सृष्टि करो। जो योगासन तुम करते हो, वह शरीर के लिए और जो ध्यान करते हो, वह मन के लिए है। शांत हो या विचलित; मन, मन ही रहता है। रोगी हो या निरोगी; शरीर, शरीर ही रहता है। आत्मा सर्वव्यापी है। शरीर के किसी अंग को उत्तेजित करने से मजा आता है, सुख का आभास होता है।

# क्या कांग्रेस अधिवेशन से निकल आया जीत का मंत्र?

इशाकत अली खान, प्रधान संपादक

गुजरात के अहमदाबाद में संपन्न हुआ कांग्रेस का दो दिवसीय अधिवेशन महज एक औपचारिक सभा नहीं थी, बल्कि इसे एक सियासी पुनर्जागरण के तौर पर देखा जाना चाहिए। दशकों से गुजरात की सत्ता से बाहर कांग्रेस ने यहां से एक नई रणनीति, नई चेतना और शायद एक नए आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने की कोशिश की है। कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी के बयानों से स्पष्ट संकेत मिलते हैं कि पार्टी अब आक्रामक तेवरों के साथ मैदान में उतरने के मूड में है। दरअसल अधिवेशन की शुरूआत करते हुए मल्लिकार्जुन खड़गे ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की पारदर्शिता पर सवाल उठाए और बैलेट पेपर से चुनाव कराए जाने की मांग भी रखी। खड़गे कहते हैं कि सरकार ने एक ऐसी तकनीक अपनाई हुई है जिससे विपक्ष को नुकसान पहुंचाया जा सके। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव का हवाला देते हुए कहा कि 150 सीटों में से 138 सीटों पर बीजेपी की जीत संदिग्ध है। खड़गे ने यह कहकर सरकार पर आरोप ही नहीं लगाए बल्कि उन्होंने पार्टी कार्यकताओं और देश के मतदाताओं में यह विश्वास पैदा करने की कोशिश की है, कि ईमानदार चुनावों के जरिए सत्ता परिवर्तन संभव है। वहीं राहुल गांधी ने अपने सशक्त भाषण से अधिवेशन में जहां जान फूंकने का काम किया वहीं पार्टी से जुड़े लोगों को एक पार्टी विचारधारा के तहत एकजुट होकर मैदान में आने का आव्हान भी किया है। उन्होंने यहां वक्फ संशोधन कानून पर बीजेपी पर सीधा हमला बोला और इसे ह्यफ्रीडम ऑफ रिलीजनह्ल और संविधान पर हमला करार दिया है। साथ ही, उन्होंने गुजरात में कांग्रेस के भीतर व्याप्त गुटबाजी पर खुलकर बात की और यह स्वीकार किया कि पार्टी के कुछ नेता जनता से कटे हुए हैं या विरोधी दलों से मिले हुए हैं। पार्टी के शीर्ष नेताओं का यह आत्ममंथन इस बात की ओर इशारा करता है कि कांग्रेस अब संगठनात्मक शुद्धि की दिशा में भी कदम बढ़ा रही है। यह एक तरह से देर आयद दुरुस्त आयद को ही चरितार्थ करने जैसा है। इस पर दो दशक पहले ही विचार कर लिया जाना चाहिए था, तब शायद पार्टी को इतना ज्यादा नुक्सान भी नहीं हुआ होता। नेताओं की आपसी खींचतान और बेमानी रुतबे के कारण पार्टी रसातल पर पहुंच गई। पहले एक-एक कर कांग्रेस के गढ़ कहे जाने वाले राज्य हाथ से जाते गए और फिर केंद्र में भी पकड़ ढीली हो गई। नतीजा यह हुआ कि पार्टी के साथ नेताओं का भी बर्चस्व जाता रहा और स्थानीय स्तर पर भी कांग्रेस का वो कद नहीं रहा जो पहले कभी हुआ करता था। इस स्थिति से पार्टी को उबारने के लिए राहुल गांधी और उनकी सीमित टीम जी-जान से लगी रही। यहां कहना गलत न होगा कि राहुल की मेहनत पर पानी फेरने का काम विरोधी सियासी पार्टियों और उनके नेताओं ने उतना नहीं किया जितना कि खुद कांग्रेस के असंतुष्ट नेताओं ने किया। बात अगर गुजरात राज्य की ही कर लें तो यहां कांग्रेस पिछले तीन दशकों से सत्ता से बाहर है। ऐसे में दावा किया जा रहा है कि गुजरात में युवाओं की एक ऐसी पौध तैयार हो चुकी है जिसे शायद यह भी न पता हो कि कांग्रेस की रीति-नीति और उसकी सरकार क्या और कैसे काम करती है। बहरहाल यह कहने की बात है, क्योंकि यहां यह नहीं भूलना चाहिए कि गुजरात में कांग्रेस का लगभग 30 प्रतिशत वोट शेयर है, जो यह संकेत देता है कि पार्टी पूरी तरह खत्म नहीं हुई है। पार्टी की नीति और रीति के प्रति जनता में लोकप्रियता बरकरार है। बस चुनाव के दौरान चाहने वालों और प्रशसंकों को वोट में कनवर्ट करने का जादू और फामूर्ला पार्टी नेताओं ने भुला दिया है। यह कम बात नहीं है कि राहुल गांधी ने गुजरात में कांग्रेस की कमजोरी को स्वीकारा है और यह भी कहा है कि अगर संगठन में 30-40 लोगों को हटाना पड़े तो वो इसके लिए तैयार हैं। यह बयान न सिर्फ कांग्रेस की नीयत को दिखाता है, बल्कि एक नई शुरूआत की मंशा भी जाहिर करता है। पिछले 2024 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने गुजरात में एक सीट जीती और करीब 31 प्रतिशत वोट हासिल किए थे। यह नतीजा भले ही मामूली हो, लेकिन कांग्रेस के लिए यह मनोवैज्ञानिक जीत थी, खासकर पिछले चुनाव में मिली करारी हार के बाद यह ऑक्सीजन जैसी प्रतीत हुई है। अब जबकि विधानसभा चुनावों में आम आदमी पार्टी के साथ कांग्रेस का गठबंधन टूट चुका है, कांग्रेस को अकेले ही गुजरात में अपनी जमीन फिर से तैयार करने के लिए आगे बढ़ना चाहिए। वैसे भी पार्टी अधिवेशन के जरिए कांग्रेस ने एक बार फिर यह जतला दिया है कि वह गुजरात को हल्के में नहीं ले रही है। संगठन निर्माण, जनसंपर्क और आक्रामक राजनीति के जरिए वह बीजेपी को टक्कर देने की तैयारी कर रही है। हालांकि अभी बीजेपी गुजरात में बेहद मजबूत है, लेकिन राजनीति संभावनाओं का खेल है। अगर कांग्रेस अपने संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत कर पाती है, नए और प्रभावशाली नेताओं को उभारती है और जनता से सीधा संवाद कायम करती है, तो आने वाले वर्षों में वह फिर से राज्य की राजनीति में दमदार वापसी कर सकती है। अंततः इस अधिवेशन से कोई जादुई मंत्र तो निकलता हुआ नहीं दिखा, लेकिन यह जरूर कहा जा सकता है कि कांग्रेस ने अपने घर को सजाने-संवारने के साथ ही एक विचारधारा के सूत्र में पार्टी को पिरोने का जो काम शुरू किया है यही शायद जीत की पहली शर्त होती है।

# मोदी का कथनः एक भारत के लिए सांस्कृतिक यात्राएं

प्रमोद भार्गव

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रामेश्वरम में उल्लेखनीय बात कही, 'भगवान श्री राम की अयोध्या से रामेश्वरम तक उत्तर से दक्षिण की यात्रा ने भारत को सांस्कृतिक रूप से एक पहचान देते हुए देश को जोड़ने का काम किया।' वास्तव में राम, लक्ष्मण, सीता के वनगमन ने देश को न केवल सांस्कृतिक रूप से जोड़ने का काम किया, बल्कि जो वनवासी थे, उन्हें भी एक सनातन समुदाय और एक संस्कृति से जोड़ने का अद्वितीय कार्य किया था। यही कार्य सतयुग में परशुराम ने उत्तर से पूर्वोत्तर और पूर्वोत्तर से दक्षिणी समुद्री तट केरल तक की यात्रा करके किया था। तत्पश्चात द्वापर युग में कृष्ण ने पांडवों के वनवास को सार्थकता देने के लिए देश को सांस्कृतिक एकरूपता में ढालने के लिए पूर्वोत्तर तक यात्रा कराई थी।

इस नाते कहा जा सकता है कि भारत की यही वे सांस्कृतिक यात्राएं थीं, जिनके चलते भारत आज भी सांस्कृतिक एकरूपता में ढला हुआ है। प्राचीन भारतीय संस्कृत ग्रंथों में 'रामायण' जनमानस में सबसे ज्यादा लोकप्रिय ग्रंथ है। भारत के सामंत और वर्तमान संवैधानिक भारतीय लोकतंत्र में राम के आदर्श मूल्य और रामराज्य की परिकल्पना प्रकट अथवा अप्रकट रूप में हमेशा मौजूद रही है। अतएव रामायणकालीन मुल्यों ने भारतीय जन-मानस को सबसे ज्यादा उद्वेलित किया है। इस जन-समुदाय में रामकथाओं में उल्लेखित वनवासी जातियां भी शामिल हैं, जिन्हें वानर, भालू, गिद्ध, गरुड़ भील, कोल, नाग इत्यादि कहा गया है। यह सौ प्रतिशत सच्चाई है कि ये लोग वन-पशु नहीं थे। इसके उलट वन-प्रांतों में रहने वाले ऐसे विलक्षण समुदाय थे, जिनकी निर्भरता प्रकृति पर अवलंबित थी। उस कालखंड में इनमें से अधिकांश समूह वृक्षों की शाखाओं, पर्वतों की गुफाओं या फिर पर्वत शिखरों की कंदराओं में रहते थे। ये अर्धनग्न अवस्था में रहते थे और रक्षा के लिए पत्थर और लकड़ियों का प्रयोग करते थे। इसलिए इन्हें जंगली प्राणी का संबोधन कथित सभ्य समाज करने लगा।

अलबत्ता, सच्चाई यह है कि राम को मिले चौदह वर्षीय वनवास के कठिन समय में जंगली मान लिए गए ये वनवासी समूह राम की वनवास यात्रा में सहयोगी नहीं बने होते तो आर्य राम का अनार्य रावण पर विजय पाना असंभव था। राम को वनगमन के बाद पहला साथ निषादराज गुह का मिलता है। इलाहाबाद के पास निषाद राज्य की सीमा शुरू होती है। निषाद को जब राम के आगमन की खबर मिलती है तो वे स्वयं राम की अगवानी के लिए पहुंचते हैं। हालांकि निषाद वनवासी नहीं हैं, लेकिन शूद्र माने जाने वाली जातियों के समूह में हैं, जिन्हें ढीमर, ढीबर, मछुआरा और बाथम कहा गया है। निषाद लोग शिल्पकार थे। उत्कृष्ट नावें और जहाजों के निर्माण में निपुण थे। निषाद के पास पांच सौ नौकाओं का बेड़ा उपलब्ध होने के साथ यथेष्ट सैन्य-शक्ति भी मौजूद थी। अतएव निषाद राज गुह ऐसे पहले व्यक्ति थे, जो राम को कौशल राज्य की सीमाओं के बाहर सुरक्षा का भरोसा देते हैं। हालांकि राम के आगे बढ़ते जाने के साथ उनसे अत्रि, वाल्मीकि, भारद्वाज, अगस्त्य, शरभंग, सुतीक्ष्ण, मांडकणि और मतंग ऋषि मिले। वनवासियों के बीच वन-खंडों में रहने वाले इन ऋषियों ने ही राम का मार्ग प्रशस्त किया। ऋषियों की वेधशालाएं, अग्निशालाएं और आश्रम थे, उन पर राक्षस तो आक्रमण करते हैं, लेकिन वनवासियों ने किसी ऋषि को कष्ट पहुंचाया हो ऐसा वाल्मीकि रामायण या अन्य रामायणों में उल्लेख नहीं मिलता।

पूर्वोत्तर के वर्तमान सातों राज्य पश्चिम बंगाल और असम के विभाजन के फलस्वरूप स्वतंत्र रूप से अस्तित्व में आए हैं। प्रागैतिहासिक काल के पन्नों को खंगालें तो पता चलता है कि भगवान परशुराम और कार्तवीर्य अर्जुन के बीच जो भीषण युद्ध हुआ था, उसके अंतिम आततायी को परशुराम ने अरु णाचल में जाकर मारा था। अंत में यहीं के 'लोहित क्षेत्र' में पहुंच कर ब्रह्मपुत्र नदी में अपना रक्त-रंजित फरसा धोया था। किंवदंती है कि लोहित कुंड में फरसा धोने के बाद से ही यहां का पानी आज भी लाल है। यहां कालांतर में स्मृति स्वरूप पांच कुंड बनाए गए, जिन्हें समंतपंचक रुधिर-कुंड कहा जाता है। ये कुंड आज भी अस्तित्व में हैं। इस क्षेत्र में यह दंतकथा भी प्रचलित है कि इन्हीं कुंडों में भृगुकुल भूषण परशुराम ने युद्ध में मारे गए योद्धाओं का तर्पण किया था। परशुराम यही नहीं रु के, उन्होंने शूद्र और इस क्षेत्र की जो आदिम जनजातियां थीं, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके उन्हें ब्राह्मण बनाया और सामूहिक विवाह कराए। तत्पश्चात परशुराम केरल पहुंचे और वहां के कोंकण क्षेत्र में वनवासियों की मदद से समुद्र से धरती को बाहर निकाल कर खेती की शुरू आत कराई और जो अविवाहित युवा वनवासी थे, उनका यज्ञोपवीत संस्कार करके युद्ध में मारे गए योद्धाओं की विधवाओं से पाणिग्रहण कराया। पांडवों ने उत्तर से पूर्वोत्तर की यात्रा करके छोटी जातियों की स्त्रियों से अर्जुन और भीम ने अनेक विवाह किए और सनातन संस्कृति स्थापित की।

# तमिलनाडु में अगले चरण में भाषा विवाद

उमेश चतुर्वेदी

**दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।**

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन की ओर से उठाए गए भाषा विवाद की गेंद को प्रधानमंत्री मोदी ने राजनीतिक समझदारी के साथ उनके ही पाले में डाल दी है। तमिलनाडु की हालिया यात्रा में उन्होंने कह दिया कि तमिल राजनेता अपना हस्ताक्षर अंग्रेजी की बजाय तमिल में क्यों नहीं करते। लगे हाथों उन्होंने यहां तक कह दिया कि तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन को मेडिकल की पढ़ाई तमिल में करानी चाहिए। तमिलनाडु में हिंदी को लेकर विवाद शुरू से ही रहा है, हाल ही में स्टालिन सरकार ने अपना बजट पेश करते वक्त बजट से रूपए के आधिकारिक हिंदी प्रतीक की विदाई और तमिलभाषा वाले प्रतीक का इस्तेमाल किया था। जिस पर हंगामा होना स्वाभाविक है। अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु में भाषा को लेकर नया बयान दे दिया है। हो सकता है कि तमिल राजनीति इसका फिर से आक्रामक जवाब दे, लेकिन प्रधानमंत्री के सवाल के बाद तमिल राजनीति के लिए जवाब देना मुश्किल होगा..क्योंकि तमिल का प्रश्न उठाकर एक तरह से प्रधानमंत्री ने तमिल राजनीति को स्थानीयता के ही मुद्दे पर कठघरे में खड़ा करने की कोशिश की है।

दक्षिण में तमिलनाडु इकलौता राज्य है, जिसकी राजनीति तकरीबन सभी ज्वलंत मुद्दों पर बनी राष्ट्रीय सहमति से अलहदा कदम उठाती रही है। श्रीलंका के लिट्टे विद्रोहियों का मसला, हिंदी विरोध और लोकसभा सीटों के परिसीमन के मुद्दे, तमिल राजनीति राष्ट्रीय सहमति से अलग सोचती रही है। इस तरह उसने अपना एक अलग तमिल नैरेटिव रचा। रूपए के प्रतीक का तमिलकरण और हिंदी विरोध की ताजा सोच, अतीत के तमिल नैरेटिव का ही विस्तार है।

सबसे पहले आज के दौर की राजनीतिक मंशा को समझना जरूरी है। मौजूदा राजनीति का हर नया कदम और नई राजनीतिक नैरेटिव बनाने की कोशिश के परोक्ष और प्रत्यक्ष, दो उद्देश्य हैं। पहला मकसद जहां तुरंत जनभावनाओं को अपने पक्ष में मोड़कर सियासी फायदा उठाना होता है, वहीं इनके सहारे भविष्य के लिए अपनी मजबूत सियासी इमारत खड़ा करना भी रहती है। तमिलनाडु सरकार के हालिया कदमों का तात्कालिक कारण है अगले साल होने वाला विधानसभा चुनाव। इन मुद्दों के जरिए डीएमके अपने पक्ष में माहौल बनाने की कोशिश कर रही है। चूंकि ये मुद्दे तकरीबन आठ दशकों से डीएमके की राजनीतिक फसल के खाद का काम करते रहे हैं, इसलिए स्टालिन को एक बार फिर इसी पर भरोसा है।

संविधान के मुताबिक, भारत भले ही राज्यों का संघ हो, लेकिन राज्यों को राष्ट्रीय मुद्दों से अलग राह, जिनमें अलगाववाद के खतरे हों, किसी भी कीमत आगे बढ़ने की छूट नहीं है। संविधानसभा की बहस के दौरान राज्यों के ऐसे कदमों की आशंका को देखते हुए ही मजबूत केंद्र की अवधारणा को स्वीकार किया गया। इसके बावजूद यदा-कदा कई राज्य राष्ट्रीय सोच से अलग रूख अख्तियार करते रहते हैं। हाल के दिनों में इस कोशिश में पश्चिम बंगाल भी जुड़ा, जहां से राष्ट्रवादी विचारधारा को बल मिला। अरसे से कई मुद्दों पर अलग रूख अख्तियार करते वक्त तमिल राजनीति भारतीयता के अभिन्न अंग तमिल की अवधारणा और संविधान की सोच को दरकिनार करती रही है।

तमिलनाडु में हिंदी विरोध 1935 में डीएमके के वैचारिक उभार के साथ ही शुरू हुआ। तब भी यह सोच राष्ट्रीय युगबोध से अलग थी। तमिलनाडु में पहले क्रांतिकारी सोच के नाम पर ब्राह्मण विरोध की शुरूआत हुई, जिसका अगला कदम हिंदी विरोध रहा। अब यह सोच एक तरह से उत्तर भारत विरोध तक पहुंच चुकी है। दिलचस्प यह है कि इसमें कई बार कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय पार्टी भी मददगार होती रही है। 2023 के विधानसभा चुनावों में छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश और राजस्थान में बीजेपी और तेलंगाना में कांग्रेस को मिली जीत के बाद नया नैरेटिव गढ़ा गया था। जिसके मुताबिक, गोबर पट्टी के राज्यों को पिछड़ा और दक्षिणी राज्यों को समझदार बताया गया। यानी जो बीजेपी को चुने, वह पिछड़ा और जो कांग्रेस को चुने, वह प्रगतिशील। इस नैरेटिव के जरिए उत्तर और दक्षिण के बीच गहरी विभाजन रेखा खींचने की कोशिश हुई। लोकसभा सीटों के परिसीमन को लेकर द्रविड़ राजनीति की ओर से उठाए जा रहे सवालों में इसके विस्तार को देखा जा सकता है।

अपनी अलहदा सोच के लिए अतीत में डीएमके को कीमत भी चुकानी पड़ी है। 1991 में तत्कालीन चंद्रशेखर सरकार ने करूणानिधि सरकार को कुछ ऐसी ही वजहों से बर्खास्त किया था। डीएमके करीब दो दशक से कांग्रेस की सहयोगी है, लेकिन अतीत में एक बार वह भी डीएमके की ऐसी सोच के चलते केंद्र की गुजराल सरकार को गिरा चुकी है। अभी चाहे हिंदी का सवाल हो या फिर रूपए के प्रतीक को बदलने की बात, डीएमके के रूख पर कांग्रेस ने फिलहाल चुप्पी साध रखी है। ऐसा लगता है कि इन मुद्दों पर कांग्रेस की स्थिति सांप और छछूंदर जैसी हो गई है। अगर वह डीएमके का विरोध करती है तो उसे अपने स्थानीय समर्थकों के छिटकने का डर है और यदि समर्थन करती है तो उत्तर भारत में उसकी उम्मीदें बिखर सकती हैं। लेकिन बीजेपी ने आक्रामक रूख अपना रखा है। रूपए का हिंदी प्रतीक बदलने का सबसे तेज विरोध तमिल मूल की निर्मला सीतारमण और राज्य बीजेपी के पूर्व अध्यक्ष अन्नामलाई कर रहे हैं। उनका साथ उनकी पूर्ववर्ती तमिलसाई सौंदर्यार्राजन दे रही हैं। बीजेपी की कोशिश है, स्टालिन के हिंदी विरोध की हवा तमिल सोच के जरिए निकालने की है। इसका आधार जोहो कंपनी प्रमुख श्रीधर वेंबु हिंदी समर्थन में बयान देकर मुहैया करा चुके हैं।

अगले साल अप्रैल-मई में तमिलनाडु में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2021 के चुनाव में दशकभर बाद डीएमके को सत्ता मिली थी। स्टालिन इसे ही बचाए रखने की जुगत में हैं। उत्तर और हिंदी विरोधी माहौल जिंदा रखकर स्थानीय भावनाओं को उभारना तमिलनाडु का आसान राजनीतिक फामूर्ला रहा है। त्रिभाषा फॉमूर्ले में हिंदी विरोध स्टालिन को सबसे आसान लगा और वे मैदान में कूद पड़े। जनसंख्या के लिहाज से लोकसभा सीटों का परिसीमन में कम होना और रूपए का प्रतीक बदलना इसी का विस्तार है।

1937 में पेरियार के हिंदी विरोधी आंदोलन को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का समर्थन मिला। 1965 में जब संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी राजभाषा बन रही थी, तब सीए अन्नादुरै की अगुआई वाले हिंदी विरोधी तीखे आंदोलन को समूचे तमिलनाडु का साथ मिला। इसके दो साल बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सत्ता गंवानी पड़ी, तब से कांग्रेस राज्य में हाशिए पर ही है। इस बार हिंदी विरोध या रूपए के प्रतीक बदलने की तरकीब को तकरीबन समूचे तमिल समुदाय का साथ मिलता नहीं दिख रहा। इसकी बड़ी वजह यह है कि तमिल समुदाय भी अब भाषा की राजनीति और उसके दायरे को समझने लगा है। संचार क्रांति के जरिए उसे भी पता है कि स्टालिन द्वारा उठाए जा रहे मुद्दों की खामी-खासियत क्या है? तमिल समुदाय के एक हिस्से की समझ बनी है कि उनकी सरकार का विरोध एक बिंदु पर राष्ट्रीय धारा के विपरीत हो सकता है। अब तमिलनाडु में भी लोग मिलने लगे हैं, जिन्हें हिंदी विरोध राजनीतिक शिगूफा लगता है। स्टालिन जिस तरह तेजी से एक के बाद एक मुद्दे उछाल रहे हैं, उससे उन्हें और उनके सलाहकारों को लगता है कि हिंदी विरोध हो या परिसीमन की मुखालफत को बड़ा और गहरा समर्थन नहीं मिल रहा है।

पिछले लोकसभा चुनाव में बीजेपी राज्य में अपना खाता नहीं खोल पाई, लेकिन उसका गठबंधन राज्य में 18.2 प्रतिशत वोट हासिल करने में कामयाब रहा। इसमें बीजेपी का वोट 11 प्रतिशत रहा। जबकि पहले उसे तीन से पांच प्रतिशत तक ही वोट मिलता रहा। जाहिर है कि बीजेपी राज्य में अपनी जड़ें जमा रही है। बीजेपी राज्य में स्थानीय की बजाय राष्ट्रीय मुद्दों के साथ पहुंच रही है। यह भी वजह है कि स्टालिन ठेठ और आक्रामक स्थानीय मुद्दों को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। अतीत में हिंदी और उत्तर भारत विरोध स्थानीय लोगों को गोलबंद करने का आसान जरिया रहे। इन मुद्दों पर सियासी बैटिंग डीएमके के लिए परिचित पिच रही है। इस पिच पर एक बार फिर सियासी बैटिंग करना उसे आसान लग रहा है। बीजेपी ने भी पिच तो वही अपनाई है, लेकिन उसके मुद्दे अलहदा हैं। राष्ट्रीय मुद्दे बनाम स्थानीय सोच की इस जंग में फिलहाल देश का दक्षिण कोना घायल होता नजर आ रहा है। इस पर रोक लगाने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर सोच बननी जरूरी है। अन्यथा ऐसी राजनीति के दंश का दर्द अरसे तक झेलना पड़ सकता है।

# कैंसर से लड़ेंगी प्रतिरोधी कोशिकाएं

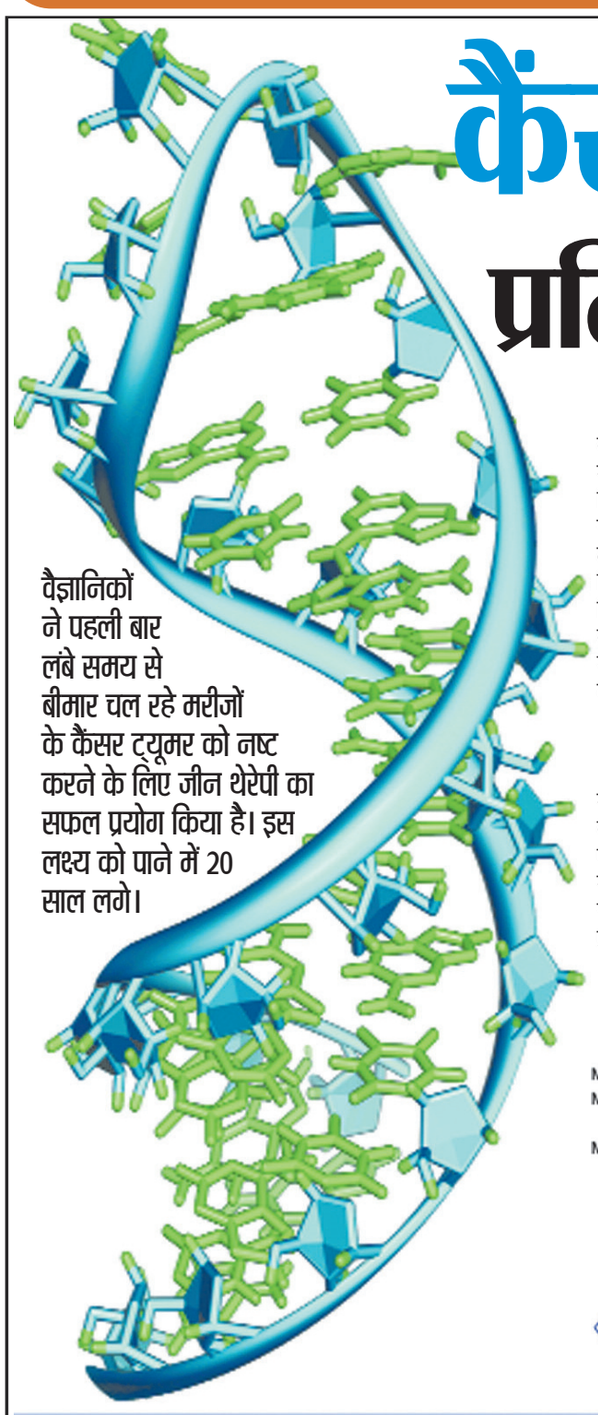

**वैज्ञानिकों ने पहली बार लंबे समय से बीमार चल रहे मरीजों के कैंसर ट्यूमर को नष्ट करने के लिए जीन थेरेपी का सफल प्रयोग किया है। इस लक्ष्य को पाने में 20 साल लगे।**

**अमेरिका** में पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने पैथोजन से लड़ने वाले मरीजों की अपनी टी कोशिकाएं बनाईं, जिसका लक्ष्य ल्यूकिमिया कोशिकाओं की सतह पर मिले कणों से लड़ना था। बदली हुई टी कोशिकाओं को शरीर के बाहर विकसित किया गया और उसके बाद क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया से बीमार मरीजों के शरीर में वापस डाला गया। यह बीमारी खून और बोन मैरो को प्रभावित करती है और ल्यूकिमिया का बहुत आम रूप है।

## परीक्षण का पहला चरण

नई थेरेपी की मदद से कैंसर के तीन मरीजों को जीवनदान मिला। इसने प्रतिरक्षी कोशिकाओं को ट्यूमर किलर में बदल दिया। पहले चरण के ट्रायल में भाग लेने वाले दो मरीजों की हालत पिछले एक साल से सुधर रही है। तीसरे मरीज के शरीर ने अच्छी प्रतिक्रिया दी है और उसका कैंसर नियंत्रण में

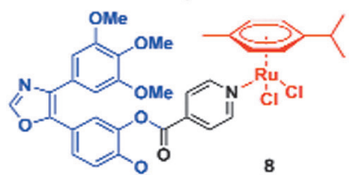

है। अगला बड़ा चरण शुरू करने से पहले शोधकर्ता क्रोनिक लिम्फोसाइटिक ल्यूकिमिया के शिकार चार और मरीजों का उपचार करना चाहते हैं।

## विकास के दौर में

ट्रायल के नतीजों ने वैज्ञानिकों को हैरत में डाला, हालांकि जीन थेरेपी अभी भी विकास के दौर में है। पेनसिल्वेनिया विश्वविद्यालय के पेरेलमन मेडिसीन स्कूल के डॉ. माइकल कैलोस के अनुसार हमने टी-सेल की सतह पर एक कुंजी डाली, जो उस ताले के साथ फिट बैठती है, जो सिर्फ कैंसर की सेलों में होता है। इलाज के नतीजे दूसरे प्रकार के कैंसरों के इलाज का भी रास्ता सुझाते हैं। इसमें फेफड़े और अंडाशय का कैंसर भी शामिल है। शोध के नतीजे न्यू इंग्लैंड जर्नल ऑफ मेडिसीन और साइंस ट्रांसलेशनल मेडिसीन पत्रिकाओं में प्रकाशित किए गए हैं। कैलोस ने कहा है कि एडॉप्टिव टी-सेल ट्रांसफर के नाम से जाने, जाने वाले पिछले प्रयास या तो इसलिए विफल हो गए कि टी-सेलों की प्रतिक्रिया बहुत कमजोर थी या फिर इसलिए कि वे सामान्य ऊतकों के लिए अत्यंत विषैले थे।

## कैंसर इलाज की नई तकनीक

यह तकनीक कैंसर के इलाज की दूसरी तकनीकों से अलग है। यह ट्यूमर का मुकाबला करने के लिए शरीर की अपनी प्रतिरक्षा प्रणाली को काम में लाती है। अब आप इम्यून रेस्पांस करवाने की कोशिश छोड़िए, हम आपको इम्यून रेस्पांस दे रहे हैं।

इलाज की नई प्रणाली सुरक्षित मालूम होती है, लेकिन शोधकर्ताओं का कहना है कि अभी और परीक्षण किए जाने की जरूरत है। पहले चरण के ट्रायल में ल्यूकिमिया के मरीजों को प्रतिरक्षा बढ़ाने वाली दवा दी गई, क्योंकि लक्षित अणु सीडी 19 सामान्य प्रतिरक्षा सेलों पर भी होता है। जीन थेरेपी के लिए शोधकर्ताओं ने एक वायरस का इस्तेमाल किया, जो कोशिकाओं को सिर्फ एक बार संक्रमित कर सकता है। लगभग दो सप्ताह बाद मरीजों ने ट्यूमर लाइसिसि सिंड्रोम का अनुभव करना शुरू किया। इसमें कंपकंपी, मितली और बुखार के लक्षण दिखाई देते हैं, जो कैंसर की मरती कोशिकाओं से पैदा होने वाले उत्पादों के कारण पैदा होते हैं।

## नए टी-सेल

नए विकसित टी-सेल बाद के कई महीने तक मरीजों के खून में पाए गए। उनका एक हिस्सा मेमोरी सेलों में बदल गया, जो कैंसर के फिर से होने से सुरक्षा कर सकता है। पोर्टलैंड ओरेगन के कैंसर सेंटर के डॉ. वाल्टर ऊरबा चेतावनी देते हैं कि सक्रिय टी-सेलों और मेमोरी सेलों की उपस्थिति दूसरे प्रकार के कैंसरों के लिए समस्या पैदा कर सकती है, जहां सामान्य कोशिकाओं पर विषैला असर और गंभीर हो सकता है। जीन थेरेपी के ट्रायल पर सारा खर्च शैक्षणिक समुदाय से आया है।

# फेफड़ों के कैंसर को रोकेगी जालकोरी

**फेफड़ों के कैंसर की नई दवा जालकोरी उपयोगी साबित होगी। अमेरिका के औषधि प्रशासन विभाग ने गोली को मंजूरी दे दी है।**

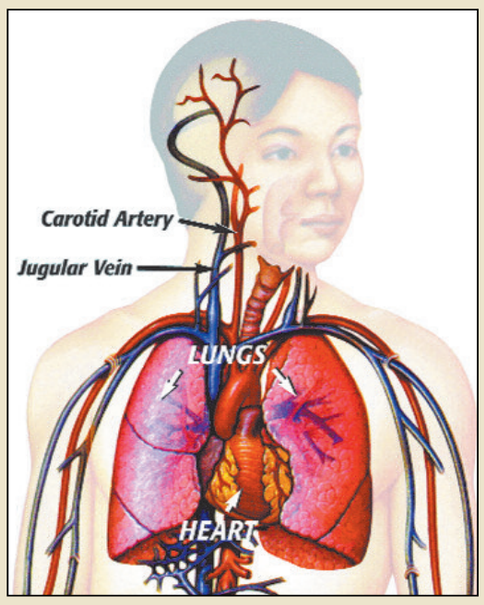


अमेरिका के खाद्य एवं औषध प्रशासन ने फेफड़ों के कैंसर से बचाव करने और ट्यूमर के विकास को रोकने वाली दवा को मंजूरी दी है। जालकोरी नामक यह गोली जीन पर हमला कर उपचार करती है। प्रमुख दवा कंपनी फाइजर द्वारा निर्मित जालकोरी नामक यह गोली कैंसर पीड़ितों के शरीर में जीन पर हमला कर उपचार करती है। इससे उन कैंसर मरीजों का इलाज संभव होगा, जिनके शरीर में एक असाधरण जीन मौजूद होती है, जिससे कैंसर कोशिकाएं बढ़ने लगती हैं और ट्यूमर विकसित होता रहता है। येल विश्वविद्यालय में कैंसर चिकित्सा विभाग के प्रमुख डॉ. रॉय हर्बस्ट का कहना है यह एक आणविक चिकित्सा का उदाहरण है। अब ऐसी थेरेपी विकसित हो चुकी है, जो कीमोथेरेपी से भी बेहतर है और ट्यूमर को खत्म करने में सहायक सिद्ध हो सकती है। खाद्य एवं औषध प्रशासन (एफडीए) का कहना है कि करीब तीन चौथाई रोगियों की जांच ट्यूमर विकसित होने के बाद हो पाती है। साथ ही इनमें से मात्र छह प्रतिशत लोग पांच साल तक जीवित रह पाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि जालकोरी फाइजर के लिए एक ब्लॉकबस्टर उत्पाद सिद्ध हो सकता है। पिछले हफ्ते खाद्य एवं औषध प्रशासन ने एक और ऐसी दवा को मंजूरी दी है, जो जीन में परिवर्तन कर कैंसर का इलाज करती है।

# बड़ी फिगर से खो सकती है याददाश्त

**अगर आपके फिगर की मोटाई अधिक है तो आप सावधान हो जाइये। इससे आपकी याददाश्त भी जा सकती है।**

एक नए शोध के अनुसार किसी महिला की फिगर उसकी याददाश्त को प्रभावित कर सकती है। अमेरिका में शोधकर्ताओं ने पाया कि बूढ़ी महिलाओं का वजन अधिक हो तो उनकी याददाश्त कमजोर होती है, लेकिन अगर नितंबों का वजन अधिक है तो यह याददाश्त को बहुत अधिक प्रभावित करती है।

## अन्य बीमारियों का खतरा

विशेषज्ञों का मानना है कि कमर के आसपास वजन बढ़ने से कैंसर, डायबिटीज और दिल की बीमारियों के बढ़ने का खतरा रहता है। यह शोध जर्नल ऑफ द अमेरिकन गेरियाट्रिक्स सोसायटी में छपा है, जिसमें अच्छे दिमाग के लिए सही वजन होने की महत्ता बताई गई है।

## वजन घटने से खतरा कम

हालांकि शोध में यह भी कहा गया है कि अगर नितंबों का वजन बहुत अधिक न हो यानी थोड़ा सा ही अधिक हो तो इससे दिमाग की सुरक्षा भी होती है। शोधकर्ता मानते हैं कि महिलाओं में पेट के आसपास जमा होने वाली वसा ओस्ट्रोजन हार्मोन बनाती है, जिसका बनना मीनोपॉज के बाद कम हो जाता है। ओस्ट्रोजन हार्मोन दिमाग के लिए मददगार होती है। यह शोध 65 से 79 साल की 8,745 महिलाओं पर किया गया। इन महिलाओं की याददाश्त की परीक्षा ली गई। इनमें से अधिकतर महिलाओं का वजन अधिक था और उनके बॉडी मास इंडेक्स का भी माप लिया गया। शोधकर्ताओं ने पाया कि जैसे जैसे बॉडी मास इंडेक्स बढ़ता है, वैसे वैसे उनकी याददाश्त कम होती जाती है। इस शोध में उन महिलाओं की याददाश्त सबसे खराब पाई गई, जिनकी कमर छोटी और नितंब बड़े पाए गए। शोधकर्ताओं के प्रमुख डॉ. डायना करविन का कहना था, हमें ये देखना होगा कि कौन सी वसा दिमाग को किस तरह प्रभावित करती है।

# नए सेल्स नहीं बनने देती रेडियेशन थेरेपी

**रेडियेशन थेरेपी कैंसर की चिकित्सा का एक तरीका है जिसमें आयोनाइजिंग रेडियेशन नामक कणों का इस्तेमाल कैंसर के सेल्स को क्षति पहुंचाने के लिए होता है।**

**आयोनाइजिंग** रेडियेशन कैंसर के सेल्स पर प्रहार करती है और उसके आनुवांशिक तत्व को नुकसान पहुंचा कर नए सेल्स को बनने नहीं देती । रेडियेशन थेरेपी के दौरान कैंसर के सेल्स के आसपास के सामान्य सेल्स को भी क्षति पहुंचती है लेकिन यह समय के साथ ठीक हो जाते हैं। रेडियेशन थेरेपी बाह्य रूप से एक्स रे बीम्स के रूप में गामा रेज या सब एटामिक पार्टिकल्स के रूप में दी जाती है। बाह्य रूप से रेडियेशन देने की प्रक्रिया में 5 से 15 मिनट लगते हैं और इसमें दर्द नहीं होता ।

## कुछ नए तरीके

चिकित्सा कितनी बार दी जानी है यह हर व्यक्ति के लिए अलग अलग होता है। कुछ स्थितियों में चिकित्सा में कई हफ्ते लग जाते हैं। आंतरिक रूप से भी रेडियेशन दिया जाता है। ऐसे में रेडियोऐक्टिव पदार्थों को शरीर की कैविटी के रख दिया जाता है या फिर ट्यूमर के सेल्स के अन्दर रखा जाता है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव को बढ़ाने के लिए अपनाये जाने वाले कुछ नए तरीके हैं –

- **कनफार्मल बीम तकनीक:** कई बीम से एक ही समय रेडियेशन भी ली जा सकती है। ऐसा करने से रेडियेशन ट्यूमर के सेल्स पर एकत्रित हो जाता है और सामान्य टिश्यूज को कम प्रभावित करता है।
- **इन्ट्राआपरेटिव रेडियेशन थेरेपी** : सर्जरी के दौरान ट्यूमर पर रेडियेशन दी जाती है।
- **रेडियेसेंसिटाइजर्स:** यह ड्रग्स कैंसर के सेल्स पर रेडियेशन के प्रभाव को बढ़ाते हैं।
- **रेडियोप्रोटेक्टर्स:** यह ड्रग्स सामान्य सेल्स को रेडियेशन के द्वारा हुई क्षति से बचाते हैं जबकि आसपास के कैंसर के सेल्स क्षतिग्रस्त हो चुके होते हैं।
- **रेडियोइम्यूनोथेरेपी:** रेडियोएक्टिव पदार्थ एण्टीबाडीज से जुड़े होते हैं जो कि रक्षात्मक रासायन होते हैं और प्रतिरक्षा प्रणाली द्वारा बनाये जाते हैं। यह एण्टीबाडीज कैंसर के सेल्स को प्रभावित करते हैं । हमारे शरीर के एण्टीबाडीज नान कैंसरस, स्वस्थ सेल्स को प्रभावित नहीं करते हैं इसलिए इससे ट्यूमर के बाहर रेडियेशन से होने वाली क्षति का खतरा कम होता है ।

## रोग की चिकित्सा

बाह्य / एक्सटर्नल रेडियेशन थेरेपी शुरू करने से पहले रेडियेशन विशेषज्ञ चिकित्सा की योजना बनाता है। वह यह भी निर्धारित करता है कि मरीज़ को किस प्रकार की रेडियेशन और कितने सेशन देने हैं । आप शुरूआती सेशन में भाग ले सकते हैं। चिकित्सक सबसे पहले उस जगह पर निशान बनाता है जहां पर कि रेडियेशन चिकित्सा देनी होती है। चिकित्सकीय क्षेत्र पर निशान अंकित करने के लिए आजकल छोटे गोल्ड सीड्स का इस्तेमाल किया जाता है जिन्हें कि फिड्यूकल्स कहते हैं। एक चिकित्सकीय सेशन से दूसरे चिकित्सकीय सेशन में जाने के लिए ट्यूमर पर रेडियेशन की बीम देने पर ज्यादा सावधानी की आवश्यकता होती है। इससे रेडिसेशन के फैलने का खतरा और सामान्य सेल्स को क्षति पहुंचने का खतरा कम हो जाता है। चिकित्सा के दौरान मरीज को अस्पताल का गाउन पहनने की आवश्यकता होती है। रेडियेशन थेरेपी के कमरे में आपको या तो चिकित्सा की टेबल पर लेटना होता है या विशेष कुर्सी पर बैठना होता है। आपकी त्वचा पर बनाये निशान से चिकित्सक उस जगह को निर्धारित कर सकेगा जहां पर रेडियेशन देनी है और शरीर के दूसरे भागों पर किसी प्रकार का प्रभाव नहीं पड़ेगा। थेरेपी लेने के दौरान आपका एक ही स्थिति में पड़े रहना जरूरी है। इसी कारण से आपके शरीर को एक सांचे में रखा जाता है। एक बार जबकि आप चिकित्सा के लिए तैयार हो जाते हैं तो रेडियेशन आनकोलाजिस्ट कमरे से बाहर निकलकर पास के कंट्रोल रूम में चला जाता है । यहां से चिकित्सक ट्रीटमेंट मशीन का प्रयोग कर एक खास खिड़की से आपकी निगरानी करता है। रेडियेशन थेरेपी के दौरान आप चिकित्सकीय मशीन की आवाज़ सुन सकते हैं और यह मशीन आपके इर्द गिर्द घूमती है । यह चिकित्सा 1 से 5 मिनट तक होती है और इसमें किसी प्रकार का दर्द भी नहीं होता । ट्रीटमेंट के कमरे में आपको 5 से 15 मिनट तक का समय लगता है । सामान्यत: यह चिकित्सा एक हफ्ते से कई हफ्तों तक की जाती है । अगर आप आंतरिक रेडियेशन थेरेपी करा रहे हैं तो आपकी चिकितसा थोड़ा अलग तरीके से होती है।

## ब्रैकी थेरेपी

एक तरीका है ब्रैकीथेरेपी जिसे कि इन्टरस्टीशियल रेडियेशन थेरेपी भी कहते हैं । अगर आप यह प्रक्रिया करा रहे हैं तो आपको एनेस्थीसिया दिया जाता है तारों में मौजूद रेडियोएक्टिव पदार्थ या छोटे ट्यूब में पड़ा रेडियोएक्टिव पदार्थ मरीज के शरीर में ट्यूमर के स्थान पर सीधा आरोपित कर दिया जाता है। यह रेडियोएक्टिव आरोपण शरीर के अंदर रहता है या इसे कुछ समय बाद शरीर से निकाल दिया जाता है और यह बात भी कैंसर के प्रकार पर निर्भर करती है।

दूसरी प्रक्रिया जिसे कि इन्ट्राकैविटरी थेरेपी कहते हैं इसमें आपको जनरल या लोकल एनेस्थेटिक दिया जाता है और रेडियोएक्टिव पदार्थ को सीधा शरीर की कैविटी में आरोपित कर दिया जाता है। बाद में इसे निकाल भी दिया जाता है। पुराने समय से आज तक दोनों ही प्रकार की रेडियेशन थेरेपी में बदलाव आये हैं। जैसे कि रेडियेशन का स्रोत प्रोटोन भी हो सकते हैं। इस तकनीक में रेडियेशन बीम को सीधा मरीज पर केंद्रित किया जाता है। इससे अधिक मात्रा में रेडियेशन टिश्यूज तक पहुंच जाती है और यह सामान्य सेल्स को कम नुकसान पहुंचाती है ।

वितरण की नयी तकनीक को देखते हुए एक्स रे इमेजिंग तकनीक का प्रयोग भी विस्तार से हो रहा है । ऐसे दो तरीके हैं–

- **थ्री डाइमेंशनल कनफार्मल रेडियेशन और इन्टेंसिटी माडूलेटेड रेडियेशन** : इसका ध्येय है ट्यूमर सेल्स में रेडियेशन की सही मात्रा देना जिससे कि सामान्य सेल्स को किसी प्रकार की क्षति ना पहुंचे ।
- साइबरनाइफ थेरेपी अधिक मात्रा में रेडियेशन थेरेपी देती है और इसे छोटे अंतराल पर देना होता है। ऐसे में बहुत ही सटीक मात्रा में रेडियेशन की डोज देनी होती है। कुछ स्थितियों में रेडियेशन चिकित्सा में कुछ हफ्ते लग जाते हैं और बीमारी ठीक हो जाती है।

## बीमारी का पूर्वानुमान

चिकित्सक कुछ शरीरिक जांच, स्कैन, एक्स रे, रक्त जांच करके रेडियेशन थेरेपी का पता लगाने की कोशिश करेंगे । आपके निश्चित प्रकार की फोलो अप और जांच से यह पता चलेगा कि रेडियेशन थेरेपी की आवश्यकता है या नहीं । इस जांच से ट्यूमर की स्थिति का पता चलेगा और यह भी पता चलेगा कि कैंसर कितना फैल चुका है। रेडियेशन थेरेपी के बहुत से दूसरे अतिरिक्त प्रभाव हैं जो कि शरीर के उस क्षेत्र पर निर्भर करते हैं जिनकी चिकित्सा की जानी है। रेडियेशन थेरेपी के प्रभाव कुछ इस प्रकार से हो सकते हैं जैसे कि थकान होना, बालों का झड़ना, त्वचा के रंग में परिवर्तन, भूख ना लगना, उल्टियां आना, इन्फर्टिलिटी, स्टेरिलिटी, वैजाइनल ड्राइनेस। रेडियेशन थेरेपी से दूसरे प्रकार के कैंसर का भी डर रहता है।

12-04-2025 ISN:Layout 1 4/12/2025 7:41 AM Page 8



## कोहली ने प्यूमा के साथ अपना करार तोड़ा, एगिलिटास स्पोर्ट्सवियर में बनेंगे निदेशक

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली ने स्पोर्ट्स ब्रांड प्यूमा के साथ अपना करार तोड़ दिया है। विराट ने साल 2017 में प्यूमा के साथ करीब 110 करोड़ रुपये के एक करार पर हस्ताक्षर किए थे। प्यूमा ने विराट को इस करार को अगले आठ साल के लिए 300 करोड़ रुपये में आगे बढ़ाने का प्रस्ताव दिया था पर विराट ने इस प्रस्ताव को ठुकरा दिया। कंपनी उन्हें हर साल 37 करोड़ से ज्यादा, महीने के तीन करोड़ और हर दिन के 10 लाख रुपये देने को तैयार थी पर विराट तैयार नहीं हुए। वह अब एगिलिटास स्पोर्ट्सवियर कंपनी में निवेशक की भूमिका संभालेंगे। इस कंपनी की स्?थापना 2023 में प्यूमा इंडिया के साउथईस्ट एशिया के पूर्व मैनेजिंग डायरेक्टर अभिषेक गांगुली ने की थी। विराट सबसे अधिक कमाई करने वालों में शामिल हैं और उनकी नेट वर्थ 1050 करोड़ रुपये के करीब है। प्यूमा इंडिया ने कोहली के साथ साझेदारी खत्म होने की पुष्टि करते हुए कहा, 'प्यूमा विराट को उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता है। हमारे बीच कई वर्षों की यादगार साझेदारी रही, जिसमें बेहतरीन कैंपेन और प्रोडक्ट कोलैबोरेशन शामिल रहे। कंपनी आने वाले समय में नए एथलीट्स पर निवेश करती रहेगी और भारत में खेलों के ढ़ांचे को और मजबूत बनाने की दिशा में काम जारी रखेगी।' अब कोहली का ध्यान अपने लाइफस्टाइल और एथलीजर ब्रांड वन 8 को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ाने का है। एगिलिटास के साथ करार के जरिए कोहली का लक्ष्य है कि वे वन8 को एक वैश्विक ब्रांड के रूप में स्थापित करें।

## वनडे क्रिकेट में इस नियम में बदलाव पर हो रहा विचार, तेंदुलकर-ली पहले ही बता चुके हैं खतरनाक

**नई दिल्ली (एजेंसी)।** अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (ICC) वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों के इस्तेमाल के साथ नियमों में बदलाव करने पर विचार कर रहा है, ताकि गेंदबाजों के लिए खेल को संतुलित किया जा सके। मौजूदा खेल परिस्थितियों (पीसी) का पूर्ण उलटफेर नहीं है, लेकिन संभावित बदलाव गेंदबाजों को रिवर्स स्विंग की संभावना को फिर से पेश करके बढ़त देने के लिए बनाया गया है। इसके अतिरिक्त ICC टेस्ट मैचों के लिए इन-गेम क्लॉक शुरू करने पर विचार कर रहा है, ताकि ओवर रेट को नियंत्रित करने में मदद मिल सके और पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप को टी20 प्रारूप में बदलने के विचार का भी मूल्यांकन कर रहा है। जिम्बाब्वे में ICC बैठकों के दौरान इस सिफारिश की समीक्षा की जाएगी।

रिपोर्ट के अनुसार वनडे में दूसरी नई गेंद को चरणबद्ध तरीके से खत्म करने का प्रस्ताव ICC क्रिकेट समिति की ओर से आया है। सुझाए गए बदलाव के अनुसार टीमें दो नई गेंदों के साथ शुरुआत करेंगी, लेकिन 25 ओवर के बाद से उन्हें एक नई गेंद चुननी होगी। इसका मतलब यह है कि नियम को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा रहा है, लेकिन इससे रिवर्स स्विंग को फिर से शुरू करने में मदद मिलेगी, एक ऐसी सुविधा जो दो नई गेंदों पर लंबे समय तक चमकने के कारण गायब हो गई थी।

दो गेंदों के नियम की काफी आलोचना हुई है, जिसमें सचिन तेंदुलकर जैसे दिग्गज इसे खेल के लिए हानिकारक बताते हैं। तेंदुलकर ने तर्क दिया कि दो नई गेंदों का उपयोग करने से वे इतनी पुरानी नहीं हो पातीं कि रिवर्स स्विंग की अनुमति मिल सके, जो विशेष रूप से अंतिम ओवरों के दौरान एक महत्वपूर्ण कौशल है। उन्होंने लंबे समय से वनडे में बल्ले और गेंद के बीच बेहतर संतुलन की वकालत की है।

तेंदुलकर ने कुछ साल पहले सोशल मीडिया पर एक टिप्पणी में कहा था, 'वनडे क्रिकेट में दो नई गेंदों का होना आपदा का एक आदर्श नुस्खा है क्योंकि प्रत्येक गेंद को रिवर्स करने के लिए पर्याप्त समय नहीं दिया जाता है। हमने लंबे समय से डेथ ओवरों का अभिन्न अंग रिवर्स स्विंग नहीं देखा है।'

पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने भी इस मामले पर तेंदुलकर के रुख का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया है। सौरव गांगुली के नेतृत्व में क्रिकेट समिति ने गहन मूल्यांकन किया है। अतीत में, सफेद गेंद अक्सर 35वें ओवर तक खराब हो जाती थी या अपना रंग खो देती थी, जिससे अंपायर इसे बदलने के लिए मजबूर होते थे। प्रस्तावित प्रणाली के तहत, एक गेंद का उपयोग पारी के अंत तक 37-38 ओवर तक किया जा सकता है, जबकि मौजूदा व्यवस्था के अनुसार दोनों गेंदों का उपयोग केवल 25 ओवरों के लिए किया जाता है।

चर्चा के तहत एक अन्य महत्वपूर्ण नियम टेस्ट क्रिकेट में उलटी गिनती घड़ियों का उपयोग है, जो ओवरों के बीच 60 सेकंड की सीमा निर्धारित करती है। ये घड़ियां पहले से ही सीमित ओवरों के प्रारूप में उपयोग में हैं और मैचों को गति देने में मदद करती हैं। ICC

क्रिकेट समिति का लक्ष्य इस कदम के माध्यम से यह सुनिश्चित करना है कि टेस्ट मैचों में प्रत्येक दिन 90 ओवर फेंके जाएं। ICC पुरुषों के अंडर-19 विश्व कप के प्रारूप में बदलाव पर भी विचार कर रहा है अब तक खेले गए दो संस्करण - 2023 (दक्षिण अफ्रीका) और 2025 (मलेशिया) - दोनों में छोटे प्रारूप का उपयोग किया गया है। पुरुषों के संस्करण के लिए कोई भी प्रारूप परिवर्तन केवल 2028 प्रसारण चक्र से प्रभावी होगा।

## घरेलू मैदान में सबसे अधिक मैच हारने वाली टीम बनी आरसीबी

बेंगलुरु । रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने घरेलू मैदान पर टीम की हार पर निराशा जताई हैं। पाटीदार ने कहा कि बल्लेबाजों के खराब प्रदर्शन से टीम के हाथों से जीत निकल गयी। आरसीबी ने इस मैच में पहले खेलते हुए 163 रन बनाये। इसके बाद वह अपने स्कोर का बचाव नहीं कर पायी हालांकि उसके गेंदबाजों ने अच्छी शुरुआत करते हुए दिल्ली के 30 रनों पर ही तीन विकेट गिरा दिये थे। इसके बाद के एल राहुल के 93 रनों की पारी से मैच बदल गया। इस प्रकार आरसीबी को अपने घरेलू मैदान पर 45वीं हार मिली है। इस प्रकार वह अपने घरेलू मैदान पर सबसे ज्यादा 45 मैच हारने वाली पहली टीम बन गई है। वहीं दूसरे नंबर पर दिल्ली है। वह अपने घरेलू मैदान पर 44 मैच हारी है। इस सूची में तीसरे नंबर पर 38 के साथ कोलकाता नाइट राइडर्स है। टीम को मिली हार के लिए पाटीदार ने बल्लेबाजों को जिम्मेदार बताया और कहकि जिस तरह से हमने विकेट को देखा। उससे वह काफी अलग निकला, हमें लगा कि यह एक अच्छा बल्लेबाजी विकेट है पर अहम अच्छी बल्लेबाजी नहीं कर पाये। एक विकेट पर 80 रनों से 4 विकेट पर 90 रन पर पहुंच जाना स्वीकार नहीं किया जा सकता। हमारे पास अच्छे बल्लेबाज थे पर हम अपनी स्थिति का सही आंकलन नहीं कर पाये। पाटीदार ने हालांकि टिम डेविड के प्रदर्शन की तारीफ की है।

## पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग की वापसी, अब टीम में निभाएगी ये भूमिका

**ब्रिसबेन (एजेंसी)।** सात बार की विश्व कप विजेता पूर्व ऑस्ट्रेलियाई कप्तान मेग लैनिंग की आईसीसी अंडर-19 महिला टी-20 विश्वकप 2027 की तैयारियों को लेकर 26 सदस्यीय टीम के लिए सहायक कोच और मेंटर के रूप में राष्ट्रीय टीम में वापसी हुई हैं। लैनिंग बनाम पेरी श्रृंखला में लैनिंग अपने नाम वाली टीम के कोचिंग स्टाफ का हिस्सा होंगी, हालांकि वह ब्रिस्बेन के राष्ट्रीय क्रिकेट परिसर के शिविर में शामिल सभी खिलाड़ियों के साथ काम करेंगी।

यह समूह अप्रैल के अंत में तीन टी-20 मैचों के लिए एकत्रित होगा, क्योंकि ऑस्ट्रेलिया 2027 टूर्नामेंट की तैयारी शुरू कर रहा है और इस दौरान खिलाड़ी अपने खेल में सुधार करने के लिए ध्यान केंद्रित करने के लिएअलग-अलग सत्रों में भाग लेंगे। इस सीरीज के लिए चयन को वाईएसपी द्वारा राज्य और क्षेत्रीय संघों के सहयोग से नामांकन प्रक्रिया के माध्यम से अंतिम रूप दिया गया है।

आईसीसी की रिपोर्ट के अनुसार क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया की राष्ट्रीय विकास प्रमुख सोन्या थॉम्पसन का मानना है कि लैनिंग का जुड़ना अगली पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों के लिए सीखने और अपने भविष्य को बदलने वाला अवसर है। थॉम्पसन ने कहा, 'यह हमारे सर्वश्रेष्ठ उभरते क्रिकेटरों के लिए ऑस्ट्रेलिया के सबसे प्रतिष्ठित क्रिकेटरों में से एक से क्रिकेट के गुर सीखने का अविश्वसनीय अवसर है।'

## बेटे से नहीं मिल पाने से दुखी हैं धवन

मुम्बई । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व खिलाड़ी शिखर धवन ने कहा है कि वह अपने बेटे से पिछले दो साल से नहीं मिल पाने से दुखी हैं। धवन का कहना है कि पत्नी आयशा से तलाक के बाद उनके लिए अपने बेटे से बात करना भी संभव नहीं हो रहा है। ये उनके लिए एक कठिन समय है। इसका कारण है कि उनका नंबर तक ब्लॉक कर दिया गया है। भावुक हुए धवन ने कहा, मैं चाहता हूं कि वो खुश और स्वस्थ रहे। मैं उसे अब भी हर तीन या चार दिन में मैसेज करता हूं । मुझे उम्मीद नहीं है कि वो उन मैसेज को पढ़ेगा। अगर वो मैसेज ना भी पढ़े तो भी कोई परेशानी नहीं है। उससे संपर्क करने की कोशिश करना मेरा काम है और मैं ये करता रहूंगा। साथ ही कहा कि उनके बेटे की उम्र अब 11 वर्ष हो गई है। अपने बेटे से जुड़ाव महसूस करने के लिए वो आध्यात्मिकता का सहारा लेते है। शिखर धवन ने कहा कि मैंने दो साल पहले अपने बेटे को देखा था। एक साल पहले उससे अंतिम बार मेरी बात हुई थी। ये समय काफी मुश्किल रहा है। मगर इस तरह भी जीना सीख जाते है। मैं उसे याद करता हूं और आध्यात्मिक तौर पर उससे बात भी करता हूं। इससे मुझे लगता है कि मैं उसे गले लगा रहा हूं। मैं आध्यात्मिक रूप से इसमें ही अपनी ऊर्जा लगाता हूं। मुझे लगता है कि मैं इसी तरीके से अपने बेटे को वापस पा सकूंगा। गौरतब है कि धवन और उनकी पूर्व पत्नी आयशा मुखर्जी के तलाक के बाद से ही बेटे जोरावर की कस्टडी को लेकर दोनों के बीच लंबे समय तक मुकदमा चला था। तब धवन ने काफी कोशिश की थी कि वो अपने बेटे को अपने पास रख सकें पर उन्हें सफलता नहीं मिली और आयशा बेटे को लेकर अपने घर ऑस्ट्रेलिया चली गयी।

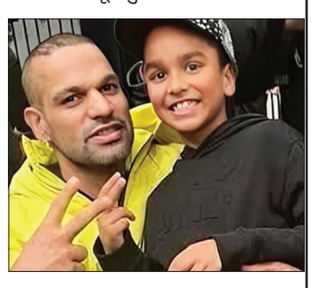

## हरियाणा सरकार ने दिए विकल्प, विनेश फोगट ने 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार चुना

**कोलकाता (एजेंसी)।** चंडीगढ़ = पहलवान से राजनेता बनी विनेश फोगट ने हरियाणा सरकार द्वारा हाल ही में उन्हें ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ की पेशकश करने के बाद नकद पुरस्कार चुना है, जिसमें उन्हें विभिन्न विकल्पों में से चुनने के लिए कहा गया है। 30 वर्षीय फोगट को 50 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अधिक वजन होने के कारण 2024 पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया था।

तीन बार की ओलंपियन ने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख बृज भूषण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने पिछले साल कांग्रेस के टिकट पर जींद जिले के जुलाना से हरियाणा विधानसभा चुनाव में सफलतापूर्वक चुनाव लड़ा था। हाल ही में हरियाणा सरकार ने अपनी खेल नीति के तहत फोगट को तीन विकल्प दिए। आधिकारिक सूत्रों ने गुरुवार को कहा कि उन्होंने 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार चुना। उन्होंने अपने फैसले की जानकारी देने के लिए मंगलवार को राज्य के खेल विभाग को एक पत्र सौंपा।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पिछले महीने घोषणा की थी कि हरियाणा मंत्रिमंडल ने राज्य की खेल नीति के तहत फोगट को ओलंपिक रजत पदक विजेता के बराबर लाभ देने का फैसला किया है। राज्य की खेल नीति तीन तरह के लाभ प्रदान करती है जिसमें 4 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार, ग्रुप 'ए' के तहत एक उत्कृष्ट खिलाड़ी (ओएसपी) की नौकरी और हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण (एचएसवीपी) का प्लॉट शामिल था।

सरकार ने हाल ही में उनसे उस लाभ के बारे में वरीयता मांगी थी जिसका वह लाभ उठाना चाहती थीं। मार्च में हरियाणा विधानसभा के बजट सत्र के दौरान फोगट ने सैनी को पिछले साल पेरिस ओलंपिक में 50 किलोग्राम वर्ग में स्वर्ण पदक मुकाबले से पहले अधिक वजन होने के कारण अयोग्य घोषित किए जाने के बाद पदक विजेता की तरह उनका सम्मान करने के उनके वादे की याद दिलाई थी।

उन्होंने विधानसभा में कहा, 'मुख्यमंत्री ने कहा था कि विनेश हमारी बेटी है और उसे ओलंपिक रजत पदक विजेता के रूप में पुरस्कार मिलेगा। यह वादा अभी भी पूरा नहीं हुआ है। यह पैसे की बात नहीं है, यह सम्मान की बात है। पूरे राज्य से कई लोग मुझसे कहते हैं कि मुझे नकद पुरस्कार मिलना चाहिए था।% सैनी ने कहा कि

प्रक्रियागत निर्णय के कारण फोगट को पेरिस ओलंपिक से अयोग्य घोषित कर दिया गया था। फोगट को ÷हरियाणा का गौरव÷ बताते हुए मुख्यमंत्री ने ट्वीट किया कि वह उनके सम्मान को कम नहीं होने देंगे।

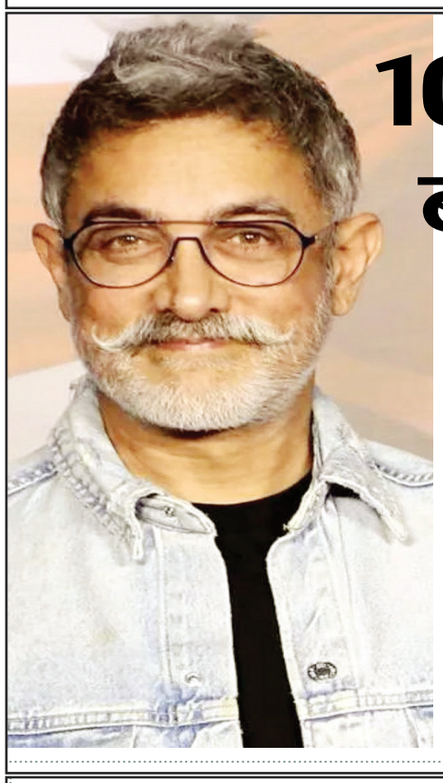

## 1000 करोड़ रुपये के बजट में बनेगी गजनी 2

**सुपरस्टार आमिर खान ने नागा चैतन्य और साई पल्लवी की आने वाली फिल्म थंडेल के ट्रेलर लॉन्च इवेंट में शिरकत की। इस इवेंट में साउथ के प्रोड्यूसर अल्लू अरविंद भी मौजूद थे। इवेंट के दौरान खान और अरविंद ने बहुचर्चित सीक्वल गजनी 2 के बारे में बड़ा संकेत दिया।**

### 1000 करोड़ी फिल्म बनाएंगे अल्लू अरविंद

मीडिया से बातचीत करते हुए अल्लू अरविंद ने कहा, मुझे आपके साथ 1000 करोड़ की फिल्म बनानी चाहिए। शायद गजनी 2। इस पर प्रतिक्रिया देते हुए आमिर खान ने कहा, गजनी 2 के बारे में इंटरनेट पर बहुत कुछ कहा जा रहा है। पिछले कुछ समय से ऐसी खबरें आ रही हैं कि अल्लू अरविंद तमिल और हिंदी दोनों में सीक्वल बनाने की योजना बना रहे हैं। अगर रिपोर्ट्स की मानें तो सूर्या गजनी 2 के तमिल वर्जन में मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि आमिर खान को हिंदी वर्जन के लिए चुना जाएगा।

### अल्लू अरविंद ने दिया अपडेट

रिपोर्ट्स के अनुसार, तमिल संस्करण में सूर्या मुख्य भूमिका निभाएंगे, जबकि आमिर हिंदी संस्करण के लिए अपनी भूमिका को दोहराएंगे। एक इंटरव्यू के दौरान सूर्या ने कहा, यह आश्चर्यजनक है कि आपने मुझसे अब गजनी 2 के बारे में पूछा। लंबे समय के बाद अल्लू अरविंद ने सीक्वल के विचार के साथ मुझसे संपर्क किया और पूछा कि क्या यह संभव होगा। मैंने कहा कि निश्चित रूप से सर, हम इस पर विचार कर सकते हैं। हां, बातचीत शुरू हो गई है और चीजें प्रक्रिया में हैं। गजनी 2 हो सकती है।

### दोनों संस्करण एक साथ होंगे रिलीज

रिपोर्ट्स के अनुसार, पैन-इंडिया फिल्मों के उदय के साथ लोकप्रिय सितारों के साथ पंथ फिल्मों के रीमेक बनते जा रहे हैं। सूर्या और आमिर खान दोनों गजनी 2 को लेकर उत्साहित हैं, लेकिन वे फिल्म से जुड़ा रीमेक लेबल नहीं चाहते हैं। वे इस बात से भी चिंतित हैं कि एक संस्करण को दूसरे से पहले रिलीज करने से नयापन खत्म हो सकता है और उन्होंने निर्माताओं के सामने अपनी चिंताएं व्यक्त की हैं। दोनों अभिनेताओं की बात सुनने के बाद अल्लू अरविंद और मधु मंटेना ने एक समाधान निकला कि गजनी 2 के दो संस्करणों को एक साथ शूट करें और उन्हें एक ही दिन रिलीज करें।

### स्क्रिप्ट पर काम जारी

निर्माताओं का मानना है कि गजनी जैसी कल्ट क्लासिक का सीक्वल बनाना महत्वपूर्ण जिम्मेदारी के साथ आता है, क्योंकि पहला भाग दोनों अभिनेताओं के लिए गेम-चेंजर था। उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि सीक्वल ऑर्गेनिक लगे और इसे केवल पैसों के फायदे के लिए नहीं बनाया गया हो। वे दोनों कॉन्सेप्ट को पसंद करते हैं। वर्तमान में स्क्रिप्ट पर काम किया जा रहा है और फैंस को 2025 के मध्य तक इसके बारे में खास जानकारी मिल सकती है।

## एक बार फिर ओटीटी पर धमाल मचाएंगी तृप्ति

बॉलीवुड अभिनेत्री तृप्ति डिमरी के पास कई प्रोजेक्ट्स हैं, जिसकी शूटिंग में अभिनेत्री व्यस्त हैं। इस बीच अब अभिनेत्री के नए प्रोजेक्ट को लेकर दिलचस्प खबर सामने आ रही है। ऐसा लगता है कि तृप्ति के हाथ एक और बड़ा प्रोजेक्ट लगा है। खबर है कि तृप्ति डिमरी को एक बायोपिक ओटीटी सीरीज में दिवंगत परवीन बॉबी की भूमिका निभाने के लिए चुना गया है, जिसकी शूटिंग जल्द ही शुरू होने वाली है। 2024 में लगातार दो फिल्मों के जरिए बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाने के बाद प्रशंसक तृप्ति को इस प्रतिष्ठित भूमिका में देखने के लिए बेताब हैं। तृप्ति डिमरी के पास आने वाले समय में कई रोमांचक फिल्में हैं। उन्होंने अपने बहुमुखी अभिनय से खुद को एक स्टार के रूप में साबित किया है और अब वह एक बार फिर ओटीटी स्पेस में अपनी पहचान बनाने के लिए तैयार हैं। इससे पहले बुलबुल और कला जैसी नेटफ्लिक्स फिल्मों में अभिनय कर चुकीं तृप्ति डिमरी को इस महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट में शामिल होना एक बेहतरीन अगला कदम लगता है।

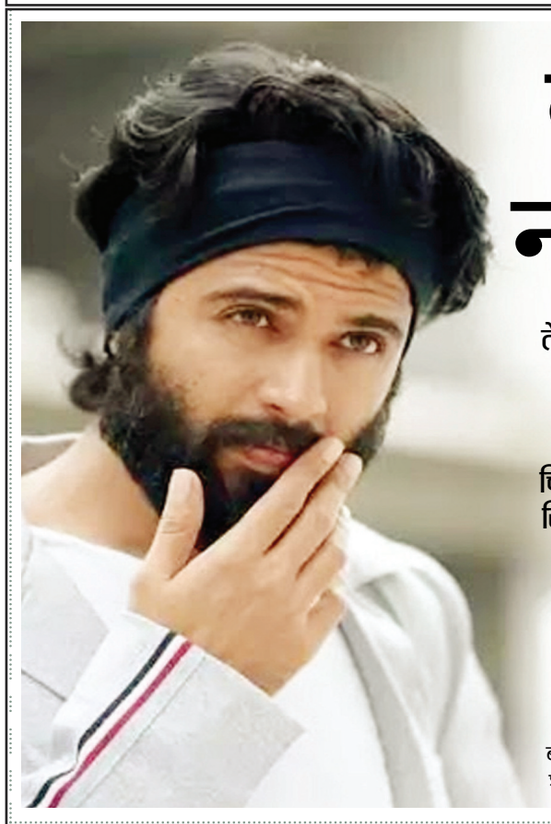

## बॉलीवुड का बुरा दौर खत्म होगा नए फिल्ममेकर लाएंगे बदलाव

**तेलुगु एक्टर विजय देवरकोंडा ने हिंदी फिल्म इंडस्ट्री की मौजूदा हालत पर खुलकर अपनी राय रखी है। जहां बॉलीवुड के बॉक्स ऑफिस नतीजे चिंता का विषय बने हुए हैं, वहीं साउथ सिनेमा का दबदबा लगातार बढ़ता जा रहा है। इस बहस के बीच विजय का मानना है कि यह सब एक चक्र का हिस्सा है और जल्द ही हिंदी सिनेमा भी नए जोश के साथ वापसी करेगा।**

### यह सिर्फ एक चक्र है

बातचीत में कहा, साउथ फिल्म इंडस्ट्री का अभी शानदार दौर चल रहा है। लेकिन यह सिर्फ एक चक्र है। एक समय था जब आप हमें जानते भी नहीं थे। एक समय था जब इंडियन सिनेमा ने जबरदस्त पहचान बनाई थी और इंटरनेशनल ऑडियंस तक पहुंचा था। अब यह साउथ सिनेमा का समय है। 5 या 10 साल बाद फिर कुछ नया बदलाव आएगा। हिंदी सिनेमा को नया दौर मिलेगा विजय का मानना है कि हिंदी सिनेमा जल्द ही एक नया दौर देखेगा, जहां नए फिल्ममेकर इसे आगे ले जाएंगे। उन्होंने कहा, इस बदलाव से नए फिल्ममेकर निकलकर आएंगे, जो हिंदी सिनेमा को फिर से मजबूत बनाएंगे। बहुत जल्द हिंदी सिनेमा को नए डायरेक्टर और कहानीकार मिलेंगे, जो शायद मुंबई से बाहर के होंगे। मेरा मानना है कि वे हिंदी भाषी इलाकों से आएंगे और बिल्कुल अलग तरह की फिल्में बनाएंगे। उनकी स्टोरीटेलिंग साउथ से भी अलग होगी।

### बाहुबली ने दी पहचान

विजय ने बाहुबली का उदाहरण देते हुए बताया कि कैसे एस. एस. राजामौली ने इस फिल्म के जरिए तेलुगु सिनेमा को ग्लोबल पहचान दिलाई। उन्होंने कहा, तेलुगु सिनेमा को बड़े ऑडियंस तक पहुंचने के लिए काफी स्ट्रगल करना पड़ा। जब एस. एस. राजामौली ने बाहुबली बनाई, तो उन्होंने ऐसे दो एक्टर्स पर भारी निवेश किया, जिन्हें हिंदी फिल्म इंडस्ट्री शायद जानती भी नहीं थी। अगर फिल्म न चलती, तो बहुत सारे करियर खत्म हो सकते थे। प्रोड्यूसर्स को बड़ा नुकसान होता और एक्टर्स ने 5 साल सिर्फ एक फिल्म के लिए दिए थे। यह सबके लिए बहुत बड़ा रिस्क था। लेकिन इस तरह की लड़ाई लड़नी पड़ती है। मुझे लगता है कि हिंदी सिनेमा भी अपनी राह ढूंढ लेगा। यह सब जिंदगी का हिस्सा है।

## कौन है ऋतिक का फेवरेट को-स्टार?

ऋतिक रोशन को जल्द ही स्पाई थ्रिलर वॉर 2 में देखा जाएगा। वॉर 2 इस साल 14 अगस्त को रिलीज होने वाली है। फैंस इस सीक्वल का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। हाल ही में एक सार्वजनिक कार्यक्रम के दौरान ऋतिक ने अपने वॉर 2 सह-कलाकार जूनियर एनटीआर की तारीफ की। जब उनसे पसंदीदा सह-कलाकार के बारे में पूछा गया तो ऋतिक ने जूनियर एनटीआर का नाम लिया, जिसके बाद फैंस ने जोरदार तालियां बजाईं। ऋतिक ने जूनियर एनटीआर को शानदार बताते हुए कहा कि वह एक बेहतरीन टीममेट हैं। वॉर 2 ऋतिक रोशन की 2019 की हिट फिल्म वॉर का सीक्वल है। यह यशराज फिल्म्स स्पाईवर्स का हिस्सा है, जो कई एक्शन फिल्मों को जोड़ता है।

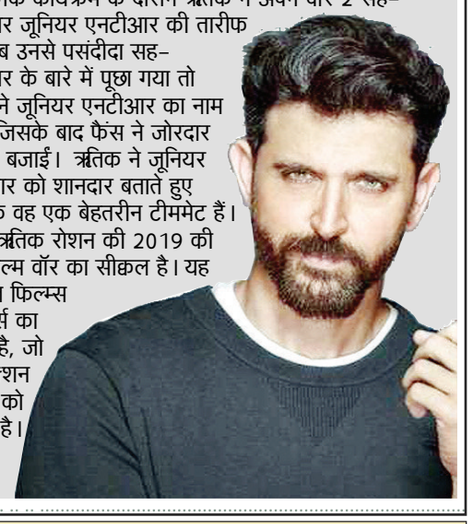

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक इशाकत अली खान द्वारा वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस सी ब्लाक बारात घर चौड़ा रघुनाथपुर सेक्टर 22 नोएडा से मुद्रित कराकर, प्लॉट नं0 40, तृतीय तल अट्टा मार्केट सेक्टर 27 नोएडा से प्रकाशित किया। किसी भी वाद विवाद का निस्तारण क्षेत्र न्यायालय गौतमबुद्धनगर होगा। संपादकः—इशाकत अली खान, उप संपादकः— संगीता सिरोही मो0—9411009503, Email :- indianews.savdhan@gmail.com कानूनी सलाहकार :— वरिष्ठ एडवोकेट गजराज सिंह नागर, वरिष्ठ एडवोकेट राजीव चौधरी, एडवोकेट ऐतजाज खान।